बालाघाट
सोमवार 16 नवम्बर 2026
कार्तिक शुक्ल 06 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 54
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

मुंबई सीएसएमटी पर बम की धमकी निकली अफवाह

मुंबई । मुंबई में रविवार को पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल (सीएसएमटी) को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, जो जांच के बाद अफवाह निकली। शनिवार शाम करीब 6:40 बजे वाडी बंदर स्थित राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के नियंत्रण कक्ष को स्टेशन पर बम रखे होने की सूचना मिली थी। इसके तुरंत बाद, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), जीआरपी, मुंबई पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने मिलकर पूरे टर्मिनल पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया। श्वान दस्तों के साथ, उपनगरीय व लंबी दूरी की ट्रेनों के प्लेटफॉर्म, पैदल पार पुलों और पार्सल क्षेत्रों सहित पूरे परिसर को खंगाला गया। घंटों चली इस सघन जांच के बावजूद, स्टेशन या किसी भी ट्रेन में कोई संदिग्ध व्यक्ति, विस्फोटक सामग्री या लावारिस वस्तु नहीं मिली। सुरक्षा एजेंसियां अब भी पूरी तरह सतर्क हैं और रेलवे नेटवर्क पर कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं।

सीजेपी का देशभर में संगठन विस्तार

नई दिल्ली। कांकरोच जनता पार्टी ने अपने संगठन का विस्तार करना शुरू कर दिया है। इस विस्तार के तहत 10 राज्यों और क्षेत्रों में जोनल प्रभारियों की नियुक्ति की घोषणा की और राज्य व क्षेत्रीय समन्वय समितियों का गठन किया। क्षितिज पगार को वेस्ट जोन का प्रभारी और डॉ. विवेक सांगवान को नॉर्थ जोन का प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं, मुहम्मद जुनैद और गीगराज जोरली को नॉर्थ जोन समन्वय समिति का सदस्य बनाया गया है। इस संगठन ने जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, झारखंड, पूर्वोत्तर, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के लिए समन्वय समितियां भी गठित की हैं।

एमडी ड्रग्स की फैक्ट्री पर छापा

अहमदाबाद। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और सरखेज पुलिस ने रविवार को अहमदाबाद के सरखेज इलाके में एमडी ड्रग्स बनाने वाली एक फैक्ट्री पर छापेमारी की। फैक्ट्री एक बिल्डिंग के तहखाने में बनाई गई थी। पुलिस ने मौके से करोड़ों रुपए का ड्रग्स बनाने का कच्चा माल जब्त किया गया। इस मामले में मुख्य आरोपी एमएम पठान और उसकी पत्नी को हिरासत में लिया गया है। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी मुदस्सर ने राजस्थान से ड्रग्स बनाने की ट्रेनिंग ली थी। वहीं, नशीले पदार्थ बनाने का कच्चा माल मध्य प्रदेश के रतलाम से ला रहा था। दंपति पिछले एक महीने से तहखाने में ड्रग्स तैयार कर रहा था। आरोपी मुदस्सर पठान खुद ड्रग्स का आदी है। इसी के चलते तीन साल पहले वह ड्रग्स बेचने लगा था और कुछ समय पहले से ड्रग्स बनाने लगा। हालांकि, पहली डिलीवरी से पहले ही पुलिस ने उसकी फैक्ट्री को जब्त कर लिया।

महिला आरक्षण पर बड़ा दांव खेलने की तैयारी में एनडीए सरकार, 2029 के चुनाव से पहले संवैधानिक बदलाव की तैयारी, दिसंबर में संसद का सत्र बुलाने की तैयारी,एसआईआर पर सरकार-विपक्ष में टकराव के आसार

विशेष सत्र नहीं अब शीतकालीन सत्र!

543 से बढ़कर 850 हो सकती हैं लोकसभा की सीटें, परिसीमन के जरिए 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने की योजना

नई दिल्ली। देश में पिछले कुछ दिनों से संसद का विशेष सत्र बुलाने का दावा किया जा रहा था। कहा जा रहा था कि एनडीए सरकार विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण और परिसीमन बिल पास कराने की कोशिश करेगी। सरकारी सूत्रों का कहना था कि संसद में परिसीमन बिल पास कराने के लिए 380 का आंकड़ा सरकार के पास है। दावा किया जा रहा था कि विशेष सत्र बुलाकर बहुमत के आंकड़े से 15-20 अधिक सांसदों की संख्या से बिल पास करा लिया जाएगा। लेकिन पिछले कुछ दिनों में जिस तरह के हालात बदले हैं, इस कारण अब शीतकालीन सत्र बुलाने का निर्णय लिया गया है। गौरतलब है कि अभी तक संसद के मानसून सत्र के समापन की घोषणा नहीं हुई है। इस बीच सरकारी सूत्रों का कहना है कि दिसंबर में पहले सत्राह में शीतकालीन सत्र बुलाने की तैयारी हो रही है। संसद का आगामी शीतकालीन सत्र इस बार कई बड़े राजनीतिक और संवैधानिक फैसलों का केंद्र बन सकता है। दिसंबर के पहले सत्राह से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने की संभावना है। केंद्र सरकार इस सत्र में महिला आरक्षण कानून को लागू करने की दिशा में अहम कदम उठाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए संविधान संशोधन विधेयक लाया जा सकता है। प्रस्तावित बदलावों में परिसीमन के जरिए लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 तक करने का विकल्प भी शामिल है। सरकार की कोशिश है कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था लागू हो जाए। यदि प्रस्तावित योजना आगे बढ़ती है तो इसका असर देश की संसदीय संरचना, चुनाव क्षेत्रों के निर्धारण और राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर पड़ेगा। यही वजह है कि इस सत्र में महिला आरक्षण के साथ परिसीमन का मुद्दा भी राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में रह सकता है। हालांकि, सत्र की शुरुआत से पहले ही राजनीतिक माहौल गर्म होने के संकेत हैं। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच मतभेद बढ़ रहे हैं। ऐसे में संसद में महिला आरक्षण और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर आमने-सामने की स्थिति बन सकती है।



2029 से पहले लागू करना चाहती है सरकार

महिलाओं को विधायी संस्थाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए संसद ने सितंबर 2023 में संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम पारित किया था। इसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से जाना जाता है। इस कानून के तहत लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया गया है। हालांकि, कानून में इसके क्रियान्वयन को अगली जनगणना के बाद होने वाली परिसीमन प्रक्रिया से जोड़ा गया है। इसका अर्थ है कि कानून पारित होने और वास्तव में आरक्षण लागू होने के बीच संवैधानिक तथा प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी होना जरूरी है। अब सरकार इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए नए संवैधानिक प्रावधानों पर विचार कर रही है। प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य महिला आरक्षण के क्रियान्वयन का रास्ता तैयार करना और लोकसभा की सीटों की संख्या में संभावित विस्तार करना है।

543 से 850 सीटों तक पहुंच सकती है लोकसभा

वर्तमान में लोकसभा में निर्वाचित सदस्यों की संख्या 543 है। प्रस्तावित योजना के तहत इसे बढ़ाकर अधिकतम 850 तक करने का विकल्प सामने आया है। सीटों की संख्या बढ़ाने के पीछे परिसीमन और महिला आरक्षण को लागू करने की व्यवस्था को महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है। यदि लोकसभा की सदस्य संख्या बढ़ती है तो नए निर्वाचन क्षेत्रों का गठन करना होगा। इसके साथ ही राज्यों के बीच सीटों के वितरण, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और आरक्षित सीटों के निर्धारण जैसे सवाल भी महत्वपूर्ण होंगे। यह बदलाव केवल संसद की सदस्य संख्या तक सीमित नहीं रहेगा। इसका असर राजनीतिक दलों की चुनावी रणनीति, उम्मीदवारों के चयन और संसदीय क्षेत्रों के मौजूदा समीकरणों पर भी पड़ सकता है।

परिसीमन बनेगा सबसे अहम संवैधानिक मुद्दा

महिला आरक्षण और परिसीमन के बीच सीधा संबंध होने के कारण इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस की संभावना है। परिसीमन का मतलब जनसंख्या और संवैधानिक प्रावधानों के आधार पर लोकसभा तथा विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं और प्रतिनिधित्व का पुनर्निर्धारण करना है। इस प्रक्रिया में यह तय होता है कि किस राज्य और क्षेत्र को कितनी संसदीय सीटें मिलेंगी। इसके अलावा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों का निर्धारण भी किया जाता है। दक्षिण भारत के कई राज्यों में परिसीमन को लेकर पहले से चिंता जताई जाती रही है। इन राज्यों का तर्क है कि जनसंख्या नियंत्रण के प्रयासों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों को भविष्य में सीटों के बंटवारे में नुकसान नहीं होना चाहिए। ऐसे में सरकार के सामने महिला आरक्षण के साथ राज्यों के बीच प्रतिनिधित्व के संतुलन का सवाल भी रहेगा।

हरदीप सिंह पुरी अब मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी अब उत्तर प्रदेश के बजाय मध्यप्रदेश से राज्यसभा के सदस्य होंगे। वे 5 नवंबर 2026 को मध्यप्रदेश से निर्विरोध राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। इसके बाद उन्होंने 14 नवंबर को उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया, जिसे सभापति सीपी राधाकृष्णन ने स्वीकार कर लिया है।



पुरी का उत्तर प्रदेश से कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त होना था। मध्यप्रदेश से उनका नया कार्यकाल 2 अप्रैल 2030 तक रहेगा। मध्यप्रदेश की यह राज्यसभा सीट पूर्व केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद रिक्त हुई थी।

मतदाता सूची में त्रुटियां दूर करने और पात्रों को जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध- चुनाव आयोग

आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण दिया



नई दिल्ली। देश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच, चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण दिया है। चुनाव आयोग ने अदालत को बताया कि वह मतदाता सूची में सभी विसंगतियों को दूर करने और यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे। आयोग ने स्वीकार किया कि मतदाता सूची में समय-समय पर समस्याएं आती रही हैं, और आयोग इन चुनौतियों से भली-भाँति जानता है। उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी पात्र मतदाताओं की सूची में शामिल करना और सभी विसंगतियों को दूर करना है।

चुनाव आयोग ने उन सभी मतदाताओं की चिंताओं को दूर किया जिनके नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से गायब हैं, जबकि वे पहले से पंजीकृत थे। आयोग ने स्पष्ट किया कि यदि कोई पात्र मतदाता, जिसका नाम पिछली सूची में दर्ज था लेकिन अब ड्राफ्ट सूची में नहीं है, वह फॉर्म-6 भरकर नए सिरे से अपना नाम जुड़वा सकता है। इसतरह के मामलों में उस पर किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ेगा, बशर्ते वह किसी अन्य लोकसभा या विधानसभा क्षेत्र में पहले से पंजीकृत न हो और उसका घोषणा पत्र कानूनी प्रावधानों के अनुरूप हो। दरअसल, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत गलत घोषणा करने पर सजा का प्रावधान है, और यह चिंता जाहिर की थी कि दोबारा पंजीकरण करने पर यह धारा लागू हो सकती है। आयोग ने आशंका को खारिज कर कहा कि निर्धारित शर्तों का पालन करने वाले पात्र मतदाताओं के खिलाफ केवल इस वजह से मुकदमा नहीं चलाया जाएगा कि उनका नाम पहले मतदाता सूची में दर्ज था। चुनाव आयोग ने सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को इस स्पष्टीकरण का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया है, जिसमें स्थानीय भाषाओं का भी उपयोग करने को कहा गया है ताकि सही जानकारी सभी मतदाताओं तक पहुंच सके।

सुप्रीम कोर्ट के सुझाव पर ध्यान देकर आयोग ने एसडीडी श्रेणी के मतदाताओं से संबंधित मुद्दों पर भी अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। एएसडीडी उन मतदाताओं को संदर्भित करता है जो सत्यापन के दौरान अनुपस्थित पाए गए, अपने पते से स्थानांतरित हो गए हैं, मृत हैं, या जिनके नाम मतदाता सूची में दोहरी प्रविष्टि के रूप में दर्ज हैं। आयोग ने उन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया है, जहां विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया चल रही है, कि वे ऐसी व्यवस्था बनाएं जिससे एएसडीडी श्रेणी के मतदाता अपने वर्तमान सामान्य निवास स्थान पर भरा हुआ एन्यूमरेशन फॉर्म जमा कर सकें। यह फॉर्म निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी या बूथ लेवल ऑफिसर को दिया जा सकता है।

अमूल का एक और झटका

दूध के बाद अब दही और लस्सी भी महंगी

अहमदाबाद। डेयरी दिग्गज अमूल ने आम उपभोक्ताओं को एक और झटका देकर दूध के बाद अब अपने दही और लस्सी के दाम भी बढ़ाए हैं। ये नई दरें 14 नवंबर से लागू हो गई हैं। महंगाई की मार झेल रहे लोगों के लिए यह खबर किसी झटके से कम नहीं, खासकर तब जब हाल ही में अमूल ने अपने ताजा पाउच दूध की कीमतों में पिछले 15 सालों की सबसे बड़ी वृद्धि की थी।

नई दर सूची के अनुसार, एक किलो अमूल मस्ती दही अब 80 रुपये के बजाय 85 रुपये में मिलेगा, यानी सीधे 5 रुपये का इजाफा। इसी तरह, 380 ग्राम वाला अमूल मस्ती दही का पैकेट भी 35 रुपये से बढ़कर 37 रुपये का हो गया है। दही के साथ-साथ अमूल ने अपनी लस्सी के दामों में भी बढ़ोतरी की है, जिससे यह लोकप्रिय पेय भी अब पहले से महंगा मिलेगा।

यह बढ़ोतरी तब हुई है जब कुछ ही दिनों पहले अमूल ने अपने ताजा पाउच दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपये प्रति लीटर तक का इजाफा किया था। इस बढ़ोतरी के बाद अमूल ताजा टोंड दूध दो दिन 57 से 59 रुपये प्रति लीटर और अमूल गोल्ड 70 से 74 रुपये प्रति लीटर हो गया था। यह इस साल दूध की कीमतों में दूसरी वृद्धि थी, और इससे पहले घी व मक्खन के दाम भी बढ़ाए जा चुके हैं।

गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) के अनुसार, मूल्य वृद्धि के पीछे उत्पादन और परिवालन लागत में आई तेजी मुख्य कारण है। पशुओं के चारे, पैकेजिंग सामग्री, ईंधन की बढ़ती कीमतें और अनियमित बारिश के कारण दूध उत्पादन की कुल लागत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ऐतिहासिक रूप से दूध के दामों में 1-2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी देखी जाती थी, लेकिन इस बार बढ़ती लागत के दबाव में 3.3 प्रतिशत से 5.5 प्रतिशत तक की भारी वृद्धि करनी पड़ी। अब इसका सीधा असर दही और लस्सी जैसे अन्य डेयरी उत्पादों पर भी दिख रहा है, जिससे आम आदमी की जेब पर महंगाई का बोझ और बढ़ गया है।

नहीं थम रहा जहरीली शराब से मौतों का सिलसिला

सागर में जहरीली शराब पीने से एक की मौत, दूसरा गंभीर

सागर। मध्यप्रदेश में जहरीली शराब से होने वाली मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला सागर जिले का सामने आया है, जहां कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों व्यक्तियों ने विवेकानंद वार्ड की महरआई की शराब दुकान से शराब खरीद कर पी थी। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। हालत गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां राजाराम खटीक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे कमलेश पिता रामचरण का उपचार जारी है। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है, दोनों ने शराब कहां से खरीदी थी, उसमें कौन से जहरीले रसायन मिले हुए थे। शराब के नमूनों की जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। इसके पहले भी बीड़ तहसील में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौतें हुई थीं। सागर जिले में जहरीली शराब पीने से मौत का सिलसिला बंद नहीं हो रहा है। लगातार सामने आ रही हैं, ऐसी घटनाएं अवैध शराब के कारोबार और आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। एडिशनल एसपी नॉरेंद्र सोलंकी के अनुसार संबंधित दुकान को बंद कर दिया गया है शराब दुकान के लाइसेंस सी प्रमोद साहू और ऑकार साहू के बयान लिए गए हैं मामले की जांच जारी है।

नाबालिग उम्र- 18 से घटाकर 16 वर्ष करने पर बहस जारी

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट की एक टिप्पणी के बाद आपराधिक कानून में नाबालिग की उम्र सीमा को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। हाईकोर्ट ने कहा है कि अपराधों के बदलते स्वरूप और किशोरों में बढ़ती परिपक्वता को देखते हुए विधायिका को किशोरों की कानूनी उम्र सीमा 18 से घटाकर 16 वर्ष करने पर विचार करना चाहिए। जस्टिस ए. बदरुद्दीन ने यह टिप्पणी एक याचिका पर सुनवाई के दौरान की। अदालत में मामला 23 वर्ष से कम उम्र के लोगों को शराब परोसने पर रोक से संबंधित था। याचिका में आरोप लगाया गया कि आबकारी अधिकारियों और लाइसेंस प्राप्त बार संचालकों ने नियमों का पालन नहीं किया। मामले में नेडुम्बसेरी में हुए एक सड़क हादसे का भी उल्लेख किया गया, जिसमें 19 वर्षीय युवक के शराब के नशे में तेजी कूपर चलाने की बात कही गई है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि हादसे से पहले उसे एर्नाकुलम के कई बार में शराब परोसी गई थी।

सुनवाई के दौरान अदालत ने शराब की आसान उपलब्धता और युवाओं से जुड़े सड़क हादसों पर चिंता जताई। कोर्ट ने आबकारी आयुक्त को यह बताने के लिए बयान दाखिल करने का निर्देश दिया है कि 23 वर्ष से कम उम्र के लोगों को शराब परोसने पर लगी रोक को लागू करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई 24 नवंबर को होगी।

सुझाव पर हो विचार- कृष्णा

हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद केरल की महिला एवं बाल विकास मंत्री चिंदु कृष्णा ने कहा कि सुझाव पर विचार किया जाना चाहिए। हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज कमाल पाशा ने भी मौजूदा उम्र सीमा की समीक्षा का समर्थन करते हुए कहा कि 16 वर्ष की उम्र तक बच्चों में दुनिया को समझने की पर्याप्त क्षमता विकसित हो जाती है।

तत्काल बदलाव संभव नहीं

हालांकि, अदालत की टिप्पणी से भौजूदा कानूनी परिभाषा में तत्काल कोई बदलाव नहीं हुआ है। किशोर न्याय अधिनियम के तहत 18 वर्ष से कम उम्र का व्यक्ति बच्चा माना जाता है। उम्र सीमा में बदलाव के लिए संसद या संबंधित विधायी प्रक्रिया के जरिए कानून में संशोधन करना होगा।

कुछ ना कहना



अमिताभ बच्चन के घर फायरिंग की साजिश, दो शूटर गिरफ्तार

अमृतसर। बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के मुंबई स्थित घर के बाहर फायरिंग करने की साजिश का खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इस मामले में दो कथित शार्पशूटर्स को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान जालंधर निवासी विकास ठाकुर और तरनतारन निवासी दीपक सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, दोनों विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के लिए काम करते थे। गैंगस्टर 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर अमिताभ बच्चन के कथित बयान से नाराज था और इसी वजह से उन्हें निशाना बनाने की योजना बनाई गई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों आरोपियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। दीपक सिंह को मुंबई में रुककर अमिताभ बच्चन के घर के बाहर फायरिंग करनी थी, जबकि विकास ठाकुर को दिल्ली के एक कारोबारी पर रंगदारी के लिए गोली चलाने का जिम्मा दिया गया था। पुलिस ने दोनों को वारदात को अंजाम देने से पहले गिरफ्तार कर लिया।

मुंबई में रुकने के निर्देश, घर के बाहर करनी थी फायरिंग

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दीपक सिंह को मुंबई में अधिक समय तक रुकने के लिए कहा गया था। उसे अमिताभ बच्चन के घर के बाहर फायरिंग करनी थी। पुलिस के मुताबिक, इस साजिश के पीछे विदेश में बैठे गैंगस्टर का मकसद अभिनेता को 1984 के सिख विरोधी दंगों पर उनके कथित बयान को लेकर निशाना बनाना था। हालांकि, अमिताभ बच्चन ऐसे किसी बयान को देने से इनकार कर चुके हैं। इस मामले में सामने आए आरोपों और कथित साजिश की जांच जारी है।

दिल्ली पुलिस के डिप्टी कमिश्नर नारा चैतन्य के मुताबिक, विकास ठाकुर जालंधर के न्यू गांधी नगर का रहने वाला है। उसे मुंबई से दिल्ली भेजा गया था।

डही में जनजातीय सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करते हुए पीएम बोले

वंचितों को वरीयता हमारी प्राथमिकता

सरेखा मछली मार्केट परिसर में खंडहरनुमा मकान के भीतर मिला वृद्ध महिला का शव

सिर पर चोट के निशान से हत्या की आशंका! संदिग्ध युवक से की जा रही पूछताछ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सरेखा मछली बाजार परिसर में रविवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक पुरानी होटल परिसर में स्थित खंडहरनुमा मकान के भीतर एक वृद्ध महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। मृतिका की पहचान सरेखा निवासी नर्मदी भाई पति गणेशलाल भोयर (60 वर्ष) के रूप में हुई है। महिला के सिर सहित शरीर पर चोट के निशान पाए जाने की जानकारी सामने आई है। ऐसे में महिला की मौत को लेकर हत्या की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि महिला की हत्या हुई है या उसकी मौत किसी हादसे अथवा अन्य कारण से हुई है, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगा हालांकि पुलिस द्वारा एक संदिग्ध को पूछताछ के लिए थाने ले जाने की बात सामने आई है।



4-5 साल में ही पति को छोड़कर मायके आ गई थी महिला

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतिका नरबदी बाई वार्ड नंबर 30 शारदा मंदिर चौक सरेखा में निवास करती थी। मृतिका का ससुराल नैनपुर का है जो अपने पति से शादी के 4 -5 साल बाद अलग होकर अपने मायके सरेखा आकर रहती थी जिसके बच्चे नहीं थे।बताया कि मायके आने के बाद वह सब्जी का धंधा कर अपना जीवन यापन करती थी। लेकिन कुछ समय से मृतिका के साथ एक लडका रहता था। वर्तमान में मृतिका कोई काम नहीं करती थी।नरबदी बाई की लाश रविवार की सुबह सरेखा मछली बाजार के समीप सुनसान खण्डर स्थल में मिली।मृतिका की हत्या की आशंका जताई जा रही है।वह इस स्थान पर कैसे पहुंची और उसके साथ क्या हुआ इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।हालांकि पुलिस ने शव बरामद कर पंचनामा कार्रवाई कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

हत्या की जताई जा रही आशंका

रविवार सुबह स्थानीय लोगों को जानकारी मिली कि पुरानी होटल परिसर में स्थित एक खंडहरनुमा मकान में महिला का शव पड़ा हुआ है। यह जानकारी क्षेत्र में फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि जिस स्थान पर महिला का शव मिला है, वह उसके घर से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। महिला वहां किन परिस्थितियों में पहुंची और उसकी मौत कैसे हुई, यह फिलहाल रहस्य बना हुआ है।हालांकि हर कोई इसे हत्या बता रहा है।

सिर पर चोट के निशान, हत्या या हादसा जांच का विषय

घटनास्थल पर महिला के शव की स्थिति और सिर पर दिखाई दे रहे चोट के निशानों ने मामले को और संदिग्ध बना दिया है। स्थानीय लोगों ने महिला की हत्या किए जाने की आशंका जताई है। वहीं पुलिस भी मामले की गंभीरता से लेते हुए हर पहलू पर जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिला की मौत से पहले उसके साथ कोई मारपीट हुई थी या फिर वह किसी कारणवश गिरकर घायल हुई और उसकी मौत हो गई। घटनास्थल की परिस्थितियों, चोटों की प्रकृति और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो पाएगी।

एएसपी, थाना प्रभारी सहित डॉग स्क्वॉड और एफएसएल टीम पहुंची मौके पर

घटना की सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय, कोतवाली थाना प्रभारी अजय गुर्जर पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मामले की संदिग्ध परिस्थितियों को देखते हुए डॉग स्क्वॉड और एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम द्वारा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई की।पुलिस आसपास के क्षेत्र की जानकारी जुटाने के साथ ही यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिला आखिरी बार किसके साथ और कहां देखी गई थी। इसके अलावा महिला के परिचितों और आसपास रहने वाले लोगों से भी पूछताछ की जा सकती है।

महिला घटना स्थल पर क्यो और कैसे पहुची

फिलहाल सरेखा में वृद्ध महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। महिला घर से करीब एक किलोमीटर दूर पुरानी होटल परिसर के खंडहरनुमा मकान तक कैसे पहुंची? उसके साथ आखिरी समय में कौन था? उसके शरीर पर चोट के निशान किन परिस्थितियों में आए? क्या महिला किसी वारदात का शिकार हुई है या फिर यह कोई हादसा है? इन तमाम सवालों के जवाब पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सामने आ सकेंगे। फिलहाल पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

सुबह मिली जानकारी-अभय

स्थानीय निवासी एवं पड़ोसी अभय पांडे ने बताया कि रविवार सुबह उन्हें जानकारी मिली कि उनकी पड़ोस में रहने वाली वृद्ध महिला का शव खंडहरनुमा मकान में पड़ा हुआ है। जानकारी मिलने पर वे मौके पर पहुंचे, जहां महिला का शव पड़ा हुआ था। उन्होंने बताया कि महिला के सिर पर चोट के निशान दिखाई दे रहे थे। शव की स्थिति देखकर उन्हें आशंका है कि महिला के साथ कोई अप्रिय घटना हुई है और उसकी हत्या की गई हो सकती है। हालांकि हत्या की आशंका के संबंध में पुलिस जांच कर रही है।

चोट मारने से आई या गिरने से, जांच के बाद होगा स्पष्ट-एएसपी

दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी में मामला संदेहास्पद प्रतीत होने के कारण डॉग स्क्वॉड और एफएसएल टीम से घटनास्थल की जांच कराई जा रही है। महिला अकेली रहती थी और उसके शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं। हालांकि ये चोट किसी के द्वारा मारने से आई हैं अथवा महिला के गिरने से लगी हैं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। इसकी वास्तविक स्थिति जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने महिला के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया है। मामले में सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

वैनगंगा तट और मोती उद्यान में उमड़ा आस्था का सैलाब

पारंपरिक पूजा-अर्चना और छठ गीतों से भक्तिमय हुआ माहौल

सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न होगा चार दिवसीय महापर्व

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लोक आस्था, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सूर्य उपासना के महापर्व छठ की छटा रविवार की शाम बालाघाट में देखते ही बनी।



वैनगंगा नदी तट और मोती उद्यान में छठ पूजा के अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का ऐसा सैलाब उमड़ा कि पूरा वातावरण छठी मैया और सूर्य देव की आराधना में सराबोर नजर आया। चार दिवसीय महापर्व के तीसरे दिन रविवार 15 नवंबर को व्रती महिलाओं और पुरुषों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। पारंपरिक वेशभूषा, पूजा सामग्री से सजे सूप-दउरा, फल, फूल, गन्ना, नारियल और ठेकुआ के प्रसाद के साथ घाटों पर पहुंचे श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान से संध्या अर्घ्य की परंपरा निभाई। शाम ढलते ही घाटों पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती गई और छठी मैया के जयकारों तथा पारंपरिक छठ गीतों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

नहाय-खाय से शुरू हुआ महापर्व, खरना के बाद शुरू हुआ निर्जला उपवास

चार दिनों तक चलने वाले छठ महापर्व की शुरुआत 13 नवंबर शुक्रवार को नहाय-खाय की परंपरा के साथ हुई थी। इस दिन व्रतियों ने स्नान कर घरों में साफ-सफाई और शुद्धता के साथ सात्विक भोजन ग्रहण किया। इसके बाद 14 नवंबर शनिवार को खरना की परंपरा निभाई गई। व्रतियों ने दिनभर उपवास रखने के बाद शाम को गुड़ और चावल से बनी खीर, रोटी सहित अन्य प्रसाद ग्रहण किया। खरना के साथ ही करीब 36 घंटे के कठिन निर्जला व्रत का शुभारंभ हुआ। रविवार को तीसरे दिन संध्या अर्घ्य देकर अस्त होते सूर्य की उपासना की गई। अब सोमवार 16 नवंबर को महापर्व के अंतिम दिन उषा अर्घ्य की परंपरा निभाई जाएगी। इसके लिए श्रद्धालु सूर्योदय से पहले ही वैनगंगा तट और मोती उद्यान पहुंचेंगे तथा उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर पूजा-अर्चना करेंगे। इसके साथ ही व्रत का पारण कर चार दिवसीय महापर्व का विधिवत समापन होगा।

बालाघाट में बढ़ता जा रहा छठ पूजा का स्वरूप

ज्ञात हो की छठ महापर्व का विशेष महत्व बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में रहा है, लेकिन अब यह पर्व देश के विभिन्न हिस्सों में भी व्यापक रूप से मनाया जाने लगा है। बालाघाट में भी पिछले कई वर्षों से छठ पूजा की परंपरा लगातार आगे बढ़ रही है। वैनगंगा नदी तट और मोती उद्यान में स्थानीय श्रद्धालुओं की सहभागिता से पर्व का स्वरूप लगातार विस्तृत हुआ है। पहले जहां सीमित संख्या में परिवार इस व्रत को करते थे, वहीं अब बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार सहित घाटों पर पहुंचकर सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना करते हैं। छठ पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पारिवारिक एकजुटता, सामाजिक समरसता, स्वच्छता, अनुशासन और प्रकृति के प्रति सम्मान का भी प्रतीक है।

अब सुबह के अर्घ्य का इंतजार

रविवार की शाम वैनगंगा तट और मोती उद्यान में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व की महत्वपूर्ण परंपरा संपन्न हुई। अब सोमवार की सुबह श्रद्धालु उगते सूर्य को अर्घ्य देकर अपने कठिन निर्जला व्रत का पारण करेंगे। इसी के साथ चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ का विधिवत समापन होगा।

नि:शुल्क कोचिंग से शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा, समाज की प्रतिभाओं का होगा सम्मान

मां कर्मा तेली साहू समाज की बैठक में 100 बच्चों को पढ़ाने की पहल पर लिया गया निर्णय , अब तक 56 बच्चों ने कराया पंजीयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मां कर्मा तेली साहू समाज की बैठक रविवार को आंबेडकर चौक स्थित इंदौर एकेडमी में आयोजित की गई। समाज की आराध्य माता कर्मा और संत जगनाड़े महाराज की पूजा-अर्चना के साथ बैठक की शुरुआत हुई। इसमें संगठन को मजबूत बनाने, शिक्षा को बढ़ावा देने, सामाजिक भवन निर्माण और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। समाज की ओर से 100 बच्चों को निशुल्क कोचिंग देने की पहल भी शुरू की गई है, जिसके तहत अब तक 56 बच्चों का पंजीयन हो चुका है।



बैठक में समाज की जिला कार्यकारिणी के साथ महिला एवं युवा प्रकोष्ठ का विस्तार करने और नई पीढ़ी को संगठन से जोड़ने पर जोर दिया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और सभी सामाजिक बंधुओं की सहभागिता जरूरी है। समाज के आराध्यों की जयंती सामूहिक रूप से मनाने, सामाजिक आयोजनों को व्यापक स्वरूप देने और आय के स्थायी स्रोत विकसित करने पर भी विचार किया गया। इस दौरान निशुल्क कोचिंग में सहयोग कर रहे शिक्षक का सामूहिक रूप से सम्मान किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। निशुल्क कोचिंग के साथ जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री, मार्गदर्शन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहयोग देने की बात कही गई। इसके अलावा युवाओं को शिक्षा और रोजगार के प्रति जागरूक करने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, जरूरतमंद परिवारों की मदद करने और सामूहिक विवाह को प्रोत्साहित करने जैसे सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। बैठक में सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मान समारोह आयोजित करने की आवश्यकता भी जताई गई। उपस्थित सदस्यों ने निर्णय लिया कि समाजहित की गतिविधियों को जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों तक पहुंचाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। बैठक समाज के संरक्षक पीतम आंबिलकर, रविन्द्रनाथ नरताम एवं गनपत आंबिलकर की उपस्थिति में हुई। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष तहण साहू ने की। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष ज्ञानेश्वरी भोंगाड़े सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

समान शिक्षा के संदेश के साथ बालाघाट से निकली जनयात्रा

देश में सभी बच्चों को समान अवसर और समान स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 15 नवंबर को बालाघाट से समान शिक्षा जनयात्रा की शुरुआत की गई। इस यात्रा में समान शिक्षा समिति के पदाधिकारियों के साथ पूर्व कमिश्नर बी. चंद्रशेखर भी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के मैदान में आयोजित सभा से हुई, जिसमें विभिन्न प्रदेशों से पहुंचे समिति के प्रतिनिधियों ने समान शिक्षा की आवश्यकता और इसके व्यापक प्रभावों पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा के अवसरों में भेदभाव समाप्त कर देश के प्रत्येक बच्चे को समान गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराना जरूरी है। इसके लिए समाज, शिक्षकों और अभिभावकों की सामूहिक भागीदारी पर भी जोर दिया गया।

सभा के बाद शाम करीब 4:30 बजे उत्कृष्ट विद्यालय परिसर से जनजागरण रैली निकाली गई। रैली में शामिल लोगों ने समान शिक्षा के समर्थन में नारे लगाए और स्लोगन लिखी तख्तियों के माध्यम से अपना संदेश दिया। रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी और भ्रमण के बाद पुन: उत्कृष्ट विद्यालय परिसर पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान लोगों को शिक्षा में समानता, सभी बच्चों के लिए बेहतर शैक्षणिक अवसर और सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने का संदेश दिया गया। रैली के समापन के बाद समान शिक्षा के विषय पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि बालाघाट से निकली यह जनयात्रा आगे अन्य जिलों की ओर बढ़ेगी। यात्रा के दौरान संबंधित जिलों में समान शिक्षा को लेकर संवाद और चर्चा आयोजित की जाएगी। इसमें स्कूलों के शिक्षकों, विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से बातचीत कर शिक्षा व्यवस्था से जुड़े अनुभवों, समस्याओं और अपेक्षाओं को समझने का प्रयास किया जाएगा। समिति के प्रतिनिधियों के अनुसार, यात्रा का अगला पड़ाव देर रात अथवा 16 नवंबर को तय होने की संभावना है। विभिन्न जिलों में जनसंवाद और बैठकों के माध्यम से समान शिक्षा का संदेश पहुंचाते हुए यह यात्रा 25 नवंबर को भोपाल पहुंचेगी।

ग्राम सिवनीकला में स्वरधारा छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम 17 को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्राम पंचायत सिवनीकला में सार्वजनिक मंडई उत्सव समिति के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 17 नवंबर को पारंपरिक मंडई का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर ग्रामीणों के मनोरंजन के लिए रात्रि 9 बजे से भव्य स्वरधारा छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।कार्यक्रम में तुलसीपुर, राजनांदगांव की स्वरधारा टीम के गायक विष्णु कश्यप, देवानंद वर्मा, धनंजय साहू एवं वर्षत निर्मलकर तथा गायिकाएं आरती साहू एवं श्वेता मानिकपुरी अपनी प्रस्तुतियां देंगी। इस दौरान कलाकार छत्तीसगढ़ी गीतों की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों का मनोरंजन करेंगे।सार्वजनिक मंडई उत्सव समिति सिवनीकला, ग्राम के समस्त पंचगण एवं ग्रामीणजनों ने क्षेत्र के सभी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की रौनक बढ़ाने एवं स्वरधारा छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आनंद लेने की अपील की है।

युवा कतिया समाज की बैठक में युवक-युवती परिचय सम्मेलन कराने का निर्णय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। युवा कतिया समाज बालाघाट की बैठक 15 नवंबर रविवार को जय स्तंभ चौक के समीप अर्पित सेवा संस्था परिसर में आयोजित की गई।



बैठक में समाज के युवक-युवती परिचय सम्मेलन के आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से आगामी 10 जनवरी 2027 को परिचय सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया। सम्मेलन में महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में निवासरत समाज के लोगों को भी आमंत्रित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक युवक-युवतियों को एक-दूसरे से परिचित होने का अवसर मिल सके। बैठक में परिचय सम्मेलन की तैयारियों के साथ समाज की अन्य सामाजिक गतिविधियों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए समाज के लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने और व्यापक स्तर पर आमंत्रण पहुंचाने पर जोर दिया। बैठक में युवा कतिया समाज के जिलाध्यक्ष भूमेश्वर शिव, सचिव धनराज डोंगरे, मीडिया प्रभारी प्रताप डोंगरे, ब्लॉक अध्यक्ष बालाघाट आनंद श्रीनाग, मनोज नागवंशी सरेखा बालाघाट, राजा महेन्द्र श्रीनाग किरनापुर, घनश्याम शिव, रविकांत सूर्यवंशी, हेमंत शिव, ओझा जी शिव सहित अन्य सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

रिपोर्ट दर्ज करने की रंजिश में महिला पर हमला

दो सगे भाई ने महिला को मारपीट कर किये घायल

दोबारा रिपोर्ट करने पर दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम बैजूमोहगांव में रिपोर्ट लिखवाने की रंजिश को लेकर दो सगे भाई ने एक महिला को मारपीट कर घायल कर दिये और महिला को दोबारा रिपोर्ट करने पर जान से मार डालने की धमकी भी दी। खैरलांजी पुलिस ने इस मामले में लक्ष्मी लिल्हारे और उसके भाई रामकरन लिल्हारे के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बैजूमोहगांव निवासी सुशीकला दानवे मजदूरी का काम करती हैं।बताया गया है कि 9 नवंबर को लक्ष्मी लिल्हारे ने सुशीकला के साथ मारपीट की थी। जिसकी शिकायत सुशीकला ने खैरलांजी थाने में दर्ज कराई थी। इसी शिकायत को लेकर लक्ष्मी लिल्हारे रंजिश रखे हुए थे।13 नवंबर को सुशीकला अपने घर के अंदर काम कर रही थीं। उनके पति उस समय मंडई गए हुए थे। शाम करीब 7:30 बजे लक्ष्मी लिल्हारे और उसका भाई रामकरन लिल्हारे उनके घर के सामने पहुंचे और गालियां देने लगे।आवाज सुनकर सुशीकला घर से बाहर आईं तो दोनों कहने लगे - तुमने हमारे खिलाफ थाने में रिपोर्ट की है। यह कहते हुए दोनों अश्लील गालियां देने लगे।रिपोर्ट करने की रंजिश को लेकर दोनों ने सुशीकला को हाथ-मुक्कों से मारना शुरू कर दिया। मारपीट की आवाज सुनकर मोहल्ले-पड़ोस के लोग दौड़े और बीच-बचाव किया।इसके बाद लक्ष्मी लिल्हारे और उसके भाई रामकरन लिल्हारे ने सुशीकला को अगली बार फिर रिपोर्ट करने पर जान से करने की धमकी दे दी । मारपीट में सुशीकला घायल हो गईं। घटना के बाद सुशीकला अपने पड़ोसी श्यामा मेश्राम के साथ रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी थाना पहुंचीं। पुलिस ने सुशीकला का इलाज और मेडिकल परीक्षण खैरलांजी अस्पताल में करवाया।सुशीकला की रिपोर्ट पर पुलिस ने लक्ष्मी लिल्हारे और उसके भाई रामकरन लिल्हारे के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मार डालने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी), 115(2), 351(2) और 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आंचलिक छत्तीसगढ़ी प्रोग्राम
चुनमुनिया
आकर्षक झांकियों के साथ
गायक - दामाद बाबू
राजनांदगांव के द्वारा प्रस्तुत
7440787959
8085493332

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
सोमवार 16 नवम्बर 2026

बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

एयर होस्टेस वर्षा तुरकर की धारदार हथियार से हत्या, नितेश अग्रवाल घायल

नितेश अग्रवाल ने वारदात की दी सूचना, महाराष्ट्र पुलिस ने संदिग्धों को हिरासत में लेकर शुरू की पूछताछ







पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा पर महाराष्ट्र के ग्राम बोंडारगी में १४ नवंबर को एक महिला की हत्या और उसके साथी को घायल करने की सनसनीखेज घटना सामने आई थी। मृतिका की पहचान खैरलांजी थाना अंतर्गत ग्राम किन्ही फॉर्म निवासी ३५ वर्षीय वर्षा तुरकर के रूप में हुई है । जबकि घटना में उसका साथी गोंदिया निवासी नितेश अग्रवाल घायल हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा दोनों के साथ लूटपाट की वारदात को अंजाम देने के दौरान यह घटना घटित हुई। घटना के बाद नितेश अग्रवाल ने वर्षा के परिजनों को दूरभाष पर सूचना दी। इसके बाद वर्षा के बहनोई मौके पर पहुंचे और गोंदिया निवासी नितेश अग्रवाल के साथ मिलकर उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलांजी लेकर आए जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद वर्षा को मृत घोषित कर दिया। मामले में खैरलांजी पुलिस ने जीरो पर मर्ग कायम कर घटना स्थल से संबंधित महाराष्ट्र के थाना दीनेवाड़ा को सूचना दी है। वहीं महाराष्ट्र पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है तथा कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पुणे में एयर होस्टेस के पद पर कार्यरत थी वर्षा

प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्षा तुरकर मूल रूप से खैरलांजी थाना अंतर्गत ग्राम किन्ही निवासी रोशनलाल तुरकर की बड़ी बेटी थी। वर्षा पढ़ाई में अच्छी थी और उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद पुणे में एयर होस्टेस के पद पर कार्यरत थी। इसी दौरान उसकी पहचान पुणे निवासी समीर सय्यद से हुई थी। करीब पांच वर्ष पूर्व दोनों ने प्रेम विवाह किया था। उनके परिवार में तीन वर्ष की एक बेटी भी है। बताया जाता है कि वर्षा अपने पति और बेटी के साथ हंसी खुशी जीवन व्यतीत कर रही थी। दीपावली के अवसर पर वर्षा अपने मायके आई हुई थी। इसी दौरान वह अपने परिचित नितेश अग्रवाल के साथ घूमने के लिए निकली थी। दोनों महाराष्ट्र के जिला गोंदिया अंतर्गत थाना दीनेवाड़ा क्षेत्र के ग्राम बोंडारगी पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि यहां जंगल स्थित मॉदर परिसर के पास अज्ञात व्यक्तियों ने उनके साथ लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान वर्षा तुरकर की हत्या कर दी गई जबकि नितेश अग्रवाल घायल हो गया।

नितेश अग्रवाल ने फोन कर परिजनों को दी घटना की जानकारी

वारदात के बाद घायल नितेश अग्रवाल ने दूरभाष के माध्यम से वर्षा के परिजनों को घटना की जानकारी दी। उसने बताया कि अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा उनके साथ लूटपाट की गई है जिसमें वर्षा की हत्या कर दी गई तथा वह स्वयं घायल हो गया है। सूचना मिलने पर वर्षा के बहनोई घटना स्थल पर पहुंचे। इसके बाद नितेश अग्रवाल और वर्षा के बहनोई दोनों मिलकर घायल वर्षा को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलांजी लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतिका के परिवार में शोक का माहौल व्याप्त हो गया।

पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा शव, महाराष्ट्र पुलिस कर रही जांच

अस्पताल से प्राप्त तहरीर के आधार पर खैरलांजी पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की। मृतिका के शव को सुरक्षित रूप से शव विच्छेदन गृह में रखवाया गया। जहां १५ नवंबर को पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूर्ण कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। चूंकि घटनास्थल महाराष्ट्र के जिला गोंदिया अंतर्गत थाना दीनेवाड़ा क्षेत्र में आता है इसलिए खैरलांजी पुलिस ने तत्काल संबंधित महाराष्ट्र पुलिस को घटना की सूचना दी। खैरलांजी पुलिस के द्वारा जीरो पर मर्ग कायम कर आवश्यक कार्यवाही के लिए प्रकरण थाना दीनेवाड़ा भेजा गया है। वहीं परिजनों की रिपोर्ट पर महाराष्ट्र पुलिस ने अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। पुलिस के द्वारा घटना से जुड़े कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। फिलहाल वारदात के वास्तविक कारणों, लूटपाट की घटना और हत्या में शामिल आरोपियों की भूमिका को लेकर पुलिस जांच जारी है।

नितेश अग्रवाल बेटी वर्षा की पहचान का व्यक्ति था-रोशनलाल तुरकर

मृतिका के पिता रोशनलाल तुरकर ने बताया कि हम रहने वाले नवेगांव के हैं अभी किन्ही फॉर्म में रहते हैं मृतिका मेरी बड़ी लड़की है। घटना के बाद हमें जानकारी लगी थी पहले यह दोनों हमारी दुकान में आए थे फिर यहां से वह निकले थे। लड़की का विवाह हो गया है इस घटना की जानकारी हमें फोन पर लगी जो हमें हमारे छोटे जवाई और समधी ने दी। नितेश अग्रवाल हमारी बेटी की पहचान का व्यक्ति था उसे सम्मान देता था यह पुणे में रहती थी और दिवाली में आई हुई थी।

मामला गोंदिया का है हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया है संदिग्ध से पूछताछ की जा रही- अनूप कुमार उइके

निरीक्षक अनूप कुमार उइके ने बताया कि अस्पताल सूचना मिली थी कि कोई लड़की का शव उसके रिश्तेदार और मित्र लाए हैं। पुलिस ने जांच की तो वह वर्षा तुरकर का शव था जो पूर्व में नवेगांव की रहने वाली थी ५ वर्ष पहले इनका प्रेम विवाह हुआ था पुणे में रहती थी अभी ३ वर्ष की उनकी बच्ची है। जो दिवाली में आई थी लड़की के विवाह के बाद पिता ने गांव छोड़कर किन्ही में रहने लगे वह अपने मित्र नितेश अग्रवाल के साथ घूमने के लिए गई हुई थी। तो मध्य प्रदेश महाराष्ट्र के बॉर्डर के पास महाराष्ट्र के जंगल में गए हुए थे जहां उसके साथी ने सूचना दी की इस प्रकार की घटना हो गई है। उसे वह लोग खैरलांजी अस्पताल लाये थे यह घटना स्थल दीनेवाड़ा थाना जिला गोंदिया महाराष्ट्र का होने से वहां हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया गया है संदिग्ध से पूछताछ की जा रही है। हमने अपनी प्राथमिक कार्यवाही कर दीनेवाड़ा पुलिस को भेज दी है।

साइकिलिंग प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, जबलपुर संभाग अव्वल

आठ संभागों के करीब 200 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, विजेता खिलाड़ियों को किया गया पुरस्कृत, दिसंबर में पुणे में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के 24 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्कूल शिक्षा विभाग के शालेय खेल कैलेंडर के तहत 12 नवंबर से आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय शालेय रोड साइकिलिंग प्रतियोगिता का समापन 15 नवंबर को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के



सभागार में हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश के आठ संभागों के करीब 200 बालक-बालिका खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में हिस्सा लिया। कड़े मुकाबलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जबलपुर संभाग को टीम ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह में अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत ठाकुर, नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, वार्ड क्रमांक 22 के पार्षद मनीष नेमा, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन, बीईओ मोनिका पटेल, सहायक संचालक मोहित डेहरिया, फील्ड ऑफिसर देवेंद्र ठाकुर, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य शरद ज्योतिषी और जिला क्रीड़ा अधिकारी दीपक गिरी गोस्वामी सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। आयोजन में प्रशिक्षकों, खेल शिक्षकों और संबंधित कर्मचारियों का सहयोग रहा। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन ने बताया कि प्रतियोगिता में जबलपुर, सागर, रीवा, उज्जैन, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जनजातीय संभाग की टीमों ने भाग लिया। आगामी दिसंबर माह में महाराष्ट्र के पुणे में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता आयोजित होगी, जिसमें मध्यप्रदेश के 24 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इनमें 10 से 12 खिलाड़ी जबलपुर संभाग के होने की संभावना है। टाइम ट्रायल के 14 वर्ष बालक वर्ग में जबलपुर संभाग के नैतिक ठाकरे प्रथम, जनजातीय संभाग के अंशाम द्वितीय और जबलपुर के नस्सर बिसाने तृतीय रहे। बालिका वर्ग में जबलपुर की देविका घरडे ने पहला, ग्वालियर की भारती प्रजापति ने दूसरा और रीवा की दिव्यांशी पटेल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 17 वर्ष बालक वर्ग में उज्जैन के आराध्य प्रथम, सागर के मोहित सिंह द्वितीय और उज्जैन के सोनू तृतीय रहे। बालिका वर्ग में जबलपुर की अंसवी लिल्हारे प्रथम, भोपाल की तनिष्क सिंह द्वितीय और जबलपुर की वंदना बाहेश्वर तृतीय स्थान पर रहीं। 19 वर्ष बालक वर्ग के टाइम ट्रायल मुकाबले में भोपाल के राजवीर तिवारी प्रथम, जबलपुर के प्रहलाद पन्दे द्वितीय और सागर के सोमवल अहिरवार तृतीय रहे। बालिका वर्ग में ग्वालियर की शिखा धाकड़ ने पहला, जबलपुर की कुमकुम नेवारे ने दूसरा और असीन खोब्रागड़े ने तीसरा स्थान हासिल किया। मास स्टार्ट के 14 वर्ष बालक वर्ग में जबलपुर के नैतिक राहंगडाले प्रथम, सागर के चैन सिंह द्वितीय और ग्वालियर के अमत तृतीय रहे। बालिका वर्ग में जबलपुर की अनन्या प्रथम, माही खांडे द्वितीय और उज्जैन की देविका पटेल तृतीय रहीं। 17 वर्ष बालक वर्ग में भोपाल के अलतास अली प्रथम, सागर के रोहित सिंह राजपूत द्वितीय और उज्जैन के समर्थ तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में भोपाल की अनुष्का प्रथम, जबलपुर की नव्या कलिहारे द्वितीय और भोपाल की आरोही रैकवार तृतीय रहीं। 19 वर्ष बालक वर्ग में भोपाल के जतीन अहिरवार ने प्रथम, सागर के कृष्णा रैकवार ने द्वितीय और जबलपुर के कीर्ति सहारे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में जबलपुर संभाग की सुमन प्रथम, हिमांशी द्वितीय और सरस्वती तृतीय रहीं। प्रतियोगिता के परिणामों के आधार पर खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा।

तेंदुए की मौत के मामले में 7 ग्रामीणों को जेल भेजने पर भड़का आक्रोश,वन विभाग पर बेगुनाहों को फंसाने का आरोप

बोले- वन क्षेत्र से शव लाकर किसान के खेत में किया अंतिम संस्कार, फिर वहीं खंभे और तार लगवाकर बना दिया आरोपी पूर्व विधायक दरबू सिंह उइके, सरपंच कुंवर सिंह मेरावी सहित ग्रामीणों ने उठाए कार्रवाई पर सवाल फोटो

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में वन्यजीवों की करंट से हो रही मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कभी बाघ तो कभी तेंदुआ बिजली के अवैध करंट की चपेट में आकर अपनी जान गंवा रहे हैं। वन विभाग इन घटनाओं में शिकार के लिए करंट बिछाने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है, लेकिन अब वन विभाग की कार्रवाई ही सवालों के घेरे में आ गई है। वन ग्राम नाटा की सीमा से लगे क्षेत्र में करंट की चपेट में आने से हुई एक तेंदुए की मौत के मामले में वन विभाग द्वारा 7 ग्रामीणों को गिरफ्तार कर जेल भेजे जाने के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने वन विभाग पर निर्दोष आदिवासी किसानों को झूठे मामले में फंसाने और बेवजह प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है इस मामले में पूर्व विधायक दरबू सिंह उइके, ग्राम पंचायत नाटा के सरपंच कुंवर सिंह मेरावी और ग्रामीणों ने खुलकर नाराजगी जाहिर करते हुए विभाग की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि जिस स्थान पर तेंदुए की मौत हुई, वहां से उसका शव लाकर एक आदिवासी किसान के खेत में अंतिम संस्कार किया गया और बाद में उसी खेत में लकड़ी के खंभे तथा बिजली के तार लगवाकर ग्रामीणों को आरोपी बना दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुए की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। केवल संदेह के आधार पर किसी किसान को अपराधी बनाकर जेल भेजना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने वन विभाग से पूरे मामले की दोबारा निष्पक्ष जांच कराने और निर्दोष लोगों को रिहा करने की मांग की है।

इन 7 ग्रामीणों को भेजा गया बैहर जेल

वन विभाग ने तेंदुए की मौत के मामले में जिन 7 ग्रामीणों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है, उनमें सुखचैन पिता शंकर सैयाम, दोहन पिता थानी लाल मरावी, घनश्याम पिता छबिलाल बरकड़े, राकेश पिता दिलीप बागपेंच, निरोत्तम पिता फूल सिंह वट्टी, पुरुषोत्तम पिता फूल सिंह वट्टी और धनेश्वर पिता फूल सिंह वट्टी के नाम शामिल हैं। इन सभी को बैहर जेल भेजे जाने की जानकारी सामने आई है। इन ग्रामीणों को गिरफ्तारी के बाद गांव में नाराजगी का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि मामले में यदि किसी ने वन्यजीवों के शिकार के लिए करंट बिछाया है तो उसकी पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाए, लेकिन बिना ठोस आधार के किसी को आरोपी नहीं बनाया जाना चाहिए।

चार दिन पुराना मिला था तेंदुए का शव, करंट से मौत की जताई गई थी आशंका

प्राप्त जानकारी के अनुसार वन विभाग निगम लामता परियोजना के अंतर्गत वन ग्राम नाटा की सीमा से लगे राजस्व क्षेत्र में एक तेंदुए का शव बरामद हुआ था। बताया गया कि तेंदुए की मौत बिजली के करंट की चपेट में आने से हुई थी और शव करीब चार दिन पुराना था। घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। वन विभाग द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई की गई। इसके बाद मामले में ग्रामीणों से पूछताछ की गई और कार्रवाई आगे बढ़ाते हुए अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार कर बैहर जेल भेज दिया गया।

कार्यवाही को लेकर विभाग और ग्रामीण आमने सामने

वन विभाग की इस कार्रवाई के बाद जहां वन्यजीव संरक्षण के लिहाज से अवैध करंट बिछाने वालों के विरुद्ध सख्ती की बात सामने आई, वहीं दूसरी ओर गिरफ्तार ग्रामीणों के परिजनों और गांव के लोगों ने कार्रवाई को एकतरफा बताते हुए विरोध शुरू कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग को पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि तेंदुए की मौत वास्तव में किस स्थान पर और किन परिस्थितियों में हुई। यदि किसी ने जानबूझकर करंट बिछाकर वन्यजीव का शिकार किया है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन निर्दोष किसानों को मामले में फंसाकर जेल भेजना उचित नहीं है।

वन क्षेत्र से शव लाकर खेत में अंतिम संस्कार कराने का आरोप

ग्रामीणों ने इस मामले में वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सबसे गंभीर सवाल तेंदुए के शव के अंतिम संस्कार को लेकर उठाए हैं। पूर्व विधायक दरबू सिंह उइके, सरपंच कुंवर सिंह मेरावी और ग्रामीणों का आरोप है कि तेंदुए का शव वन क्षेत्र में मिला था, लेकिन उसे आदिवासी किसान के खेत में लाकर अग्नि संस्कार कराया गया। इसके बाद उसी खेत में लकड़ी के खंभे और बिजली के तार लगवाकर संबंधित किसानों को आरोपी बना दिया गया। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि खेत में करंट बिछाने के साक्ष्य मिले थे तो उनकी वास्तविक स्थिति, बरामदगी और घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच क्यों नहीं कराई जा रही है? उनका आरोप है कि विभाग ने जिस तरह कार्रवाई की है, उससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि पहले ग्रामीणों को आरोपी बनाया गया और उसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया।वन विभाग की ओर से मामले में की गई जांच और जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर ही कार्यवाही किए जाने कि बात कही गई हैं।

जिले भर में हर्षोल्लास के साथमनाई गई बिरसा मुंडा जयंती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रविवार 15 नवंबर को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में धरती आबा बिरसा मुंडा की 151 वी जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर क्रांतिकारी बिरसा मुंडा की जयंती पर जिले भर में जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। जननायक बिरसा मुंडा की जयंती पर सामाजिक बंधुओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा नगर के अस्पताल चौक परिसर स्थित बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा समीप दीप प्रज्वलित कर, माल्यार्पण के उपरांत उनका जयघोष किया तो वही उद्घोधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहा उपस्थित पदाधिकारियों और सामाजिक बंधुओ ने बारी बारी से धरती आबा बिरसा मुंडा की विरगाथा का बखान किया। जहां उपस्थितजनों ने जननायक बिरसा मुंडा जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके बलिदान को याद किया। वहीं उपस्थितजनों ने बिरसा मुंडा की जीवनी से प्रेरणा लेकर उनके नक्शे कदम पर चलने

का संकल्प लिया इस दौरान पूर्व कमिश्नर बी चन्द्रशेखर, मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद अध्यक्ष दिनेश धुर्वे, नपा अध्यक्ष श्रीमती भारतीय सुरजीत सिंह ठाकुर, गजेंद्र भारद्वाज,निवर्तमान पार्षद रामलाल बिसेन, समाजसेवी, बर्सत वागदे,बिरसा ब्रिगेड अध्यक्ष सत्येंद्र इनवाती, सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य व सामाजिक बंधु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चलने का लिया गया संकल्प

भगवान बिरसा मुंडा की 151 वी जयंती के अवसर पदाधिकारियों ने जनसभा की सम्बोधित किया। कार्यक्रम बताया गया की भगवान बिरसा मुंडा ने लोगो के हक अधिकारों के लिए अंग्रेजो के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया था और वे अल्पायु में ही देश की आजादी के लिए फांसी के फंदे पर झूल गए थे। आज उन्हीं की जयंती मनाई जा रही है।जयंती पर बिरसा मुंडा प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया है।भगवान बिरसा मुंडा को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई है बताया गया कि भगवान बिरसा मुंडा ने समाज और पूरे देश के लिए आदर्श स्थापित किया है। उनके आंदोलन उनके संघर्ष ने नई जनजागृति लाई है, हमें उनके आदर्शों पर चलना है। उन्होंने केवल समाज ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए अपनी आवाज उठाई थी ।अपने अधिकार के लिए लड़े थे, हमें भी उनके नक्शे कदम पर चलना है यही संकल्प आज जयंती विशेष पर लिया गया है।

आस-पास की खबरें

मांझापुर में फिल्म स्टार तारा साहू की अनुपम प्रस्तुती रंग तरंग छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम आज

पदमेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मांझापुर में सार्वजनिक सप्तमी मंडई उत्सव के



तत्वाधान में 16 नवंबर को दिन-रात की मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से फिल्म स्टार तारा साहू की अनुपम प्रस्तुती रंग तरंग छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 16 नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है, जिसमें रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से फिल्म स्टार तारा साहू की अनुपम प्रस्तुती रंग तरंग छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें गायक तारा साहू के द्वारा सुमधुर स्वरों में छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुतियां दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील समिति अध्यक्ष रजनीश डहरवाल, उपाध्यक्ष गोपाल मुंजारे, रमेश नारबोटे, संजय सोनगड़े, उमेश बिसेन, बिहारी सहारे, सचिव राजा सोनगड़े, अंकुश सहारे, शरद सहारे, चैनलाल मड़ावी, श्रवण बिसेन, सहसचिव भूमेश्वर बिसेन, प्रदीप बघेले, देवेन्द्र बोरकर, गणेश पटले, हिर्माशु हनवत, गजेन्द्र ठाकरे, दीनदयाल बिसेन, सरपंच श्रीमती रूखमणी मर्सकोले, उपसरपंच घनश्याम चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

आवासटोला बेलगांव में दुय्यम महिला शायरी आज

पदमेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत बेलगांव के अंतर्गत आने वाले गाम आवासटोला में 16 नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। चर्चा में मंडई समिति अध्यक्ष विजेंद्र राणा ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दिन-रात की मंडई के अवसर पर 16 नवंबर को रात 9 बजे से ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए दुय्यम महिला शायरी का आयोजन किया गया है। जिसमें दोनों महिला शायरों के द्वारा अपने साथी कलाकारों के साथ संगीतमय शायरी की प्रस्तुती दी जायेगी। उक्त कार्यक्रम बेलगांव सरपंच अरविंद पंचेश्वर के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील मंडई समिति अध्यक्ष विजेंद्र राणा, उपाध्यक्ष देवराज माने, कोषाध्यक्ष गंगाराम माले, परमानंद दुसरे, हेमचंद माले, लोकेश ठोरे, अनिल सिंघई, राजेश महोबे, सोमन बारेकर, तीरभानु कावरे, दौलत सिंघई सहित ग्रामीणजनों ने की है।

महकाटोला निलजी में दिन-रात की मंडई आज

पदमेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर ग्राम पंचायत निलजी के महकाटोला में मंडई-मेला समिति के तत्वाधान में 16 नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। चर्चा में मंडई-मेला समिति महकाटोला निलजी के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दिन-रात की मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए 16 नवंबर की रात 9 बजे से लोक रंजनी देहान बांधा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील मंडई-मेला समिति के पदाधिकारियों एवं ग्रामीणजनों ने की है।

पंचायत की अनदेखी, 15 दिन से खुला पड़ा गड्ढा दे रहा हादसों को निमंत्रण, 3 माह से सूखे पड़े नल





गड्ढा खुला रहने से हो रहे हादसे, नल-जल योजना का पानी नही मिलने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त

रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव (बोरी) के मंदिरटोला में जिम्मेदारों की उदासीनता ग्रामीणों एवं राहगीरों के लिए बड़ी मुसीबत बन गई है। गांव के मुख्य मार्ग पर करीब 15 दिन पहले नल-जल योजना की पाइपलाइन के वॉल में आई खराबी को दुरूस्त करने के लिए खोदे गये गड्ढे को अब तक नही भरा गया है, न ही मरम्मत कार्य किया गया है। वहीं तीन माह पहले बिछाई गई पेयजल पाइपलाइन का कार्य पूर्ण होने के बाद भी ग्रामीणजनों को पानी प्रदाय नही किया जा रहा है। इस तरह से ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का तीन माह से पानी नही मिल रहा है। साथ ही सड़क किनारे, आंगनवाड़ी भवन के सामने खोदे गये गड्ढे के कारण आने-जाने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं लोग दुर्घटना का शिकार भी हो रहे है। वहीं उक्त स्थान पर प्रकाश की व्यवस्था नही होने पर शनिवार की रात में मोटरसाइकिल चालक दुर्घटना का शिकार हो गया। जबकि इस मार्ग से बोरी, मोहगांव सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीणजन एवं राहगीर आवागमन करते है। क्षेत्रीयजन रात्रि के समय मंडई में होने वाले कार्यक्रमों को देखने के लिए आवागमन करते है लेकिन दुर से गड्ढा दिखाई नही देने से उन्हे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही समीपस्थ आंगनवाड़ी केन्द्र स्थित है, नौनिहाल बच्चे पढ़ने आते है, अगर वे खेलते हुए गड्ढे के समीप जाते है तो वे भी दुर्घटना का शिकार हो सकते है। इस समस्या से कई बार पंचायत के जिम्मेदारों को अवगत करवा चुके है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, जिससे सभी में रोष व्याप्त है।

बड़ी दुर्घटना होने की बनी संभावना, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत मोहगांव (बोरी) के अंतर्गत आने वाले ग्राम मंदिरटोला में नल-जल योजना के तहत पुरानी पाइपलाइन खराब हो जाने के कारण नियमित रूप से पानी नही मिल पा रहा था। जिसके बाद पीएचई विभाग के माध्यम से तीन माह पूर्व नवीन पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया गया है। साथ ही आंगनवाड़ी भवन के सामने नल-जल योजना की पाइपलाइन का वॉल में तकनीकी खराबी आने पर उसे दुरूस्त करने के लिए 15 दिन पूर्व पंचायत के द्वारा गड्ढा खुदवाया गया है किन्तु अब तक उसे दुरूस्त नही किया गया है, न ही गड्ढे को भरा गया है। ऐसी स्थिति में यह बड़ा गड्ढा दुर से दिखाई नही देने पर आवागमन करने वालों को परेशानी हो रही है एवं दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। जबकि उक्त गड्ढा मोड़ाई पर सड़क के किनारे स्थित है, ऐसी स्थिति में ग्रामीणजनों को दुर स्थित हैंडपंप एवं कुओं से पानी लाना पड़ रहा है। इस तरह से प्रशासन की उदासीनता के चलते ग्रामीणजनों को पानी सहित अन्य समस्याओं से जुझना पड़ रहा है। वहीं उक्त समस्या से कई बार जिम्मेदारों को अवगत करवा चुके है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, जिससे सभी में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है। ग्रामीणजनों ने सड़क किनारे, आंगनवाड़ी भवन के सामने खोदे गये गड्ढे को जल्द भरे एवं नई पाइपलाइन के माध्यम से नलों में पानी प्रदाय करने की मांग की है। वहीं मोहगांव (बोरी) पंचायत के सचिव यशवंत रंगारे से दूरभाष पर आंगनवाड़ी भवन के सामने सड़क किनारे खोदे गये गड्ढे को भरने, नल-जल योजना का पानी नियमित रूप से ग्रामीणों को प्रदाय करने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

आंगनबाड़ी के नन्हे बच्चों और राहगीरों की जान को खतरा - तारावंद

तारावंद कावरे ने बताया कि आंगनवाड़ी भवन के सामने 15 दिन पहले गड्ढा खोद दिया गया है लेकिन उसे अब तक नही भरा गया है। जबकि इस मार्ग से मोहगांव, बोरी, बल्लारपुर सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीणजन एवं स्कूली बच्चें आना-जाना करते है। साथ ही आंगनवाड़ी के नौनिहाल बच्चें भी पढ़ाई करने आते है। आगे बताया कि गड्ढा खुला होने के कारण राहगीरों के साथ-साथ आंगनवाड़ी केंद्र आने-जाने वाले छोटे बच्चों पर हर समय दुर्घटना का खतरा मंडरा रहा है, लेकिन जिम्मेदार कोई ध्यान नही दे रहे है, हमारी मांग है कि गड्ढे को जल्द भरा जाये।

गड्ढा दुर्घटना को दे रहा आमंत्रण - सिलेकर

डी.पी. सिलेकर ने बताया कि नल-जल योजना के पाइप के वॉल मरम्मत के लिए लगभग 15 दिन पहले यह गड्ढा खोदा गया था। लेकिन कार्य अधूरा छोड़ दिया गया, जिस कारण से हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। इस समस्या को लेकर संबंधित कर्मचारियों, पंचायत सचिव और उपसरपंच को दो बार अवगत करवा चुके है, किंतु किसी ने सुध नहीं ली है। साथ ही मंडई का दौर शुरू हो चुका है एवं सड़क किनारे बने गड्ढे वाले स्थान पर प्रकाश की व्यवस्था भी नही है, अंधेरे में बीती रात मोटरसाइकिल सवार सीधे इस गड्ढे में गिरकर दुर्घटना का शिकार हो गया और रोजाना छोटी-मोटी दुर्घटनाएं हो रही है एवं किसी भी समय बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। श्री सिलेकर ने बताया कि तीन माह पूर्व नल-जल योजना के तहत पाइप बिछाने का कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन नलों में पानी नही आ रहा है, पानी के लिए भी परेशान हो रहे है। प्रशासन से मांग है कि जल्द से जल्द खुले गड्ढे को भरवाये और पेयजल आपूर्ति शुरू करवाये।

वीर शहीद बिरसा मुंडा की हर्षोल्लास के साथ मनाई गई जयंती

लोक जननायक क्रांतिवीर बिरसा मुंडा और महापुरूषों के बताये मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

पदमेश न्यूज। लालबर्रा। जल, जंगल, जमीन व आदिवासियों के अस्तित्व की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले लोक जननायक क्रांतिवीर बिरसा मुंडा की 151 वीं जयंती म.प्र. आदिवासी विकास परिषद के द्वारा 15 नवंबर को हाई स्कूल मार्ग स्थित शहीद बिरसा मुंडा चौक स्थित प्रतिमा स्थल परिसर में किया गया। इस दौरान बिरसा मुंडा चौक पर विभिन्न सामाजिक बंधुओं और प्रबुध्द जनों ने एकत्रित होकर महान क्रांतिकारी के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया। साथ ही उनके द्वारा देशहित में किये गये कार्यों के बारें बताते हुए सभी को उनके आदर्शों पर चलने की बात कही। चर्चा में म.प्र. आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा सचिव अनिल उइके ने बताया कि भारत सरकार द्वारा घोषित किये गये निर्देशानुसार 15 नवंबर को शहीद बिरसा मुंडा की जयंती 'जनजाति गौरव दिवस' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर स्वजातीय बंधु हाई स्कूल मार्ग प्रतिमा स्थल में एकत्रित होकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रध्दांजली अर्पित कर उन्हे याद किया। साथ ही उपस्थितजनों ने गोंडवाना साम्राज्य के अन्य महान क्रांतिकारियों के आदर्शों पर चलकर देशहित एवं समाजोत्थान के क्षेत्र में काम करने का संकल्प लिया है। रविवार को पांढरवानी गार्डन में अहीर समाज के लोगों ने पारंपरिक नृत्य की अद्भुत प्रस्तुति दी, जिसने वहां मौजूद सभी दर्शकों का मन मोह लिया।



हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। यह जयंती कार्यक्रम म.प्र. आदिवासी विकास परिषद के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने शहीद बिरसा मुंडा के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। जिसके पश्चात 'बिरसा मुण्डा ना सेवा-सेवा, सजोर पेन ता सेवा-सेवा' सहित अन्य नारे लगाते हुए शहीद बिरसा मुण्डा को नमन करते हुए उनके जीवन आदर्शों पर चलने की शपथ ली। साथ ही गोंडवाना साम्राज्य के अन्य महान क्रांतिकारियों के आदर्शों पर चलकर सर्व आदिवासी समाज की सही दिशा में ले जाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थित सामाजिक पदाधिकारियों ने वीर बिरसा मुंडा के जीवनगाथाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन महापुरूषों की कुर्बानी से देश को अंग्रेजों से आजादी मिली है। इनके बलिदान को भूला नही जा सकता है, आज पूरे देश में शहीद बिरसा मुंडा की जयंती मनाकर उन्हे याद किया जा रहा है और सभी में अपील है कि ऐसे महापुरूषों के बताये मार्ग पर चलकर समाज व देशहित में काम करें।

सर्वसमाज ने जयंती मनाकर वीर शहीद बिरसा मुंडा को किया याद

सर्वसमाज लालबर्रा के पदाधिकारियों के द्वारा रविवार को शहीद बिरसा मुंडा चौक पहुंचकर देश के महान स्वतंत्रता सेनानी और जननायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर जनजाति गौरव दिवस का आयोजन

अहीर यादव समाज कर रहा अपनी परंपरा का निर्वहन

गाय खिलाने के बाद घर-घर जाकर करते हैं नृत्य और दोहा पढ़कर अपनी संस्कृति व लोक परंपरा का देते है संदेश





पदमेश न्यूज। लालबर्रा। अहीर यादव समाज द्वारा अपनी प्राचीन संस्कृति, लोक परंपरा और गौरवशाली विरासत को सहेजने व आगे बढ़ाने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में समाज के युवाओं और वरिष्ठजनों द्वारा पारंपरिक अनुष्ठानों और लोकवृत्तों के माध्यम से अपनी अनूठी संस्कृति का जीवंत संदेश दिया जा रहा है। रविवार को पांढरवानी गार्डन में अहीर समाज के लोगों ने पारंपरिक नृत्य की अद्भुत प्रस्तुति दी, जिसने वहां मौजूद सभी दर्शकों का मन मोह लिया।

घर-घर जाकर गूंजते हैं दोहे और लोकगीत

दीपावली पर्व के दौरान इस सांस्कृतिक अनुष्ठान की शुरूआत बेहद पवित्र और पारंपरिक तरीके से होती है। समाज के लोग सबसे पहले गोवंश (गाय) की पूजा-अर्चना करते हैं और उन्हें गुड़, चारा व अन्य सामग्री खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। हिंदू संस्कृति में गाय को माता और भगवान श्री कृष्ण का प्रिय स्वरूप माना गया है। अहीर यादव समाज भगवान कृष्ण के वंशज होने के नाते गोसेवा को अपना परम कर्तव्य मानता है। गाय को भोजन कराने के बाद ही यह विशेष लोक-यात्रा और नृत्योत्सव आरंभ होता है। वही दीपोत्सव पर्व लक्ष्मीपूजन के दूसरे दिन से समाज के सभी सदस्य पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित होकर शहर के विभिन्न वार्डों और मोहल्लों में घर-घर पहुंचते हैं। इस दौरान पारंपरिक शैली में गाये जाने वाले दोहे, चौपाइयां और लोकगीत पूरे वातावरण को कृष्णमय और ऊर्जावान बना देते हैं। वही ढोल, मंजीरों और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप पर थिरकते हुए कलाकार जब आंगन में नृत्य करते हैं, तो पूरा माहौल उत्सव में बदल जाता है। यह परंपरा केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि समाज को एकजुट करने और अपनी ऐतिहासिक जड़ों से जुड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

संस्कृति व लोक परंपरा का संदेश

वहीं बुजुर्गों का कहना है कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और आधुनिकता के दौर में युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति से दूर होती जा रही है। ऐसे में अहीर यादव समाज का यह सामूहिक प्रयास नई पीढ़ी को अपनी प्राचीन संस्कृति, रीति-रिवाजों और लोक परंपराओं से जोड़े रखने में अहम भूमिका निभा रहा है। दोहों के माध्यम से समाज में भाईचारा, प्रेम, धर्म और नैतिक मूल्यों का संदेश घर-घर तक पहुंचाया जा रहा है। पांढरवानी गार्डन में आयोजित इस कार्यक्रम और नगरभर में निकाली गई इस पारंपरिक यात्रा को देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने समाज के इस अनूठे प्रयास की प्रशंसा की और इसे संस्कृति का संरक्षण बताया।

बेहरई में धूमधाम से मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस

पदमेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बेहरई में 15 नवंबर को धरती आबा बिरसा मुंडा की 151 वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम बेहरई सरपंच श्रीमती शारदा/दिलीप टैभरे ने कहा कि आदिवासी समाज हमारी संस्कृति की रीढ़ है, महापुरूष किसी समाज के नहीं बल्कि वह सर्वसमाज के होते हैं और यह बात है कि जिस समाज में उन्होंने जन्म लिया है, उन्हें उस समाज के आराध्य के रूप में देखा और पूजा जाता है। इसलिए हम सभी को उनके बताये मार्ग पर चलकर देशहित में काम करना चाहिए।

इस अवसर पर उपसरपंच लोकेश चोरकर, पूर्व सरपंच दिलीप टैभरे, पूर्व सरपंच कुंवरलाल मर्सकोले, सचिव राजू बिसेन सहित आदिवासीगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।











लड़सड़ा में आयोजित हुये मैराथन दौड़ में महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के धावकों ने लिया भाग

गोंदिया के निखार भलावी प्रथम, नागपुर के सोहम चौधरी द्वितीय विजेताओं को मिले नगद पुरस्कार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत लड़सड़ा में शौर्य यूथ क्लब एवं ग्रामवासियों के तत्वावधान में युवाओं को खेल भावना, शारीरिक रूप से स्वस्थ,अनुशासित एवं नशे से दूर रहने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 6 किलोमीटर की मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। रविवार की सुबह ७ बजे आयोजित इस मैराथन में मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में युवा धावकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज कराई। प्रतियोगिता में कुल २७८ युवाओं ने ऑफलाइन पंजीयन कराया था जिनमें से १९४ प्रतिभागियों ने मौके पर ऑफलाइन पंजीयन कर दौड़ में हिस्सा लिया। मैराथन का शुभारंभ योगाग्राम बावने सेवानिवृत्त सूबेदार एवं सैनिक कल्याण संयोजक जिला सैनिक कल्याण विभाग बिलासपुर छत्तीसगढ़ के मुख्य आतिथ्य ,जनपद सदस्य श्रीमती लक्ष्मी रेखूलाल नगपुरे एवं रामपायली थाना प्रभारी विनोद यादव , सरपंच श्रीमती कलावती चिलीलाल बघेले की अध्यक्षता में प्रारंभ किया गया। जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन दौड़ को रवाना किया। मैराथन दौड़ ग्राम पंचायत भवन के सामने से प्रारंभ होकर लाल पहाड़ी तक पहुंची तथा वहां से वापस ग्राम पंचायत भवन में समाप्त हुई। निर्धारित ६ किलोमीटर की इस दौड़ में प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह, जोश और खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में बालाघाट जिले के अलावा गोंदिया, नागपुर, सिवनी, होशंगाबाद, नरसिंहपुर, बैतूल सहित अन्य क्षेत्रों से पहुंचे धावकों ने हिस्सा लिया। सुबह से ही आयोजन स्थल पर युवाओं और ग्रामीणों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली।

निखार भलावी ने १९ मिनट ४१ सेकंड में पूरी की दौड़

मैराथन प्रतियोगिता में धावकों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। गोंदिया निवासी २० वर्षीय निखार भलावी ने मात्र १९ मिनट ४१ सेकंड में ६ किलोमीटर की दौड़ पूरी कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं नागपुर निवासी २० वर्षीय सोहम चौधरी ने १९ मिनट ७७ सेकंड में दौड़ पूरी कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। नरसिंहपुर निवासी १७ वर्षीय पुष्पेंद्र वारासर ने २० मिनट १२ सेकंड में दौड़ पूरी कर तृतीय स्थान हासिल किया। इसी प्रकार नागपुर के राहुल हरिनखेड़े ने २१ मिनट १८ सेकंड में दौड़ पूरी कर चौथा स्थान तथा सिवनी निवासी २१ वर्षीय शशिकुमार उइके ने २२ मिनट १४ सेकंड में दौड़ पूरी कर पांचवां स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले निखार भलावी को ७७७७ रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले सोहम चौधरी को ५५५५ रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पुष्पेंद्र वारासर को ३३३३ रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं चौथे एवं पांचवें स्थान पर रहे प्रतिभागियों को १०००-१००० रुपये की पुरस्कार राशि दी गई। सभी पांचों विजेताओं को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा छठवां स्थान प्राप्त करने वाले शैलेंद्र कावरे, सातवां स्थान प्राप्त करने वाले मुजल पंचेश्वर, आठवां स्थान प्राप्त करने वाले महेंद्र मोहतुरे, नौवां स्थान प्राप्त करने वाले संदीप यादव एवं दसवां स्थान प्राप्त करने वाले अतुल वाघाड़े को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में शामिल अन्य सभी प्रतिभागियों को भी प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

युवाओं को सेना और पुलिस में जाने के लिए किया जा रहा प्रेरित-मोतीराम नगपुरे

लोधी महासभा के ब्लॉक अध्यक्ष मोतीराम नगपुरे ने बताया कि ग्राम लड़सड़ा के काफी युवा शासकीय सेवाओं में कार्यरत हैं। जिनमें आर्म्ड फोर्स, पुलिस एवं भारतीय सेना में अपनी सेवाएं देने वाले युवा भी शामिल हैं। इन्हीं युवाओं की पहल पर शौर्य यूथ क्लब एवं ग्रामवासियों के सहयोग से इस मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं आसपास के क्षेत्र के युवाओं में शारीरिक दक्षता के प्रति सच्चे विकसित करना, उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा नशे जैसी हानिकारक आदतों से दूर रहने का संदेश देना रहा। आयोजकों की इस पहल की आसपास के क्षेत्रों के साथ साथ महाराष्ट्र के युवाओं का भी अच्छा प्रतिसाद मिला है। श्री नगपुरे ने बताया कि विभिन्न जिलों से पहुंचे धावकों ने प्रतियोगिता में भाग लेकर खेल भावना का परिचय दिया। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करना, नियमित परिश्रम करना और अनुशासन बनाए रखना बेहद आवश्यक है। युवाओं को अपनी ऊर्जा सकारात्मक कार्यों में लगाते हुए शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत बनने का प्रयास करना चाहिए। मैराथन के माध्यम से ग्राम लड़सडा के युवाओं ने खेल, स्वास्थ्य, अनुशासन और नशामुक्ति का संदेश देते हुए एक सराहनीय पहल की। आयोजन में ग्रामीणों एवं युवाओं की सक्रिय सहभागिता ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

ग्राम खरखड़ी, गटापायली और पुसुटोला के सांस्कृतिक कार्यक्रम में पहुंचे विधायक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खरखड़ी , गटापायली, पुसुटोला में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विधायक विवेक पटेल ने कहा कि सत्ता में अहंकार अधिक समय तक नहीं चल पाता। अहंकारी राजाओं को भी समय आने पर जनता जनार्दन उखाड़ फेंक देती है। लोकतंत्र में सत्तारूढ़ सरकार की तानाशाही का अंत निश्चित है। जिन जिन देशों में लोकतांत्रिक अव्यवस्थाएं है उन सभी में सत्ताधारी का वही हाल हुआ है, कुछ लोगों ने अपने पदों का दुरुपयोग अधिक किया यह बात जगजाहीर इतिहास गवाह है। लोकतंत्र में अहंकार का यही अंजाम होता है लोकतंत्र में कुर्सी स्थायी नहीं होती। जनता जनार्दन जब फैसला करती है। तो बड़े बड़े ताकतवर औंधे मुँह गिर जाते है लोकतंत्र में अहंकार का यही अंजाम होता है। विधायक पटेल ने कहा कि इस समय धान कटाई का समय चल रहा है। कुछ किसानों को धान में विभिन्न बीमारियों के कारण फसल खराब हो चुकी है। जिसका सर्वे भी किया गया मगर कुछ किसान अब भी वंचित रह गए है। प्रदेश की भाजपा सरकार ने चुनाव के पूर्व भाजपा के सभी प्रत्याशियों ने बड़े बड़े पर्चे छपवाकर प्रचार किया था कि हमारी सरकार बनते ही किसानों की धान को इकतीस सौ रुपए प्रति क्विंटल खरीदेंगे। सरकार बनने को लगभग तीन वर्ष पूर्ण होने वाले है, मगर इन्होंने किसानों को दिए वादों को अभी तक पूरा नहीं किया। हम चाहते है अब कुछ दिनों बाद धान खरीदी प्रारंभ होगी। किसानों की धान को ईकतीस सौ रुपए प्रति क्विंटल खरीदी जाए। नहीं तो मैं विधानसभा सत्र में इन विषयों को विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष रखूंगा। हमारी बहनों को तीन हजार रुपए प्रतिमाह भी नहीं दिया जा रहा है, ये भाजपा सरकार सिर्फ चुनाव के समय वोट साधने के लिए किसानों से छूटे वादे करती है, आने वाले समय पर पंचायत और नगर पालिका चुनाव सम्पन्न होंगे। इन्हें मतदाता जरूर सबक सिखाएंगी। जनता जब गद्दी में बैठना जानती है,तो नीचे उतारने भी जानती है। चाहे वो कितना भी बड़े पद पर क्यों ना बैठा हो। जनता के आगे कोई भी नेता टिक नहीं सकता है। इस दौरान विधायक विवेक पटेल, भागचंद पटले, राजकुमार चौधरी, संदेश बिसेन, नरेन्द्र राहंगडाले, सोनू पटले,अरविंद पारधी सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।



लोक संस्कृति और परंपराएं ग्रामीण जीवन की अनमोल धरोहर है- प्रदीप जायसवाल

ग्राम डोंगरमाली मंड़ई में दुय्यम डंडार का हुआ आयोजन





पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण एवं नगरीय अंचलों में पारंपरिक मंड़ई मेलों की रौनक देखने को मिल रही है। विधानसभा क्षेत्र के गांव गांव में आयोजित मंड़ई में दुय्यम डंडार, ड्रामा, छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल पहुंचकर क्षेत्रवासियों के बीच खुशियां साझा कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने विभिन्न ग्रामों में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होकर ग्रामवासियों से आत्मीय मुलाकात की । ग्राम डोंगरमाली में आदर्श मंड़ई समिति के द्वारा आयोजित जिले की सबसे बड़ी दुय्यम डंडार के जंगी मुकाबले में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल शामिल हुए। लगभग ६० वर्षों से संचालित आदर्श मंड़ई समिति लियाकत अली मुन्ना पटेल के नाम से अपनी विशेष पहचान रखती है। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि डोंगरमाली हमारे क्षेत्र का केंद्र बिंदु है। मेरे द्वारा स्वीकृत छह बड़े पुलों में से अधिकांश की कनेक्टिविटी डोंगरमाली से जुड़ी हुई है। क्षेत्र में विकास कार्यों के साथ व्यापार को बढ़ावा देने तथा छात्र छात्राओं को पढ़ाई लिखाई के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मंड़ई मेले जैसे पारंपरिक आयोजन मनोरंजन के साथ ऊर्जा भाईचारे और सामाजिक एकता का संचार करते हैं। इस दौरान सरपंच मनोज लिल्हारे,बीडीसी रमेश पटले,नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दोंदरे, किशोर बिसेन,गणेश भगत,गणेश साहू,देवीचंद बोपचे, महेश लिल्हारे,हनेश भगत, कोमलचंद लिल्हारे,सचिन बिसेन,अरविंद बंसोड़ ,मिलिंद नगपुरे, जसवंत पटले, संतोष आड़े, अनीश मिश्रा, सुरेश पटले, शैलेश पटले,राघे भाई हाडगे, युवराज भगत सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।वहीं नगर में कचहरी मंड़ई समिति द्वारा आयोजित डांस प्रतियोगिता एवं इंडियन आइडल सिंगर वैशाली रैकवार की शानदार प्रस्तुती ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर शलभ बैस, अशुतोष कोहाड़,मनोज दोंदरे,राजेंद्र कोहाड़,संरक्षक अरमान खान,समीर बिसेन,प्रवीण डोंगरे, भूरू मिश्रा, कोकील कलौजखेड़े, चौकू कलौजखेड़े, हिमांशु सनी हरिनखेड़े, कुलदीप ठहरवाल सहित समस्त समिति सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ग्राम महदोली के बाजार चौक एवं मसरी मोहल्ला में आयोजित दुय्यम शायरी एवं छत्तीसगढ़ी लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामवासियों से आत्मीय मुलाकात करते हुए कहा कि रिश्तों के लिए पद जरूरी नहीं होता। हमारे संबंध पारिवारिक हैं आप जब भी बुलाएंगे मैं जरूर आऊंगा। वहीं ग्राम सरेडी ,कंकनपुर वारा,केरा,भाठी ,दिनेरा में ड्रामा और छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियां दी गईं। श्री जायसवाल ने कहा कि हमारी लोक संस्कृति और परंपराएं ग्रामीण जीवन की अनमोल धरोहर हैं। मंड़ई मेलों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारी परंपराओं को जीवंत रखने के साथ समाज में आपसी प्रेम और भाईचारे को भी मजबूत बनाते हैं।

लोककला और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने पर दे रहे जोर- गौरव पारधी

कटंगी के विभिन्न ग्रामों में आयोजित ड्रामा एवं शायरी कार्यक्रमों में हुए शामिल कलाकारों का किया उत्साहवर्धन





पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कटंगी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के विधायक गौरव सिंह पारधी क्षेत्र की सांस्कृतिक एवं पारंपरिक गतिविधियों में लगातार सहभागिता कर ग्रामीणों के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। इसी क्रम में मंड़ई के अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में आयोजित पारंपरिक ड्रामा एवं शायरी कार्यक्रमों में पहुंचकर उन्होंने कलाकारों, आयोजन समितियों एवं ग्रामवासियों से आत्मीय भेंट की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठकर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया और स्थानीय कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। विधायक पारधी ने ग्राम कुम्हली एवं कालीमाटी में आयोजित मंड़ई कार्यक्रमों में सहभागिता की। ग्राम कालीमाटी में पंचशील ड्रामा मंडल द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम का आनंद लिया। वहीं ग्राम देवठाना में जय बजरंग ड्रामा मंडल के आयोजन तथा ग्राम हथौड़ा में आयोजित ड्रामा कार्यक्रम में पहुंचकर कलाकारों से मुलाकात की। उन्होंने ड्रामा मंडलों के सदस्यों एवं आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए ग्रामीण संस्कृति को आगे बढ़ाने में उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताया। ड्रामा कार्यक्रमों के साथ ही विधायक पारधी ग्राम चौखेंडी, भण्डारबोही, नागोटोला, चिखलाबांध , मंगलगांव में आयोजित शायरी कार्यक्रमों में भी शामिल हुए। उन्होंने स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद लिया तथा ग्रामवासियों और आयोजन समितियों से आत्मीय संवाद किया। विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि ग्रामीण अंचलों में मंड़ई के अवसर पर आयोजित होने वाले ड्रामा एवं शायरी कार्यक्रम हमारी समृद्ध लोककला और सांस्कृतिक विरासत की पहचान हैं। ऐसे आयोजनों से स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलता है और नई पीढ़ी भी अपनी परंपराओं एवं संस्कृति से जुड़ी रहती है। ये आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि ग्रामीण समाज में आपसी मेल मिलाप बढ़ाने और सामाजिक समरसता को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी कला और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने वाले कलाकारों, ड्रामा मंडलों एवं आयोजन समितियों का योगदान सराहनीय है। ऐसे आयोजनों से क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान और अधिक मजबूत होती है। ग्रामीण प्रतिभाओं को उचित मंच एवं प्रोत्साहन मिलना आवश्यक है।

वाराटोला में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई धरती आबा बिरसा मुंडा की १५१ वीं जयंती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के वाराटोला में १५ नवंबर को भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी एवं मुंडा जनजाति के लोकनायक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की १५१ वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर समाज के गणमान्य नागरिकों, महिलाओं और युवाओं की भारी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत शोभायात्रा और सतरंगी ध्वज के ध्वजारोहण के साथ हुई। जयंती के अवसर पर ग्राम के माता मंदिर से एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना के बाद यह यात्रा गांव के विभिन्न चौक चौराहों से होते हुए बालाघाट रोड़ स्थित बिरसा मुंडा परिसर पहुँची जहाँ इसका समापन हुआ। शोभायात्रा के दौरान भगवान बिरसा मुंडा अमर रहें के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। बिरसा मुंडा परिसर में पहुँचने पर पारंपरिक जानकारी भूमका द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा और बड़ा देव की विशेष पूजा अर्चना कराई गई। इसके साथ ही सतरंगी ध्वज फहराया गया और प्रकृति की वंदना कर महापुरुषों के योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत किया गया पारंपरिक सामूहिक नृत्य उपस्थित लोगों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। समाज के बच्चों,युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने महापुरुषों के गीतों और पारंपरिक आदिवासी लोकगीतों पर मनमोहक नृत्य किया। इस अनूठे नृत्य को देखने के लिए बालाघाट रोड़ से गुजर रहे राहगीरों ने भी अपने वाहन रोककर आनंद लिया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को याद किया। वक्ताओं ने बताया कि उनका जन्म १५ नवंबर १८७५ को हुआ था और उन्होंने ब्रिटिश राज के खिलाफ१९ वीं सदी के अंत में झारखंड क्षेत्र में आदिवासी आंदोलन का नेतृत्व किया था। आज भी बिहार, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में उन्हें भगवान की तरह पूजा जाता है। ९ जून १९०० को रांची जेल में उनका प्राणांत हुआ लेकिन वे इतिहास में अमर हो गए। इस अवसर पर गणेश कुमरे ,राजा अली ,प्रणय धार्मिक ,अनूर उइके, मानसिंह परते ,यशवंत पुसाम सहित बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग उपस्थित रहे।



संबंधों की धुरी है विचारशीलता

किसी चीज के बारे में सोचने या समझने की कोशिश में दिमा ? में बनने वाली अवधारणा को विचार कह सकते हैं। यह मन के भीतर होने वाली एक ऐसी प्रक्रिया है जो सोच से भिन्न है। सोच एक अनैच्छिक प्रक्रिया है जो चलती रहती है और इसके विषय बदलते रहते हैं। परन्तु विचारना अधिकांशतः एक योजनाबद्ध प्रक्रिया है, एक ही विषय पर केंद्रित होकर सोचने से विचार का जन्म होता है। मानवानीपूर्वक विचार करने की आदत को विचारशीलता कहते हैं।

जब कोई व्यक्ति ऐसी प्रवृत्ति को अपने भीतर विकसित कर लेता है तो उसे विचारशील व्यक्ति कह सकते हैं। कहते हैं मनुष्य के अलावा कोई प्राणी विचार नहीं कर पाता। एक तो मनुष्य प्राणी जगत् का सबसे प्रबुद्ध और बुद्धिमान प्राणी माना जाता रहा है और दूसरे मानवीय संवेदना मनुष्य को एकाकी नहीं बनाकर अपने परिवेश और अन्य प्राणियों के प्रति भी जवाबदेह बनाती है। अतः अपने साथ-साथ अपने चारों ओर के परिवेश के बारे में, प्रकृति में अन्य उपस्थित प्राणियों के बारे में विचार करना मनुष्य के दायित्वों में शामिल होता है। विचारशीलता का मानव जीवन में महत्त्वपूर्ण स्थान है। यह हमें सही मार्ग चुनने और सही-गलत को पहचानने का विवेक देता है। हमारे जीवन को उद्देश्यपूर्ण बनाता है और किसी भी कार्य को करने से पहले उसके बारे में सोचने-समझने की आदत विकसित करता है। ऐसी समझ और सूझबूझ से ही चिंतन सम्भव होता है। हम कहे-सुने हुए के तात्कालिक प्रभावों को अनदेखी कर चीजों को तह में जाना सीखते हैं, चमक-दमक के पीछे छिपी असलियत को पहचानने लगते हैं। हम चीजों को वैसा देखना सीख सकते हैं जैसी वे वास्तव में हैं, मनुष्य के बिना हैं। विचारशीलता मनुष्य के स्वास्थ्य और उसकी सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति को बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। यहीं हर तरह के संबंधों को निभाने और रिश्तों को स्थायित्व देना भी विचारने से ही सम्भव होता है। रिश्ते तभी स्वस्थ रहते हैं जब हम दूसरे की जरूरतों और भावनाओं को समझ सकें और ऐसा तभी सम्भव है जब हममें उन्हें समझने की क्षमता हो। सही निर्णय हेतु दृष्टि में जिस गहराई और सजगता की आवश्यकता होती है वह विचारशीलता से सम्भव होती है। आज के समय में जब मनुष्य के पास तात्कालिक प्रतिक्रिया देने के साधन बहुत ज्यादा हो गए हैं और उसे नकारात्मकता एवं संशय की तरफ धकेलने वाली स्थितियाँ बढ़ी हैं इससे संबंधों में संतुलन के लिए जरूरी है कि हम थोड़ा ठहरकर सोचने-समझने की क्षमता विकसित करें। पारस्परिक संबंधों में बढ़ी जटिलता को सहज करने हेतु हर कदम सोच-समझकर बढ़ाना आवश्यक हो गया है। संचार के साधनों ने मनुष्य को स्वतन्त्र तो किया है किन्तु संयम रखना भुला दिया है। मनुष्य बातचीत भूलता गया है और एकतरफा प्रतिक्रिया देने का आदी हो गया है। यह आज के समय की मनोवैज्ञानिक समस्या है। हम दूसरे पक्ष को अनुपस्थित मानकर चलने लगे हैं, हम खाली जगहों की चिन्ता नहीं करते, हमने शब्द उछालते रहने को बतियाना समझ लिया है। विचारशीलता हमें इस तरह की अनेक समस्याओं से बचाती है इस तरह वह बहस और बातचीत एवं लड़ाई और मत भिन्नता के मध्य के अन्तर को समझने की सामर्थ्य हमें देती है। विचारशीलता का सबसे बड़ा लाभ तात्कालिक प्रतिक्रियाओं से बचने की इसकी सम्भावना में है। मनुष्य के सामाजिक जीवन में, रिश्तों-नातों में खटास की सबसे साधारण वजह चीजों पर तात्कालिक प्रतिक्रिया देने की मनुष्य की आदत है। अक्सर ट्रेफ, प्रतिस्पर्द्धा या बदले की भावना में बहकर मनुष्य बेवजह अनर्गल बोल देता है जिसे लेकर बाद में उसे पछतावा भी होता है।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस-लोकप्रियता की होड़ में पत्रकारिता की जिम्मेदारी का सवाल

पत्रकारिता का उद्देश्य लोकप्रिय होना है या जिम्मेदार होना? यह सवाल आज भारतीय मीडिया के सामने पहले से कहीं अधिक गंभीर रूप में उपस्थित है। जिस दौर में खबरों की विश्वसनीयता से ज्यादा उनकी पहुँच, तथ्य से ज्यादा उनकी सनसनी और जनहित से ज्यादा दर्शकों की संख्या को महत्व दिया जाने लगा है, उस दौर में पत्रकारिता के मूल चरित्र पर विचार करना जरूरी हो गया है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस इसी आत्ममंथन का अवसर है। 16 नवंबर को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय प्रेस दिवस भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना से जुड़ा है। भारतीय प्रेस परिषद ने इसी दिन 1966 में काम करना शुरू किया था। इसका उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करना और पत्रकारिता के मानकों को बनाए रखना था। प्रेस की स्वतंत्रता केवल पत्रकारों और मीडिया संस्थानों का अधिकार नहीं है, बल्कि यह नागरिकों के जानने के अधिकार और लोकतंत्र की मजबूती से भी जुड़ी हुई है। इस वर्ष राष्ट्रीय प्रेस दिवस की घोषित विषयवस्तु पत्रकारिता = लोकप्रियतावादी या जिम्मेदार एक महत्वपूर्ण बहस की समाने रखती है। यह विषय मीडिया के सामने खड़े उस द्वंद्व की ओर संकेत करता है, जिसमें एक तरफ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने और लोकप्रियता हासिल करने का दबाव है, तो दूसरी तरफ तथ्यों, निष्पक्षता, जवाबदेही और जनहित के प्रति प्रतिबद्ध रहने की जिम्मेदारी है। पत्रकारिता में लोकप्रियता अपने आप में कोई दोष नहीं है। जनता के बीच स्वीकार्यता हासिल करना किसी भी समाचार माध्यम की स्वाभाविक आकांक्षा हो सकती है। लेकिन जब लोकप्रियता हासिल करने के लिए खबरों को तोड़ा-मरोड़ा जाने लगे, तथ्यों की जगह भावनाओं को और विवेक की जगह उत्तेजना को प्राथमिकता मिलने लगे, तब पत्रकारिता अपने मूल दायित्व से भटकने लगती है। लोकप्रियता और लोकप्रियतावाद के बीच यही बुनियादी अंतर है। लोकप्रिय पत्रकारिता जनता के सवालों को आवाज देती है, जबकि लोकप्रियतावादी पत्रकारिता कई बार जनता की भावनाओं का इस्तेमाल अपने व्यावसायिक या दूसरे हितों के लिए करती है। लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका केवल घटनाओं की सूचना देना नहीं है। उसका काम उन घटनाओं के पीछे छिपे कारणों को सामने लाना, नीतियों के प्रभाव का विश्लेषण करना और सत्ता से जवाबदेही सुनिश्चित करना भी है। सरकार चाहे किसी भी दल की हो, पत्रकार का दायित्व उसके कामकाज की जांच करना है। सत्ता की उपलब्धियों को सामने लाना जितना जरूरी है, उसकी विफलताओं और जनविरोधी फैसलों पर सवाल उठाना भी उतना ही आवश्यक है। पत्रकारिता का मूल्यांकन इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि उसने किस राजनीतिक पक्ष को प्रश्न किया, बल्कि इस आधार पर होना चाहिए कि उसने जनता के हित में कितने असुविधाजनक सवाल उठाए। आज समाचार माध्यमों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अखबारों और पत्रिकाओं के साथ टेलीविजन, समाचार पोर्टल, यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया ने सूचना के संसार को व्यापक बना दिया है। अब कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल फोन से सूचना प्रसारित कर सकता है। इससे अभिव्यक्ति के नए अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन सूचना की विश्वसनीयता की चुनौती भी बढ़ी है। पहले खबरों के प्रकाशन और प्रसारण के लिए संपादकीय प्रक्रिया, तथ्य-जांच और संस्थागत जिम्मेदारी की व्यवस्था होती थी। डिजिटल माध्यमों में कई बार बिना पुष्टि की सूचना भी कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। इस स्थिति में पत्रकारिता और सूचना प्रसारण के बीच अंतर समझना जरूरी है। हर वायरल संदेश खबर नहीं होता और हर लोकप्रिय वीडियो पत्रकारिता नहीं होता। पत्रकारिता में सूचना की पुष्टि, संदर्भ की समझ, संबंधित पक्षों का दृष्टिकोण और तथ्यों के प्रति ईमानदारी आवश्यक है। सोशल मीडिया पर किसी घटना का अधूरा वीडियो देखकर निष्कर्ष निकालना आसान है, लेकिन पत्रकार का काम उस घटना की पूरी पृष्ठभूमि तलाशना है। उसे यह देखना होता है कि वीडियो कब का है, कहां का है, उसमें क्या छूटा हुआ है और उससे संबंधित दूसरे तथ्य क्या हैं। लोकप्रियता की होड़ ने समाचारों की प्राथमिकताओं को भी प्रभावित किया है। किसी गांव में पेयजल का संकट, किसी आदिवासी बस्ती में विस्थापन का भय, किसी किसान की फसल का नुकसान, किसी मजदूर की मजदूरी का सवाल या किसी अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी शायद बड़े समाचार माध्यमों के लिए आकर्षक विषय न हों। इसके बावजूद ये खबरें करोड़ों लोगों के जीवन से जुड़ी हैं। दूसरी ओर, किसी चर्चित व्यक्ति का बयान, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप या मनोरंजन जगत की छोटी-सी घटना घंटों तक चर्चा में रहती है। सवाल यह नहीं है कि ऐसी खबरें प्रकाशित या प्रसारित क्यों होती हैं, बल्कि सवाल यह है कि क्या जनजीवन के बुनियादी प्रश्नों को पर्याप्त जगह मिल रही है? पत्रकारिता की जिम्मेदारी का सबसे बड़ा परीक्षण उन लोगों के सवालों पर होता है, जिनकी आवाज सत्ता और बाजार के गलियारों तक आसानी से नहीं पहुंचती। आदिवासी, दलित, किसान, मजदूर, महिलाएं, अल्पसंख्यक और समाज के कमजोर तबके अक्सर विकास की मुख्यधारा की चर्चाओं में उपस्थित तो रहते हैं, लेकिन अपने स्वालों को स्वयं रखने का अवसर उन्हें कम मिलता है। जिम्मेदार पत्रकारिता को इन समुदायों को केवल आंकड़ों या खबरों का विषय नहीं बनाना चाहिए, बल्कि उनकी अपनी आवाज और अनुभवों को जगह देनी चाहिए। विकास की परियोजनाओं की चर्चा हो तो उसके लाभ के साथ विस्थापन, पर्यावरण और आजीविका पर पड़ने वाले प्रभावों की भी पड़ताल होनी चाहिए। इसी तरह, पत्रकारिता का दायित्व केवल सरकार की आलोचना करना नहीं है। उसे विपक्ष, राजनीतिक दलों, गाम्भाजिक संगठनों, उद्योगों और प्रभावशाली संस्थाओं से भी सवाल करने चाहिए। पत्रकारिता किसी राजनीतिक विचारधारा की प्रचार मशीन नहीं बन सकती। उसकी विश्वसनीयता इसी में है कि वह सभी पक्षों की एक ही कसौटी पर परखे। यदि किसी नेता का आरोप तथ्यहीन है तो उसकी जांच होनी चाहिए और यदि किसी सरकार का दावा वास्तविकता से मेल नहीं खाता तो उसे भी सामने लाया जाना चाहिए। किसी खबर में संतुलन का अर्थ दो विरोधी पक्षों को बराबर जगह देना भर नहीं है, बल्कि उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर सच्चाई को सामने रखना है। आज समाचारों के व्यावसायीकरण का प्रश्न भी गंभीर है। मीडिया संस्थानों के संचालन के लिए आर्थिक संसाधनों की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता। विज्ञापन और अन्य व्यावसायिक स्रोत मीडिया की आर्थिक संरचना का हिस्सा हैं। लेकिन जब विज्ञापनदाता का हित संपादकीय निर्णयों को प्रभावित करने लगे, तब पत्रकारिता की स्वतंत्रता संकट में पड़ जाती है। विज्ञापन जुटाना पत्रकार का काम नहीं है। पत्रकार का काम सूचना जुटाना, तथ्यों की पड़ताल करना और जनता के सामने सच रखना है। विज्ञापन चैनल और संपादकीय विभाग के बीच स्पष्ट सीमा होना आवश्यक है। पाठक को यह जानने का अधिकार है कि कौन-सी सामग्री समाचार है और कौन-सी प्रायोजित सामग्री। इसी संदर्भ में पेड न्यूज की समस्या को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जब पैसे या किसी दूसरे लाभ के बदले किसी व्यक्ति, संस्था या राजनीतिक दल के पक्ष में सामग्री को समाचार के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, तब पाठक के विश्वास के साथ धोखा होता है। समाचार और विज्ञापन का अंतर मिटने लगता है। चुनाव के समय इसका प्रभाव और गंभीर हो सकता है, क्योंकि मतदाता को उम्मीदवारों, दलों और नीतियों के बारे में निष्पक्ष जानकारी चाहिए। लोकतंत्र में मतदाता का निर्णय स्वतंत्र तभी हो सकता है, जब उसके पास विश्वसनीय सूचना उपलब्ध हो। पत्रकारिता की जिम्मेदारी का एक महत्वपूर्ण पक्ष भाषा और प्रस्तुति भी है। किसी अपराध की खबर में आरोपी को पहले ही अपराधी घोषित कर देना, किसी समुदाय को सामूहिक रूप से संदेह के घेरे में खड़ा करना या किसी संवेदनशील घटना को धार्मिक और जातीय तनाव बढ़ाने वाले ढंग से प्रस्तुत करना पत्रकारिता की मर्यादा के विरुद्ध है। किसी व्यक्ति पर आरोप लगना और उसका दोष सिद्ध होना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। इसी तरह, किसी समुदाय के एक व्यक्ति के कृत्य के आधार पर पूरे समुदाय को कटघरे में खड़ा नहीं किया जा सकता। जिम्मेदार पत्रकारिता को संवैधानिक मूल्यों, मानवीय गरिमा और सामाजिक सद्भाव का ध्यान रखना चाहिए। डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने पत्रकारिता के सामने नए अवसर और चुनौतियां दोनों प्रस्तुत की हैं। खबरों के संकलन, अनुवाद, आंकड़ों के विश्लेषण और दस्तावेजों की पड़ताल में तकनीक उपयोगी हो सकती है। लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार सामग्री को बिना जांच के प्रकाशित करना जोखिम भरा है। नकली तस्वीरें, आवाज की नकल, बदले हुए वीडियो और भ्रामक सूचनाएं वास्तविकता का भ्रम पैदा कर सकती हैं। तकनीक पत्रकार की सहायता कर सकती है, लेकिन तथ्य की पुष्टि और नैतिक जवाबदेही का स्थान नहीं ले सकती। अंतिम जिम्मेदारी पत्रकार और संपादक की ही है। प्रेस की स्वतंत्रता के बिना जिम्मेदार पत्रकारिता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यदि पत्रकार को सत्ता, प्रशासन, राजनीतिक दबाव, आर्थिक हितों या किसी अन्य प्रभाव के कारण सच लिखने से रोका जाता है तो उसका असर केवल पत्रकार पर नहीं, बल्कि नागरिकों के जानने के अधिकार पर पड़ता है। पत्रकारिता में आत्मनियंत्रण और नैतिक अनुशासन जरूरी हैं, लेकिन उनके नाम पर स्वतंत्र आवाजों को दबाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। प्रेस की स्वतंत्रता और उसकी जवाबदेही एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना का उद्देश्य भी इसी संतुलन को मजबूत करना था। 16 नवंबर 1966 को परिषद ने काम करना शुरू किया। इसका मूल उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करना और समाचार पत्रों तथा समाचार एजेंसियों के मानकों को बनाए रखना था। बाद में 1975 में परिषद समाप्त हुई और 1978 के एक कानून के तहत 1979 में इसका पुनर्गठन किया गया। राष्ट्रीय प्रेस दिवस इस ऐतिहासिक जिम्मेदारी की याद करने का अवसर है। लेकिन प्रेस की स्वतंत्रता की चर्चा केवल कानूनों और संस्थाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। पत्रकारों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा भी इस स्वतंत्रता से जुड़ी है। अस्थायी नियुक्तियां, कम वेतन, नौकरी की अनिश्चितता और संस्थानों पर बढ़ता आर्थिक दबाव पत्रकारों की कार्यक्षमता को प्रभावित करते हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले पत्रकारों की स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है। कई पत्रकार सीमित संसाधनों में काम करते हैं और उन्हें स्थानीय सत्ता तथा प्रभावशाली लोगों के दबाव का सामना करना पड़ता है। ऐसे में उनसे निर्भीक पत्रकारिता की अपेक्षा करने के साथ उनकी सुरक्षा और सम्मानजनक आजीविका की चिंता भी करनी होगी।

- कुमार कृष्णन

क्रोध हमेशा धैर्य और साहस की कमी का परिचायक होता है

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

आज के युग में हर व्यक्ति की जीवन की जैसे न किसी पड़ाव में विपरीत परिस्थितियों का निर्माण होने के कारणों में कहीं ना कहीं एक कारण उसका गुस्सा या क्रोध भी होगा। अगर हम अत्यंत संवेदनशीलता और गहनता से उत्पन्न हुई उन परिस्थितियों की गहनता से जांच करेंगे तो



हमें जरूर यह कारण महसूस होगा। गुस्से और क्रोध का वह छोटा सा पल ऐसी अनेकों विकराल स्थितियों और परिस्थितियों को पैदा कर देता है, जिसकी हमें उम्मीद भी नहीं रहती और फिर बड़े बुजुर्ग लोग कहते हैं ना कि, जब चिड़ियां चुग गई खेत अब पैछताने का होए। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हमें उस गुस्से क्रोध के उस पल को काबू में रखने के मंत्र सीखने होंगे जो कि आसान है। सबसे पहले तो हमारी यह सब प्रतिग्रत कोशिश होनी चाहिए कि उस स्थिति को पैदा ही ना होने दें , जिसके कारण क्रोध या गुस्सा या आक्रोश उत्पन्न हो। परंतु यह भी उचित बात है कि, हम किसी भी परिस्थिति को कितना भी रोके, परंतु स्थिति उत्पन्न हो ही जाती है,या अन्य कोई यह स्थिति उत्पन्न कर ही देता है, तो ऐसी परिस्थिति में सबसे सरल मंत्र है उस परिस्थिति की हर बात,हर स्थिति को अत्यंत ही सहजता और सरलता से लें और गुस्से या क्रोध या आक्रोश को जगने से पहले ही तुरंत उसे समाप्त कर दें। उसके लिए, सहजता व सरलता इन दो शब्दों या मंत्रों को गांठ बांध के रखना ही होगा।

साथियों जब शरीर क्रोध के आवेग में काबू हो जाता है तो मनुष्य विचार शून्य हो जाता हैं. उसे कुछ भी सूझता नहीं है जैसे मुंह में आया बोल दिया अथवा जो हाथ में आया उसे फेंक दिया जाता हैं. ऐसे करने से बाद में पछताने के सिवाय कुछ भी हाथ नहीं लगता हैं. यदि आप क्रोध को नियंत्रित नहीं कर पाते है तो यह आपके स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है, यह आपके ब्लड प्रेशर को अधिक करने के साथ ही कई व्याधियों को जन्म भी दे सकता हैं।क्रोध को कायरता की निशानी भी कहा जाता है, इसे स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक भी माना गया हैं. जिन्हें विभिन्न परिस्थितियों में धैर्य एवं साहस की कमी होती है वे क्रोधित होते हैं। यह संतप विकलता की दशा हैं. एक क्रुद्ध व्यक्ति के सोचने समझने और विचारने की शक्ति शून्य हो जाती हैं।साथियों ,मेरा ऐसा निजी मानना है कि जितनी भी विपरीत, हानिकारक, कष्टदाई परिस्थितियां उत्पन्न होती है, उसका मूल कारण गुस्सा, आक्रोश, क्रोध में उठाया गया हिंसात्मक कदम होता है, जिसकी परिणीति में उन विपरीत परिस्थितियों का जन्म होता है।और अगर उन परिस्थितियों, स्थितियों को फलने फूलने के लिए, कथित प्रोत्साहन मिला तो फिर विकराल रूप बन इंसान को सबसे बड़ा और खतरनाक प्राणी बना देता है ,जिसे आज की स्थिति में अपराध के जगत का डॉन या कुख्यात अपराधी की संज्ञा दी जाती है साथियों, हम अपने रूटीन जीवन के हर क्षण में काफी नजदीकी से देखते होंगे कि कोई भी टॉपिक में, किसी भी क्षेत्र में, किसी भी विषय में, बात तभी बिगड़ जाती हैं जब वहां ताबवाजी अर्थात गुस्सा या क्रोध का जन्म होता है, और बात बढ़ कर कहासुनी, मारपीट, हत्या की कोशिश, हत्या, जख्मी, घायल इत्यादि से पुलिस, जेल , और मामला अदालतों की दहलीज तक जा पहुंचती है। और सामाजिक-आर्थिक नैतिक, हानि, मानहानि अलग होती है। साथियों, सोचिए इतनी भारी कीमत चुकानी होती है, मात्र एक छोटे से पल की जिस पर आसानी से नियंत्रण किया जा सकता था। जो भी व्यक्ति उपरोक्त विपरीत प्रक्रिया, गुस्से, क्रोध, से जेल तक में बंदी बनाया जाता है या सजा काटता है या अदालतों के चक्कर काटता है, विशेषज्ञों और अधिवक्ताओं के पीछे घूमता है, अगर हम उसकी प्रतिक्रिया जानना चाहेंगे तो हमें निर्णय करने में आसानी होगी कि मामला गुस्से और क्रोध की परिणीति का है और कहीं ना कहीं उस व्यक्ति के मन में गुस्से और क्रोध के प्रति पछतावे की बात सामने आती है। गुस्सा और क्रोध से, बदले की भावना का उदय होता है और फिर बदले पर बदला के चक्रव्यूह में अनेक जीवी का जीवन कुचक्र में फंस कर खराब हो जाता है। क्योंकि फिर बदले का अंजाम बहुत दूर तलक जाता है, जो गुटबाजी, गैंगवार सहित बात दूर तलक चली जाती है।

साथियों अगर हम अपने क्रोध, गुस्से को काबू में कर पाएंगे तो सहजता और सरलता रूपी मित्रास का अपने आप उदय होगा हम स्वाभाविक रूप से मीठा बोलेंगे। हमारी वाणी में मिठास उत्पन्न होगी। चार लोग हमारे करीब आएंगे,और हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, मान सम्मान होगा। जिसका प्रभाव हमारी वर्तमान पीढ़ी, भावी पीढ़ी पर भी पड़ेगा क्योंकि बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि, बोया बीज बबूल का तो आम कहां से खाए, और बोया बीज मिठास का तो कुल पुरा मीठा होय। हम सामाजिक रूप में भी किसी व्यक्ति या परिवार को उसके कुल से ही कातारते हैं कि, अच्छे कुनबे का परिवार है या अच्छे कुनबे का व्यक्ति है। इसलिए सभी कुभावनाओं, विपरीत विचारों, परिस्थितियों, से ओतप्रोत इस गुस्से और क्रोध,आक्रोश को होपूरी विपत्ति और कठिनाइयों को जड़ मांगेंगे। साथियों उपरोक्त पूरे विवरण को अगर हम संकुचित और कुछ शब्दों या शब्दकोश में सीमित करें तो गुस्सा और क्रोध एक तेज तीखी मिर्ची के समान है ,एक आग के समान है,जिसे फैलने या रोकने के लिए सहजता और सरलता रूपी गुड़ शक्कर या शहद की जरूरत होती है, जो मिर्ची रूपी मीठा बना दो, आग रूपी तबाही को, सहजता सरलता और मीठी वाणी रूपी पानी से बुझाया जा सके।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि क्रोध हमेशा धैर्य और साहस की कमी का परिचय होता है। क्रोध से पूरे परिवार के मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ने की संभावना को रेखांकित करना समय की मांग है। क्रोध की हर बात और हर स्थिति को अत्यंत ही सहजता और सरलता में ही लेना चाहिए ताकि क्रोध और गुस्से पर नियंत्रण हो सके यही मूल मंत्र है।

-कांतिलाल मांडोत

ट्रम्प इफेक्ट से दुनिया में बढ़ रही अनिश्चितता,अमेरिका की नीतियों से भारत सहित कई देशों के सामने नई चुनौती

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल ने दुनिया की राजनीति, व्यापार, अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। ट्रम्प की कार्यशैली अन्य अमेरिकी राष्ट्रपतियों से काफी अलग दिखाई देती है। उनकी नीतियों में अमेरिका फर्स्ट का सिद्धांत सबसे ऊपर है। वे चाहते हैं कि अमेरिका के हितों को प्राथमिकता मिले और दुनिया के दूसरे देश अमेरिकी शर्तों के अनुसार अपने फैसले करें। लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी एक देश के हितों को सर्वोपरि रखकर वैश्विक व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाया जा सकता है? क्या अमेरिका की ताकत का अर्थ यह है कि वह जब चाहे दूसरे देशों के लिए नए नियम बना दे और उनसे उनका पालन करने की अपेक्षा करे?

ट्रम्प शायद अमेरिकी राजनीति में अपनी अलग पहचान स्थापित करना चाहते हैं। उनकी इच्छा है कि उनके कार्यकाल को एक ऐसे राष्ट्रपति के रूप में याद किया जाए, जिसने अमेरिका की पुरानी नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया। इसके लिए वे व्यापार, आयात-निर्यात, आव्रजन, रोजगार और विदेश नीति जैसे विषयों पर लगातार नए फैसले ले रहे हैं। उनकी नीतियों का प्रभाव केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों को इसका सामना करना पड़ रहा है।

भारत और अमेरिका के संबंध लंबे समय से मजबूत रहे हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, रक्षा, तकनीक, शिक्षा, अंतरिक्ष और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच भी अच्छे व्यक्तिगत संबंध रहे हैं। दोनों नेताओं की मुलाकातों और बातचीत में कई बार आपसी मित्रता और सहयोग की बात सामने आई है। भारत ने अमेरिका की टैरिफ नीति को लेकर भी संयमित रुख अपनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक रूप से व्यक्तिगत टकराव का रास्ता नहीं चुना। इसके बावजूद अमेरिकी की नीतियों के कारण भारत को कई बार नई परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है।

इसका ताजा उदाहरण अमेरिकी कंपनी आईबीएम का फैसला है। आईबीएम ने अपने सबसे बड़े विभाग आईबीएम कंसल्टिंग में अधिकांश पदों के लिए अमेरिकी कार्य वीजा और ग्रीन कार्ड को प्रायोजन प्रक्रिया बंद करने का निर्णय लिया है। इस विभाग में डेढ़ लाख से अधिक



कर्मचारी काम करते हैं। प्रभावित कर्मचारियों के सामने अमेरिका से बाहर स्थित आईबीएम कार्यालय में काम जारी रखने अथवा वर्ष के अंत तक कंपनी छोड़ने का विकल्प बताया गया है। हालांकि कंपनी ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि कुल कितने कर्मचारी इस फैसले से प्रभावित होंगे। इसलिए डेढ़ लाख वीजा बंद होने या 40 हजार भारतीयों के प्रभावित होने के आंकड़े को निश्चित संख्या मानना उचित नहीं होगा।

यह फैसला भारतीय पेशेवरों के लिए चिंता का विषय है। अमेरिका में भारत के हजारों प्रतिभाशाली युवा सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, अनुसंधान और प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। एच-1बी वीजा के माध्यम से भारतीय विशेषज्ञों को अमेरिकी कंपनियों में रोजगार मिलता रहा है। अनेक भारतीयों ने अपनी मेहनत, योग्यता और प्रतिभा के दम पर अमेरिकी तकनीकी उद्योग में महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। उनके योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

एच-1बी वीजा और ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया में सख्ती का असर केवल कर्मचारियों पर नहीं पड़ता, बल्कि कंपनियों की कार्यप्रणाली और वैश्विक प्रतिभा के आदान-प्रदान पर भी पड़ता है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि विदेशी कर्मचारियों की नियुक्ति के बजाय अमेरिकी नागरिकों को रोजगार के अधिक अवसर मिलने चाहिए। यह किसी भी सरकार की अपनी रोजगार नीति हो सकती है। लेकिन यह भी समझना जरूरी है कि आधुनिक तकनीकी उद्योग केवल राष्ट्रीय सीमाओं के आधार पर नहीं चलता। इसमें दुनिया के अलग-अलग देशों के विशेषज्ञों का योगदान रहता है।

आईबीएम का फैसला ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी प्रशासन विदेशी पेशेवरों की नियुक्ति और ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया पर अधिक निगरानी कर रहा है। अक्टूबर में माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी, इंफोसिस, टीसीएस और कॉग्निजेंट सहित कई कंपनियों की ग्रीन कार्ड संबंधी श्रम प्रमाणन प्रक्रिया को भी अमेरिकी प्रशासन ने निलंबित किया था। इसके अतिरिक्त नए एच-1बी आवेदनों पर एक लाख डॉलर का शुल्क लगाने का फैसला भी विदेशी पेशेवरों और कंपनियों के लिए चिंता का कारण बना है। ट्रम्प प्रशासन में स्टीफन मिलर की भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उन्हें 6 नवंबर को व्हाइट हाउस का नया चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया गया। वे लंबे समय से ट्रम्प की सख्त आव्रजन नीतियों के प्रमुख समर्थक और रणनीतिकार रहे हैं। उनकी नियुक्ति के बाद आव्रजन नीति में और सख्ती की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। भारत के सामने अब एक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि वह अपने प्रतिभाशाली युवाओं के भविष्य और आर्थिक हितों की रक्षा कैसे करे। भारत को अमेरिका के साथ अपने संबंधों में संतुलन बनाए रखते हुए भारतीय पेशेवरों के हितों का मुद्दा मजबूती से उठाना चाहिए। साथ ही कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और यूरोप के अन्य देशों में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में भी प्रयास करने चाहिए। भारतीय प्रतिभाओं के लिए नए अवसर तलाशना समय की आवश्यकता है।

भारत को अपनी तकनीकी क्षमता, शोध, नवाचार और घरेलू उद्योगों को भी मजबूत करना होगा। देश में ऐसी परिस्थितियां बनानी होंगी कि विदेशों में काम करने वाले प्रतिभाशाली युवा भारत लौटकर यहां भी बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। प्रतिभा का पलायन रोकने के लिए रोजगार, सम्मानजनक वेतन और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि अमेरिका और भारत के संबंध केवल वीजा या व्यापार तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबला और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषय जुड़े हैं। इसलिए किसी एक मुद्दे पर मतभेद होने का अर्थ यह नहीं कि दोनों देशों के संबंधों में दरार आ जाए। कूटनीति का रास्ता संवाद और आपसी सम्मान से निकलता है।

ट्रम्प को भी समझना होगा कि अमेरिका की आर्थिक और तकनीकी शक्ति में दुनिया के दूसरे देशों की प्रतिभाओं का बड़ा योगदान है। विदेशी पेशेवरों के लिए रास्ते बंद करने से कुछ अमेरिकी नागरिकों को रोजगार के अवसर मिल सकते हैं, लेकिन इससे अमेरिकी कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और वैश्विक सहयोग भी प्रभावित हो सकता है। दुनिया किसी एक देश के आदेश से नहीं चल सकती। अंतरराष्ट्रीय संबंध विश्वास, सहयोग और परस्पर सम्मान पर आधारित होते हैं। अमेरिका एक शक्तिशाली देश है, लेकिन उसकी नीतियों का असर दूसरे देशों के नागरिकों और अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। इसलिए उसे अपने फैसले लेते समय वैश्विक परिस्थितियों और दूसरे देशों के हितों का भी ध्यान रखना चाहिए।

-कांतिलाल मांडोत

जमाखोरी पर केंद्र की स्ट्राइक! दालों के स्टॉक का साप्ताहिक खुलासा अनिवार्य

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में दालों की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने और बाजार में कृत्रिम किल्लत व जमाखोरी पर लगाम कसने के लिए केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण नीतिगत फैसला लिया है। अब सभी प्रकार की दालों के लिए अनिवार्य स्टॉक घोषणा की व्यवस्था लागू कर दी गई है। इस नई व्यवस्था के तहत, दालों के पूरे आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े सभी हितधारकों को नियमित रूप से अपने स्टॉक की जानकारी सरकार को देनी होगी, ताकि बाजार में पारदर्शिता लाई जा सके और उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा हाल ही में बुलाई गई एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया है। इस बैठक में देश के सभी स्टॉकिस्ट, मिलर्स, आयातकों, थोक और खुदरा विक्रेताओं के साथ-साथ बड़ी रिटेल चेन को भी प्रत्येक सप्ताह अपने दालों के स्टॉक की विस्तृत जानकारी साझा करना अनिवार्य होगा। विभाग के अधिकारियों ने दाल मिलर्स, आयातकों, ट्रेडर्स, डीलर्स और बड़ी रिटेल चेन के प्रतिनिधियों से साफ करीब 3 घंटे तक मैराथन चर्चा की, जिसमें बाजार में दालों की उपलब्धता और खुदरा कीमतों की गहन समीक्षा की गई। सरकार ने स्पष्ट शब्दों में कारोबारियों को निर्देश दिए हैं कि वे नियमित रूप से स्टॉक की सही जानकारी दें और बाजार में अफवाहों को सुचारू बनाए रखें ताकि कीमतों को नियंत्रित किया जा सके। सरकार का मानना है कि इस साप्ताहिक खुलासे से बाजार में दालों की वास्तविक स्थिति सामने आ जाएगी। सरकार के सामने यह सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है कि बंपर पैदावार, भारी सुरक्षित बफर स्टॉक और रिकॉर्ड आयात के बावजूद उपभोक्ताओं को महंगी दालें क्यों खरीदनी पड़ रही हैं। केंद्र के पास मौजूदा समय में लगभग 38 लाख टन दालों का सुरक्षित बफर स्टॉक उपलब्ध है। इसके अलावा, पिछले समय की तुलना में दालों के आयात में करीब 67 फीसद की उछेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, और यह आयात कम कीमतों पर किया गया है। मौजूदा आकलन के अनुसार, देश में दालों का कुल उत्पादन लगभग 374 लाख मीट्रिक टन हुआ है, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक है। अकेले उड़द के उत्पादन में भी 12 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। वैश्विक बाजारों से भी दालों की आपूर्ति की स्थिति संतोषजनक बनी हुई है। इन सभी अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद घरेलू बाजार में दालों की कीमतों का ऊंचा बने रहना पूरी तरह से कृत्रिम प्रतीत हो रहा है, जिस पर लगाम कसने के लिए यह कड़ा कदम उठाया गया है।

ईंधन कीमतों में राज्यों के बीच भारी अंतर बरकरार

नई दिल्ली। एजेंसी। देश भर के वाहन चालक हर सुबह पेट्रोल और डीजल की नई कीमतों पर नजर रखते हैं। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के उतार-चढ़ाव के बीच, तेल कंपनियों ने रविवार भी दाम अपडेट किए हैं, जिनमें शहरों के दायरे से बाहर बड़ा अंतर दिख रहा है। कहीं पेट्रोल 100 रुपये पार है, तो कहीं 115 रुपये प्रति लीटर से भी अधिक। इसकी मुख्य वजह जीएसटी से बाहर होना और राज्यों का अलग-अलग वैट है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर है, जबकि मुंबई, कोलकाता और हैदराबाद जैसे शहरों में कीमतें काफी ऊंची हैं, जहां पेट्रोल 111 रुपए से 116 रुपए के बीच बिक रहा है। राज्यों के स्तर पर तेलंगाना, मध्य प्रदेश और केरल में ईंधन सबसे महंगा है। यह भारी अंतर मुख्य रूप से राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए अलग-अलग वैट के कारण है, क्योंकि ईंधन अभी जीएसटी के दायरे से बाहर है। इन दामों को तय करने में अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति, राज्य सरकारों का वैट, परिवहन खर्च और डीलर कमीशन जैसे कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फिलहाल, कीमतों में कटौती की कोई स्पष्ट घोषणा नहीं है। आगे के दाम वैश्विक कच्चे तेल की चाल, रुपये-डॉलर विनिमय दर और सरकारी टैक्स नीतियों पर ही निर्भर करेंगे।

सीएजी का फर्टिलाइजर सब्सिडी का अभा परफॉरमेंस ऑडिट शुरू

नई दिल्ली। एजेंसी। कैग (सीएजी) ने फर्टिलाइजर सब्सिडी का अखिल भारतीय परफॉरमेंस ऑडिट शुरू किया है। परफॉरमेंस ऑडिट का मुख्य उद्देश्य 169 जिलों में सब्सिडी वाले यूरिया के कथित डायवर्जन की जांच करना है। इसमें फर्टिलाइजर को देश के बाहर भेजे जाने की आशंका भी शामिल है। यह ऑडिट 2027 के मध्य तक पूरा होने की उम्मीद है, जिसे संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किया जा सकता है। सरकार सब्सिडी वाले यूरिया पर सालाना 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च करती है। कुछ जिलों में यूरिया की खपत गहरे और राज्य के औसत से कहीं ज्यादा है, जिससे सरकार को चिंता बढ़ा दी है। सीएजी यूरिया सब्सिडी ढांचे की मांग और कार्यकुशलता का आकलन करेगा; यही इस ऑडिट के दायरे में भी शामिल है। जिन 169 जिलों में कथित डायवर्जन की जांच होनी है, उनमें से 149 को सीएजी ने शुरुआत में ही उनके खपत पैटर्न के आधार पर चुना था, जो राज्य और राष्ट्रीय औसत से अधिक था। बाद में, केंद्र सरकार को सिफारिश पर 20 और जिलों को इसमें जोड़ा गया, ताकि उनके खपत पैटर्न की भी जांच की जा सके। यह ऑडिट फर्टिलाइजर की आवाजाही, परिवहन व्यवस्था, माल दुलाई सब्सिडी और इससे जुड़ी लिंगसारी और नियंत्रण प्रणाली को पड़ताल करेगा। इस व्यापक ऑडिट में विभिन्न सरकारी विभागों, जैसे जीएसटी नेटवर्क, कृषि मंत्रालय, रेलवे आदि का सहयोग लिया जाएगा। ये विभाग फर्टिलाइजर नियंत्रण प्रणाली और नियामकों की कार्यकुशलता के आकलन में ऑडिटरों की मदद करेंगे। हाल ही में वित्त मंत्रालय ने ई-पे बिल के आधार पर यूरिया के डायवर्जन की आशंका जताई थी, क्योंकि यह पाया गया कि ट्रक तय रास्ते के बजाय दूसरे रास्तों से जा रहे थे या कई जगहों पर रुक रहे थे। एक संसदीय समिति ने भी यूरिया के डायवर्जन, खासकर सीमावर्ती जिलों में, को लेकर चिंता जताई थी। अधिकारियों ने बताया कि यूपी, राजस्थान, पंजाब और बिहार के सीमावर्ती जिलों से सब्सिडी वाले यूरिया को दूसरी जगहों पर भेजे जाने (डायवर्जन) की खबरों ने इस बात पर भी संदेह पैदा कर दिया है कि कहीं इसे देश के बाहर तस्करी करके तो नहीं भेजा जा रहा है। यूरिया की अत्यधिक खपत के लिए जिन जिलों की जांच की जा रही है, उनमें सबसे ज्यादा 37 जिले यूपी में हैं। इसके बाद बिहार और तमिलनाडु में 16-16 जिले, और पंजाब तथा गुजरात में 14-14 जिले शामिल हैं। बाद में जांच के दायरे में लाए गए 20 जिले कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से हैं।भारत में यूरिया की कुल खपत सालाना लगभग 400 लाख मीट्रिक टन होने का अनुमान है। इसमें से 100 एलएमटी से अधिक का आयात किया जाता है। घरेलू उत्पादन के लिए भी बड़ी मात्रा में आयातित एलपीजी की जरूरत होती है, क्योंकि यूरिया बनाने की कुल लागत में 90 फीसदी हिस्सा इसी ईंधन का होता है।

वैश्विक एआई शेयरों में बिकवाली और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट बनी प्रमुख वजह

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर महीने में जोरदार वापसी दर्ज की है। लगातार दो महीने की शुद्ध बिकवाली के बाद एफपीआई ने नवंबर के पहले पखवाड़े (2 से 13 नवंबर) में भारतीय इक्विटी बाजारों में 84,290 करोड़ रुपये का विशाल शुद्ध निवेश किया है। यह पूंजी प्रवाह वैश्विक स्तर पर कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में चिकवाली और कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट जैसे अनुकूल कारकों से प्रेरित है, जिससे निवेशकों का ध्यान भारत की ओर खींचा है। पूंजी प्रवाह और कारणों का विश्लेषण डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, यह महत्वपूर्ण निवेश अक्टूबर में 34,843 करोड़ रुपये और सितंबर में 35,861 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी के बाद आया है, जो भारतीय बाजार के लिए एक बड़ा बदलाव है। इस ताजा निवेश के साथ, चालू वर्ष में भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों की कुल निकासी घटकर लगभग 2.1 लाख करोड़ रुपये रह गई है, जो कुछ समाह पहले करीब तीन लाख करोड़ रुपये थी। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस वापसी के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं। वैश्विक स्तर पर कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में आई चिकवाली ने निवेशकों को प्रौद्योगिकी-केंद्रित बाजारों से हटकर अन्य बाजारों में निवेश के अवसर तलाशने पर मजबूर किया। इसके अतिरिक्त, नवंबर के पहले सप्ताह में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 13 प्रतिशत की गिरावट और इसका 97 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आना भी भारतीय बाजार के लिए सकारात्मक रहा। बड़ी भारतीय कंपनियों के शेयरों का आकर्षक मूल्यांकन भी एक वजह है। विशेषज्ञों के अनुसार यह खरीदारी फिलहाल एक रणनीतिक बदलाव के रूप में देखी जानी चाहिए, न कि विदेशी निवेशकों की स्थायी वापसी के संकेत के तौर पर। उन्होंने बताया कि इस खरीदारी का बड़ा हिस्सा प्रमुख सूचकांक में शामिल हिस्सेदारी रखने वाली बड़ी कंपनियों के शेयरों में गया है। मीरा मनी के निवेश अनुसंधान विश्लेषक रोहन गोयल ने भी एआई शेयरों की चिकवाली और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को प्रमुख कारक बताया, जिसने निवेशकों को भारतीय बाजार की ओर आकर्षित किया।

10 दिनों में 8400 तक सस्ता हुआ सोना, चांदी 15000 लुढ़की

नई दिल्ली। एजेंसी। सोने और चांदी की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, पिछले 10 दिनों में इन कीमती धातुओं के भाव में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस दौरान 24 कैरेट सोना 8,400 रुपये तक और चांदी 15,000 रुपये प्रति किलो सस्ती हो चुकी है। यह गिरावट देवउठनी एकादशी से पहले कमजोर मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नरमी के कारण आई है, जिससे ज्वैलर्स से ठीक पहले ग्राहकों को खरीदारी का अच्छा मौका मिल रहा है। पिछले 10 दिनों में सोने के भाव में बड़ी गिरावट पिछले 10 दिनों के आंकड़ों पर गौर करें तो, 5 नवंबर 2026 को 24 कैरेट सोना 1,46,170 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब घटकर 1,37,770 रुपये पर आ गया है, यानी 8,400 रुपये की बड़ी गिरावट। इसी अवधि में 22 कैरेट सोना 7,700 रुपये सस्ता होकर 1,26,300 रुपये और 18 कैरेट सोना 6,300 रुपये सस्ता होकर 1,03,370 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। खास बात यह है कि 10 से 13 नवंबर के बीच लगातार चार दिनों तक सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे खरीदारों को बड़ी राहत मिली है। चांदी भी 15,000 रुपए सस्ती, मांग में सुस्ती प्रमुख कारण सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट आई है। 5 नवंबर को 2,10,000 रुपये प्रति किलो बिकने वाली चांदी अब 1,95,000 रुपये पर आ गई है, यानी 10 दिनों में 15,000 रुपये प्रति किलो की कमी। कारोबार विशेषज्ञों का मानना है कि देवउठनी एकादशी से पहले कमजोर खुदरा मांग, अंतरराष्ट्रीय बाजार में नरमी और पहले आई तेजी के बाद निवेशकों की मुनाफावसूली जैसी वजहें इस गिरावट के लिए जिम्मेदार हैं। फिलहाल, दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे प्रमुख शहरों में एक किलो चांदी 1,95,000 रुपये के भाव पर उपलब्ध है।

माइक्रोसॉफ्ट की ग्लोबल सेवाएं बहाल, 24 घंटे बाद मिली राहत

नई दिल्ली। एजेंसी। माइक्रोसॉफ्ट ने शनिवार को घोषणा की कि उसकी सभी कंप्यूटर और एंटरप्राइज सेवाएं, जो 24 घंटे से अधिक समय से एक वैश्विक तकनीकी रुकावट के कारण बाधित थीं, अब पूरी तरह से बहाल कर दी गई हैं। इस आउटेज ने दुनिया भर के लाखों उपयोगकर्ताओं को प्रभावित किया, जिन्हें आउटलुक, टीम्स और माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। तकनीकी दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी सभी उपभोक्ता और उद्यम सेवाओं की पूर्ण बहाली की पुष्टि की है, जिससे 24 घंटे से अधिक समय तक चली एक वैश्विक तकनीकी बाधा समाप्त हो गई है। कंपनी के सर्विस स्टेटस पेज पर सभी सेवाएं बहाल का संदेश पोस्ट किया गया, जो दुनिया भर में लाखों उपयोगकर्ताओं के लिए राहत की बात है। यह समस्या गुरुवार को शुरू हुई और शुक्रवार तक कई देशों में व्यवसायों, सरकारी एजेंसियों और व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं को प्रभावित करती रही। आउटलुक, टीम्स, माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट, शेयरपॉइंट ऑनलाइन और अन्य क्लाउड-आधारित सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाइयों के कारण ईमेल सेवाएं बाधित हुईं, वर्चुअल मीटिंग्स पर असर पड़ा और महत्वपूर्ण कार्यों में बाधा आई। माइक्रोसॉफ्ट ने इस वैश्विक आउटेज के लिए अपने ग्राहकों और साझेदारों से गहरा खेद व्यक्त किया है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि यह एक तकनीकी समस्या थी, जिसका साइबर हमले या एआई एजेंट्स से कोई लेना-देना नहीं था। यह खराबी नेटवर्क क्षमता को बढ़ाने (नेटवर्क कैपेसिटी अपग्रेड) के दौरान आई, जो हाल ही में किए गए एक नेटवर्क बदलाव के बाद सामने आई। कंपनी ने कहा कि मूल समस्या को ठीक कर दिया गया है। सेवाओं की बहाली के बारे में बताते हुए, माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि मांग के बढ़े स्तर को देखते हुए, उन्होंने धीरे-धीरे सेवाएं बहाल कीं और हर चरण पर स्थिरता की जांच की। हालांकि इसमें थोड़ा अधिक समय लगा, लेकिन इससे सेवाओं को पूरी तरह से स्थिर तरीके से बहाल करने में मदद मिली।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन सामान्य रह सकता है, लेकिन आपको हर मामले में थोड़ी सावधानी और समझदारी के साथ आगे बढ़ना होगा। नई प्रॉपर्टी खरीदने का विचार मन में आ सकता है और अपनी जीवनशैली को बेहतर बनाने के लिए सुख-सुविधाओं पर खर्च करने की इच्छा भी होगी। हालांकि, अपनी आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए खर्च और बचत के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। माता-पिता का आशीर्वाद और सहयोग आपके लिए काफी मददगार साबित होगा।

वृषभ- आज धैर्य और शांत व्यवहार ही आपको कई परेशानियों से बचा सकता है। हर मामले में अपनी राय देना या हर चर्चा का हिस्सा बनना जरूरी नहीं है। कई बार कम बोलना और परिस्थितियों को समझना ही सबसे बेहतर फैसला होता है। संकट से ज्यादा बोलने से कोई छोटी-सी बात अनावश्यक उलझन का रूप ले सकती है। यदि आप कहीं घूमने या लंबी यात्रा पर जाने की योजना बना रहे हैं, तो फिलहाल उसे कुछ समय के लिए टालना बेहतर रहेगा।

मिथुन- आज जल्दबाजी में लिया गया कोई फैसला आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। इसलिए किसी भी महत्वपूर्ण काम में आगे बढ़ने से पहले सभी पहलुओं पर अच्छे तरह विचार करें। नया वाहन खरीदने की योजना बन सकती है और सामाजिक स्तर पर आपकी पहचान तथा प्रतिष्ठा में भी बढ़ोतरी होने के संकेत हैं। हालांकि, पुराने लेन-देन या पैसों से जुड़े कुछ मामले दोबारा सामने आ सकते हैं।

कर्क- आज भाग्य आपका पूरा साथ देता नजर आएगा। आप जिस काम को हाथ में लेंगे, उसमें सफलता मिलने की अच्छी संभावना है। कार्यक्षेत्र में अनुकूल परिस्थितियां बनेंगी और अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। जीवनसाथी की नौकरी या करियर में तरक्की से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है, जिससे परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल बनेगा।

सिंह- आज आर्थिक मामलों को लेकर मन में थोड़ी चिंता रह सकती है। बढ़ते खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, क्योंकि गैरजरूरी खरीदारी आपकी बचत को प्रभावित कर सकती है। परिवार में शादी-विवाह या किसी मांगलिक आयोजन से जुड़ी अच्छी खबर मिलने की संभावना है, जिससे घर का माहौल खुशनुमा बनेगा।

कन्या- आज दिनभर भागदौड़ और व्यस्तता बनी रह सकती है। कई काम एक साथ सामने आने से थोड़ी परेशानी होगी और कुछ जिम्मेदारियों में छोटी-मोटी रुकावटें भी आ सकती हैं। सेहत में उतार-चढ़ाव के कारण थकान या कमजोरी महसूस हो सकती है, इसलिए अपनी क्षमता से अधिक काम का बोझ न लें। बीच-बीच में आराम करना भी जरूरी होगा।

तुला- आज सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास के बल पर आप कई महत्वपूर्ण कामों को आगे बढ़ा पाएंगे। नए लोगों से संपर्क बनने की संभावना है और आपकी पहचान का दायरा भी बढ़ सकता है। हालांकि, हर नए परिचित की तुरंत अपना शुभचिंतक समझने की भूल न करें। लोगों को समझने और उन पर भरोसा करने में थोड़ा समय दें।

वृश्चिक- आज आर्थिक लाभ मिलने के मजबूत संकेत हैं और आपकी वित्तीय स्थिति पहले की तुलना में बेहतर हो सकती है। लंबे समय से अटके हुए कामों को पूरा करने में सफलता मिलने की संभावना है, जिससे मन को राहत मिलेगी। किसी कानूनी मामले को लेकर आप परेशान थे, तो किसी अनुभवी और सही व्यक्ति की सलाह मिलने से आगे का रास्ता साफ हो सकता है।

धनु- आज आपके सामने उन्नति के नए रास्ते खुल सकते हैं। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे मन प्रसन्न होगा और पुरानी यादें ताजा हो जाएंगी। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने-फिरने का कार्यक्रम भी बन सकता है। इससे आपसी संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और व्यस्त दिनचर्या से राहत मिलेगी। हालांकि, घर के जरूरी कामों को नजरअंदाज न करें।

मकर- आज आप अपने कामकाज और जरूरी जिम्मेदारियों में काफी व्यस्त रह सकते हैं। कई काम एक साथ सामने आने के बावजूद आप परिवार के लिए समय निकालने का प्रयास करेंगे। संतान पक्षाई के मामले में कुछ लापरवाही कर सकती है, इसलिए उसे डांटने के बजाय प्यार से समझाना बेहतर रहेगा।

कुंभ- आज का दिन राजनीति और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के लिए विशेष रूप से अनुकूल हो सकता है। आपकी पहचान, प्रभाव और लोगों के बीच पकड़ मजबूत होने के संकेत हैं। सामाजिक गतिविधियों में आपकी भूमिका बढ़ सकती है और लोगों का सहयोग भी प्राप्त होगा। जीवनसाथी नई नौकरी या करियर में बदलाव के लिए कोई महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं।

मीन- आज कुछ छोटी-मोटी रुकावटें के कारण आपके कामकाज की गति धीमी पड़ सकती है। ऐसे में परेशान होने के बजाय धैर्य बनाए रखें और जरूरी कामों को प्राथमिकता के अनुसार पूरा करें। किसी महत्वपूर्ण फैसले में जल्दबाजी न करें और केवल दिखावे या दूसरों को प्रभावित करने के लिए पैसा खर्च करने से बचें। सेहत के मामले में भी सतर्क रहना जरूरी होगा। कोई पुरानी परेशानी दोबारा उभर सकती है, इसलिए अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें।

शब्दजाल - 8451

त	स	आ	ल	ी	न	था	गु	बा	प	दे
क	अ	अ	ल	त	अ	ला	न	ब	द	जू
आ	स	आ	क	प्र	न	भि	द	नं	जू	व
जी	अ	चा	आ	र	ति	गु	आ	प	दे	न
व	अ	र्थ	त	अ	ला	छ	न	श	म	क
न	आ	चा	र	वा	न	द	शा	च	व	त
ब	अ	सी	र	जा	ला	गु	आ	प	दे	आ
ह	आ	भो	व	आ	वा	द	ह	यु	व	ग
क	जा	ह	व	प	गो	द	व	प	र	र
र	दी	ख	ष	प	स	श	ह	धि	वा	क
स	वा	तें	व	न	ज	द	आ	गा	ह	र

शब्द जाल में 'आ' से शुरू होने वाले 10 शब्द ढूंढिए. दिए गए शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

आत्मलीन, आत्मग्लानि, आचारज्ञान, आगोश, आगाह, आवंद, आजीवन, आवार्य, आजादी, आक्रमण.

शब्दजाल - 8450 का हल

ती	क्ष	ण	धी	[ता]	[का]	[ही]	[न]	प	ड
ज	[ल]	[द]	[ही]	[बी]	[मा]	[र]	[ी]	प	ल
जी	व	न	[सा]	[थी]	[क]	[ल]	[प]	ल	[ट]
[ज]	[ल]	[प]	[रि]	[व]	[र्त]	[न]	[श]	[ी]	ल
[आ]	[ग]	[म]	[न]	[ग]	[र]	[म]	[ह]	[ु]	[ख]
[ज]	[ी]	[व]	[न]	[स]	[ं]	[घ]	[र्ष]	[ण]	[श]
[ी]	[ल]	[त]	[ा]	[ज]	[ी]	[व]	[न]	[ी]	[ल]
[ल]	[ा]	[ग]	[त]	[ा]	[र]	[ा]	[ज]	[ी]	[व]
[ा]	[ल]	[ी]	[ख]	[ा]	[प]	[ा]	[न]	[ी]	[य]
[ल]	[ा]	[ल]	[ी]	[ख]	[ा]	[क]	[ा]	[ल]	[ी]

फिल्म वर्ग पहेली- 7385



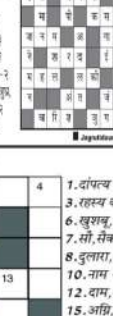
ऊपर से नीचे:-

१. 'मन कहाँ बाहा रे' गीत वाली शीर शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, पुनम, सोनाली की 'रेते चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
३. 'सोली हवा हु गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
४. अमिताभ, अमजद खान, नेतु की 'कुक्र मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कोल बेबी बोल दीक' गीत वाली अनिल कपूर, मौनाकी की फिल्म-२,२
६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'हवा ना जा न जो' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इक उम्मका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जरीद, अमीषा की फिल्म-२
१२. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं सीता का मरद्' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली डायरेक्टर, शन्नित की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मोनू ना बाहर मोनू' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रिते बेतब को मोरे से' गीत वाली डायरेक्टर्मा, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, वरि, रिवी की 'कलक देखू' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में सोफिया कौस थी-३
२१. 'अडिया पिलके डिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अन्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'सहर शहर डगर डगर' गीत वाली पैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

वायें से दायें:-

१. जॉन मुकर्जी, नेता की 'मुझे इश्क है तुमसे तो' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे रहे हुए दिल से कोई से' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमि, फैजल, दिवंकल की 'तुझे यद ये कसाव है' गीत वाली फिल्म-२
७. अभिषेष, जोया अमान की फिल्म-२
८. 'तमारो बसरा हैं' गीतवाली फिल्म-४
९. 'कब लिए हम' गीत वाली डायेट कुमार, गीता वाली की फिल्म-३
११. रंजकुमार, प्रिया की 'ने पर्वतों के दायरे से शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में किया में' गीत वाली मंजरा, जैकी, शिल्पा, स्वेता की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमोत, की 'कोई दिल ने किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'कोरे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१६. तिथजीत, माल सिन्हा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7384



Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

16 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



सोमवार 2026 वर्ष का 320 वा दिन
दिशाशूल पूर्व अवधि शराद।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास पार्थिनमास
तिथि सायंकाल 04.20 बजे रात को समाप्त।
नक्षत्र अनल 02.17 बजे रात को समाप्त।
योग गण्ड 07.17 बजे को समाप्त।
करण गर 15.14 बजे सम्पन्नार चन्द्रिका 04.20 बजे रात को समाप्त।

ग्रह	स्थिति	ग्रहनक्षत्र समय
सूर्य	तुला में	कृत्तिका 06.21 बजे से
चंद्र	कन्या में	धनु 08.37 बजे से
मंगल	सिंह में	मकर 10.42 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ 12.28 बजे से
गुरु	सिंह में	मीन 14.01 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष 15.32 बजे से
शनि	मीन में	वृष 17.12 बजे से
राहु	सिंह में	मिथुन 19.10 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क 21.23 बजे से

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

खन्दाग्रह	6.7 घण्टे
रवि क्रान्ति	दक्षिण 18° 41'
सूर्य परिभ्रमण	
सिरिल सामयी	1872895
जूलियन दिन	2461360.5
कलियुग संवत्	5128
कल्पाब्द संवत्	1972949128
सृष्टि प्रहारभ संवत्	1955885126
गायत्रिन्यूमरि संवत्	2552
हिजरी सन्	1449
महीना	जमादि उस्सानी तारीख 06
कलम	01.51 बजे से दिवस पूर्णिमक मौकाँति, जगतराम खाप जगर्नी।
तुला	04.02 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया सूचकांक- शुभाक अंक शुभ, अमृत व लाभ, सामान्य चर, अमृत व लाभ, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय को मध्य देखा किए के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार देखें ही ले। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः प्रार्थना का अर्थ



ए क वृद्ध उच्ची सांसिनेत्र एवं सामीप्य का उपासाधन करते और उन्हें सुख-शांति के उपाय बताया करते थे। एक बार उनके पास एक व्यक्ति आया और हाथ जोड़कर बोला, 'महाराज, मैं एक बड़ी गहीबत में हूं। मेरी पत्नीकर अपना व परिवार का भरण-पोषण करता हूं। मेरा सारा दिन उसका जाने में ही बीत जाता है और प्रभु का स्मरण करने का समय ही नहीं मिलता। कृपा दिनों से यही सोच-सोचकर मैं परेशान हूं। ऐसे में मेरा कल्याण कैसे हो पाएगा? कृपया आप मुझे कोई रास्ता बताएं।' उस जटिल जाहीवान की बात सुनकर साधिवेय बोले, 'क्या तुम अपनी लाही से ऐसे लोगों को भी गंतव्य तक पहुंचाते हो जो अक्सर या विकलांग हैं और जो तुम्हारा किराया देने में असमर्थ हैं?' जाहीवान ने कहा, 'हां, मैं किसानों व जरीब लोगों से किराया नहीं लेता और उन्हें सकुशल उनके गंतव्य तक पहुंचाता हूं।' इसके अतिरिक्त मैं अपनी कमाई के कुछ हिस्से से बेजुबान पशु-पक्षियों को भी खिलाता हूं।' जाहीवान की बातें ध्यान से सुनकर वृद्ध साधिवेय बोले, 'भइया, तुमको अन्न में किस्सानों, अशक्तजनों, जरीबों व बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए दया भावना है और यह भावना किसी प्रार्थना से कम नहीं है। प्रार्थना का अर्थ केवल भी अपने जीवन को सार्थक करना है और यह उपर्युक्त दूसरे रास्तों से भी पाई जा सकती है। ऐसे लोग जो झूठ बोलते हैं, वेईमानी करते हैं, दुरुपयोग है, वे यही दिन अंर प्रभु का स्मरण करते रहें किंतु प्रभु ऐसे दुराचारी लोगों की प्रार्थना कभी स्वीकार नहीं करते। वे ऐसे लोगों की प्रार्थना अनसुनी कर देते हैं जो क्रूर, वंचक व कर्म से मैला होते हैं और मानवीय दुखों की दवा करते हैं। तुम भी प्रभु के ऐसे ही बंदों में से एक हो। इसलिए तुम चिंतामुक्त होकर ऐसे ही अपने कार्यों में लगे रहो जैसे अभी लगे हुए हो। तुम्हारा कल्याण तय है, तो जाहवान! तुम साधिवेय की बातें सुनकर जाहीवान संतुष्ट हुआ और अपने काम पर निकल गया।

सूडोकू नवताल- 7694

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
5				1				9
				3		6	3	
5				7		6		8
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकू नवताल -7693 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8

गरीब किसान के घर से भी निकल सकता है जिले का कलेक्टर-एसपी, बस मेहनत और हौसला जरूरी-लोकेश लिल्हारे

आलोक के प्रतिभा सम्मान समारोह में 400 प्रतिभाएं हुई सम्मानित

पद्मेश न्यूज। लांजी। मंजिल दूर है तो कदम रोकने की जरूरत नहीं, रास्ता कठिन है तो हौसला हारने की जरूरत नहीं और जेब खाली है तो सपनों को छोटा करने की भी जरूरत नहीं। क्योंकि कलेक्टर बनने का सपना किसी महल में ही नहीं पलता, वह गरीब किसान के घर और गांव की छोटी-सी झोपड़ी में भी जन्म ले सकता है। जरूरत है तो सिर्फ उस सपने के लिए दिन-रात एक कर देने की। 15 नवंबर को लांजी के भारती लॉन में आयोजित अखिल भारतीय लोधी, लोधा, लोध अधिकारी कर्मचारी संघ (आलोक) के सातवें जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में जीएसटी विभाग भोपाल के ज्वाइंट कमिश्नर लोकेश कुमार लिल्हारे ने युवाओं के सामने कुछ ऐसी ही बेबाक और प्रेरक बातें रखीं कि हजारों की संख्या में मौजूद समाजबंधु देर तक तालियां बजाते रहे। उनका संबोधन महज मंचीय भाषण नहीं, बल्कि उन युवाओं के लिए सीधा संदेश था, जो संसाधनों की कमी, आर्थिक तंगी और ग्रामीण परिवेश को अपनी असफलता का कारण मानकर अपने सपनों से समझौता कर लेते हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि परिस्थितियां चाहे जैसी हों, व्यक्ति की पहचान उसके जन्म से नहीं, बल्कि उसके प्रयास और उपलब्धियों से बनती है।

तू बस प्रयास कर, तेरी पढ़ाई से कल जिले का कलेक्टर और एसपी निकलेगा

लोकेश लिल्हारे ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह मत सोचो कि तुम गांव के रहने वाले हो, गरीब किसान के बेटे हो, किस समाज से आते हो, लड़के हो या लड़की हो अथवा किसी शारीरिक चुनौती का सामना कर रहे हो। इन परिस्थितियों को अपनी कमजोरी मत बनने दो। तुम्हारा काम सिर्फ अपने लक्ष्य को निर्धारित करना और उसे हासिल करने के लिए लगातार प्रयास करना है। उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा कि तुम्हारी इसी पढ़ाई और मेहनत से कल बालाघाट जिले का कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक निकलेगा। उनके संबोधन की सबसे प्रभावशाली बात थी- कोशिश कर, हल निकलेगा, आज नहीं तो कल निकलेगा, हौसला रख, फल निकलेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवल लक्ष्य निर्धारित कर लेने से सफलता नहीं मिलती। लक्ष्य तय करने के बाद उसके लिए प्रयासों की गति भी बढ़ानी पड़ती है। ऐसा नहीं होना चाहिए कि आपने आईएएस, आईपीएस या किसी बड़े पद का सपना देख लिया और फिर उसी सपने के पूरा होने का इंतजार करते हुए बैठ गए। सफलता इंतजार करने वालों को नहीं, बल्कि उसके लिए निरंतर मेहनत करने वालों को मिलती है।



400 प्रतिभाओं का सम्मान, हजारों की संख्या में समाजबंधुओं की मौजूदगी

आलोक संघ जिला बालाघाट एवं इकाई लांजी के तत्वावधान में भिलाई रोड स्थित भारती लॉन में आयोजित सातवें जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में लोधी समाज की लगभग 400 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इसमें कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं, नवोदय विद्यालय में चयनित विद्यार्थियों तथा नीट, आईआईटी, एमबीबीएस एवं अन्य क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली प्रतिभाओं को सम्मान प्रदान किया गया। इसके साथ ही 24 नवंबर 2025 से 15 नवंबर 2026 के बीच नवनियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों का भी सम्मान किया गया। समारोह में लोधी समाज के सामाजिक बंधुओं की हजारों की संख्या में सहभागिता रही।

जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में लांजी विधायक राजकुमार कोरहे, पूर्व विधायक लांजी रमेश भटेरे, आमगांव के पूर्व विधायक भेरसिंह नागपुरे, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ज्योति ईश्वर उमरे, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मीना सुधीर दशरिया, नगर परिषद लांजी की अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले, लोधी महासभा बालाघाट की महिला अध्यक्ष श्रीमती शीला नगपुरे, आलोक की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तरुणा वर्मा उपस्थित रहीं। इसी प्रकार राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक अर्नतलाल दमाहे, राष्ट्रीय अध्यक्ष नवोदय जागृति अभियान डॉ. विजय बरिया, लोधी महासभा बालाघाट के अध्यक्ष डॉ. अशोक लिल्हारे, आलोक के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष चन्द्रसिंह पटेल, छुली आसमान की डायरेक्टर श्रीमती साक्षी लिल्हारे, महिला आलोक मध्यप्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती कामिनी राजपूत, महाराष्ट्र आलोक के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र लिल्हारे, छत्तीसगढ़ आलोक के प्रदेश अध्यक्ष अशोक वर्मा, नवोदय जागृति अभियान के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह जंघेला तथा आलोक के राष्ट्रीय प्रवक्ता विजय बघेल की उपस्थिति रही। वहीं प्रमुख मार्गदर्शक डॉ. वेदप्रकाश लिल्हारे, मोनेश्वर नगपुरे, राजेश लिल्हारे, रविंद्र लिल्हारे, श्रीमती ज्योति लिल्हारे, गैलेक्सी नगपुरे, दुर्गाप्रसाद नगपुरे, उज्ज्वल बघेल, डॉ. अक्षय उपराड़े, डॉ. संजय बरिया, लीलाधर सुलाखे उपस्थित रहे।

अवंती साधना मंच लांजी एवं ब्लॉक कार्यकारिणियों के पदाधिकारी

अवंती साधना मंच लांजी के अध्यक्ष ऋषि पटेल देशरिया, उपाध्यक्ष तोमेश्वर बापूरे, खेमराव मच्छिरके, सचिव कृष्णकुमार लिल्हारे, तोषण मस्करे, पुनाराम पिंछेड़े, सहसचिव विजय कुमार दशरिया, भवनदास दशरिया, कोषाध्यक्ष प्रमोद धामने, साहेबलाल दशरिया, संयुक्त सचिव राजेश मस्करे, विजय, चितरंजन मचिया, अंचल कालबेले, किरण कबीरे, अनिल बापूरे, सोहन उपराड़े, रामजी लिल्हारे, टी.डी. लिल्हारे सहित सदस्य एवं सम्मानीय सदस्यगण उपस्थित रहे।

आयोजन समिति ने संभाली व्यवस्थाएं

आयोजक समिति ब्लॉक लांजी आलोक के अध्यक्ष राजेश मस्करे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दुष्यंत उमरे, श्रीमती गीता लिल्हारे, संगठन सचिव सी.एल. दमाहे, कार्यक्रम सचिव तोषण मस्करे, कोषाध्यक्ष राजकुमार कुसले, मीडिया प्रभारी कु. ममता पगरवार, विधि सलाहकार भुवनी कबीरे तथा सदस्य घनश्याम बसेने, भवनदास देशरिया, विजय दशरिया, दिलीप बनोटे, दशरथ उपराड़े, प्रमोद बसेने एवं लोकेश बिहीने ने आयोजन की व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अंधियाटोला और सतोना में श्रद्धा से मनाई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

पद्मेश न्यूज। लांजी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में 15 नवंबर को पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत चौक में आयोजित कार्यक्रम में सम्पल मसराम, पूर्व सरपंच लक्ष्मण परते, कंसुली श्रीराम मंडलवार, गोवारी समाज नेवरवाही के सचिव सुकमन सैयाम, सहसचिव सोहन सिंह पुसाम, मीडिया प्रभारी संतोष कोड़ापये, आशाराम पंदे, गोपाल पुसाम, राजकुमार उइके एवं पिरसु उइके सहित अन्य सामाजिक बंधुओं ने माल्यार्पण कर धरती आबा को नमन किया।



उलगुलान के नायक के संघर्ष को किया याद

कार्यक्रमों में वक्ताओं एवं समाजजनों ने भगवान बिरसा मुंडा के अदम्य साहस, त्याग और संघर्ष को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत और शोषणकारी व्यवस्था के विरुद्ध आदिवासी समाज को संगठित कर ऐतिहासिक उलगुलान आंदोलन का नेतृत्व किया। जल, जंगल, जमीन, आदिवासी अस्मिता और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। मात्र 25 वर्ष की आयु में उनका बलिदान हो गया, लेकिन उनके विचार आज भी अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और अधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश देते हैं। दोनों स्थानों पर आयोजित जयंती समारोह में सामाजिक एकता को मजबूत करने तथा नई पीढ़ी को जनजातीय इतिहास, संस्कृति और महापुरुषों के योगदान से परिचित कराने का संकल्प लिया गया।

जनजातीय गौरव दिवस पर लांजी में श्रद्धा से मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती

पद्मेश न्यूज। लांजी। अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध आदिवासी अस्मिता, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष का बिगुल फूंकने वाले महान क्रांतिकारी एवं जननायक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर लांजी में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। आदिवासी समाज लांजी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में समाजजनों ने भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र एवं प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजन-अर्चन किया। इस दौरान जय बिरसा, जय जोहार और धरती आबा अमर रहें के नारों से पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ गोंडवाना सामुदायिक भवन लांजी में भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पीले चावल अर्पित कर पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजन-अर्चन के साथ हुआ। उपस्थित समाजजनों ने धरती आबा के अदम्य साहस, त्याग, संघर्ष और बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात सभी समाजजन कोटेझर रोड स्थित बिरसा चौक पहुंचे, जहां भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं चिधियत पूजन किया गया। उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक जय बिरसा और जय जोहार के नारे लगाकर महान जननायक के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। कार्यक्रम में धरती आबा के संघर्ष, बलिदान, सामाजिक चेतना और आदिवासी समाज की अस्मिता एवं स्वाभिमान की रक्षा के लिए किए गए उनके योगदान को याद किया गया। उपस्थित समाजजनों ने उनके विचारों और आदर्शों को आत्मसात करते हुए, जिसने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में विशिष्ट स्थान बनाया। 15 नवंबर 1875 को वर्तमान झारखंड के उलिहातु गांव में जन्मे बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज को अंग्रेजी शासन, शोषणकारी जमींदारी व्यवस्था और बाहरी हस्तक्षेप के विरुद्ध संगठित किया। उन्होंने आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन पर अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज बुलंद की। बिरसा मुंडा के नेतृत्व में 1899-1900 के दौरान हुए ऐतिहासिक उलगुलान अर्थात महान विद्रोह ने अंग्रेजी शासन की नींव को चुनौती दी। यह आंदोलन केवल अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह नहीं था, बल्कि आदिवासी समाज की जमीन, संस्कृति, परंपरा, धार्मिक पहचान और स्वशासन के अधिकारों की लड़ाई भी था। उनके आह्वान पर बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग एकजुट हुए और ऑपनिवेशिक शोषण के विरुद्ध संघर्ष में शामिल हुए।



अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ खड़ा किया था उलगुलान का आंदोलन

भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, क्रांति और अदम्य स्वाभिमान की ऐसी मिसाल आने वाली पीढ़ियों तक उनके संघर्षपूर्ण जीवन और गौरवशाली इतिहास को पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।

कम उम्र में बलिदान, लेकिन संघर्ष की विरासत अमर

भगवान बिरसा मुंडा को अंग्रेजी हुकूमत ने गिरफ्तार कर लिया था। 9 जून 1900 को रांची जेल में मात्र 25 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उनका जीवन भले ही अल्पकालिक रहा, लेकिन उनके संघर्ष ने आदिवासी समाज में अधिकारों और स्वाभिमान की नई चेतना पैदा की। उनके आंदोलन के ऐतिहासिक प्रभावों में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 का उल्लेखनीय स्थान है, जिसने आदिवासियों की भूमि को गैर-आदिवासियों के हाथों हस्तांतरित होने से रोकने के लिए महत्वपूर्ण कानूनी संरक्षण प्रदान किया। भारत सरकार द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय उनके ऐतिहासिक योगदान और आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर आदिवासी समाज लांजी के सचिव दुमनलाल घोरमारे, ऋषिकेश घोरमारे, पंचम पंदे, संजीव वाघाड़े, अशोक मस्केाले एवं धर्मेंद्र धारने सहित समाज के अन्य लोग उपस्थित रहे।

सोगलपुर में मनाया जनजातीय गौरव दिवस

बिरसा मुंडा की जयंती पर रमपुरा से सोगलपुर तक निकली रैली

पद्मेश न्यूज। लांजी। धरती आबा क्रांतिवीर अमर शहीद भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं भारतीय संविधान के महत्व को लेकर 15 नवंबर 2026 को ग्राम सोगलपुर में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम का आयोजन सोगलपुर में भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं भारतीय संविधान विषय पर एक दिवसीय विचार संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त बीईओ कालीमाटी लांजी एस.डी. धारने रहे, जबकि अध्यक्षता सोगलपुर के सामाजिक कार्यकर्ता नेतरामजी अविनाशी ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त शिक्षक सेवकराम मेश्राम, प्रमोद भिमटे (बीईओ लांजी), पूर्व सरपंच हीरालाल धारने, सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी भमालाल धारने, सेवानिवृत्त प्राचार्य सदराम धारने, होमेश्वर धोरमारे सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संगोष्ठी में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष एवं बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के शोषण और अत्याचार के विरुद्ध आदिवासी समाज को संगठित कर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ी। उनका संघर्ष आज भी समाज को स्वाभिमान, एकता और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देता है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भारतीय संविधान के प्रति सम्मान एवं उसके मूल्यों की रक्षा करने की शपथ भी ली। साथ ही पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश देते हुए बरगद के पेड़ का पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा के विचारों, संविधान के महत्व, सामाजिक एकता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। आयोजन समिति ने कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले सभी अतिथियों, ग्रामीणजनों, अधिकारी-कर्मचारियों एवं समाज के लोगों का आभार व्यक्त किया।



लांजी में पेट्रोल की किल्लत, मुनाफाखोर उठा रहे फायदा

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर में पिछले दो दिनों से पेट्रोल की किल्लत ने आम नागरिकों की परेशानी बढ़ा दी है। आमगांव रोड स्थित पेट्रोल पंप में स्टॉक खत्म होने से आपूर्ति ठप है, जबकि बालाघाट रोड स्थित पेट्रोल पंप पिछले 6 से 8 माह से बंद पड़ा है। ऐसे में पेट्रोल के लिए वाहन चालकों को भटकना पड़ रहा है। संकट के बीच कथित बिचौलियों द्वारा पेट्रोल 200 रुपये प्रति लीटर तक बेचे जाने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। पेट्रोल की कमी का असर दैनिक कामकाज के लिए दोपहिया वाहनों पर निर्भर लोगों पर सबसे अधिक पड़ रहा है। नगर से लगे ग्राम बिसोनी स्थित पेट्रोल पंप पर पेट्रोल उपलब्ध होने के कारण बड़ी संख्या में बाइक सवार पहुंच रहे हैं। यहां वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं, लेकिन प्रति वाहन मात्र 100 रुपये का पेट्रोल दिया जा रहा है। सीमित मात्रा में ईंधन मिलने से लोगों की परेशानी कम होने के बजाय बढ़ रही है।

किल्लत में मुनाफाखोरी की शिकायत

एक ओर पेट्रोल पंपों पर स्टॉक खत्म होने की स्थिति है, वहीं दूसरी ओर कथित बिचौलियों द्वारा 200 रुपये प्रति लीटर तक पेट्रोल बेचे जाने की जानकारी सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों के पास पेट्रोल उपलब्ध है और वे सामान्य कीमत से कहीं अधिक दाम वसूल रहे हैं। ऐसे में पेट्रोल के स्रोत, भंडारण और बिक्री की जांच जरूरी है। प्रशासनिक निगरानी के अभाव में कालाबाजारी और मुनाफाखोरी की आशंकाएं भी बढ़ रही हैं। नगरवासियों ने प्रशासन से पेट्रोल की नियमित आपूर्ति तत्काल बहाल कराने, बंद पड़े बालाघाट रोड स्थित पेट्रोल पंप को दोबारा शुरू कराने तथा निर्धारित दर से अधिक कीमत पर पेट्रोल बेचने और अवैध भंडारण करने वालों की जांच कर वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है। पेट्रोल की किल्लत से आमजन को राहत दिलाने के लिए संबंधित विभागों का तत्काल हस्तक्षेप जरूरी हो गया है।

शासकीय महाविद्यालय में मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस

बिरसा मुंडा के संघर्ष और बलिदान को किया याद

पद्मेश न्यूज। लांजी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड लांजी के तत्वावधान में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय लांजी में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित एवं पुष्पमाला अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता जन मन गण इंकलाब संघ के अध्यक्ष संजय बाघाडे रहे। साथ ही आदिवासी समाज के उपाध्यक्ष हेतराम चौधरी, शिक्षक राधेश्याम सोनवाने, नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप रामटेकर एवं नवांकुर संस्था से रमेश आसटकर मंचासीन रहे। विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए जनजातीय गौरव दिवस के महत्व और भगवान बिरसा मुंडा के संघर्षों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता संजय बाघाडे ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के शोषण और अत्याचारों के विरुद्ध जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए ऐतिहासिक उलगुलान का नेतृत्व किया। उन्होंने आदिवासी समाज को संगठित कर अधिकारों, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उनका जीवन अन्याय के विरुद्ध लड़ने की प्रेरणा देता है। परामर्शदाता विजय हटीले ने कहा कि बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज को अपनी संस्कृति और मूल पहचान से जोड़ते हुए अपना देश-अपना राज का संदेश दिया। कम आयु में निधन के बावजूद उनके विचार और संघर्ष आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। अन्य वक्ताओं ने भी उनके योगदान को याद करते हुए समाज में शिक्षा, जागरूकता और एकता पर जोर दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के छात्र-छात्राएं, प्रशासंदाता ज्योति शकरपुड़े, अशोक धरते, नीलेश्वर ठकरे तथा नवांकुर संस्था स्पोर्ट एंड स्काउट गाइड आर्गेनाइजेशन के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता विजय हटीले ने किया।



- धान खरीदी की तैयारी के बीच पुराना स्टॉक बना मुसीबत, 23 लाख मीट्रिक टन धान का नहीं हुआ उठाव
- 1 दिसंबर से फिर शुरू होगी खरीदी; 46 लाख मीट्रिक टन नए धान के भंडारण की चुनौती

5000 करोड़ का अनाज गोदामों में कैद

भोपाल। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की नई तैयारी है, लेकिन पिछले साल का धान ही सरकारी गोदामों से बाहर नहीं निकल पाया है। वर्ष 2025-26 में किसानों से खरीदा गया 51.74 लाख मीट्रिक टन धान में से करीब 23 लाख मीट्रिक टन अब भी गोदामों में पड़ा है। करीब 5000 करोड़ रुपए से अधिक कीमत का यह स्टॉक राइस मिलों तक नहीं पहुंच सका है। अब 1 दिसंबर से एक बार फिर धान खरीदी शुरू होने जा रही है। केंद्र ने इस साल 46 लाख मीट्रिक टन खरीदी का लक्ष्य दिया है। ऐसे में सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती किसानों से धान खरीदने के साथ उसके सुरक्षित भंडारण की है।

पिछले साल खरीदे गए कुल धान का 44 फीसदी से अधिक हिस्सा ही उठाव के लिए शेष है। मिलिंग की धीमी रफ्तार ने भंडारण व्यवस्था पर दबाव बढ़ा दिया है। स्थिति यह है कि पुराने स्टॉक को खपाने की चुनौती के बीच नए धान के लिए गोदामों में जगह तलाशनी पड़ रही है। पंजीयन और किसानों के रकबे के आधार



पर इस बार उपार्जन केंद्रों पर करीब 56 लाख मीट्रिक टन धान पहुंचने का अनुमान है। जबकि केंद्र सरकार ने खरीदी का लक्ष्य 46 लाख मीट्रिक टन तय किया है। यानी अनुमानित आवक और निर्धारित लक्ष्य के बीच भी बड़ा अंतर है।

मिलर्स की नाराजगी से अटका सरकारी धान

धान के उठाव में देरी की एक बड़ी वजह राइस मिलर्स और सरकार के बीच भुगतान को लेकर बना गतिरोध है। मिलर्स को समय पर प्रोत्साहन राशि नहीं मिलने और अपग्रेडेशन राशि की लेकर लगातार परेशानी के कारण मिलिंग की प्रक्रिया प्रभावित हुई। नतीजतन सरकारी गोदामों से धान का उठाव अपेक्षित गति से नहीं हो पाया। राज्य सरकार मिलिंग पर राइस मिलर्स को 50 रुपए प्रति क्विंटल प्रोत्साहन राशि देती है। इसके अलावा मिलिंग के बाद चावल को एफसीआई के गोदामों तक समय पर पहुंचने पर अतिरिक्त राशि का प्रावधान है। भुगतान संबंधी समस्याओं के चलते मिलर्स ने धान उठाने में रुचि नहीं दिखाई। इसका असर अब नई खरीदी की तैयारियों पर दिखाई दे रहा है।

32 जिलों में 1436 केंद्रों पर खरीदी

प्रदेश के 24 धान उत्पादक जिलों सहित कुल 32 जिलों के 1436 उपार्जन केंद्रों पर 1 दिसंबर से 20 जनवरी तक खरीदी प्रस्तावित है। किसानों के पंजीयन और रकबे के हिसाब से 56 लाख मीट्रिक टन तक धान आने का अनुमान है। ऐसे में 46 लाख मीट्रिक टन के केंद्रीय लक्ष्य के साथ खरीदी और भंडारण का पूरा गणित चुनौतीपूर्ण हो गया है। सरकार के सामने दोहरी मुश्किल है। एक ओर पुराने धान की मिलिंग और उठाव पूरा कराना है, दूसरी ओर नई उपज के लिए पर्याप्त भंडारण क्षमता जुटानी है। यदि मिलिंग की गति नहीं बढ़ी तो नए स्टॉक के लिए भी गोदामों और ओपन कैप पर निर्भरता बढ़ेगी।

पड़ोसी जिलों में भंडारण का विकल्प तलाशा

एमपी स्टेट सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन के एमडी अनुराग वर्मा के अनुसार, वर्तमान में करीब 23 लाख मीट्रिक टन धान गोदामों में रखा है। मिलर्स अब धान का उठाव कर रहे हैं और खरीदी शुरू होने तक करीब 3 से 4 लाख मीट्रिक टन धान मिलों तक पहुंचने की उम्मीद है। नए धान के भंडारण के लिए ओपन कैप के साथ पड़ोसी जिलों के गोदामों का विकल्प भी तैयार किया गया है। इसके लिए जरूरी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। हालांकि, दूसरे जिलों में धान भेजने से परिवहन के साथ लोडिंग और अनलोडिंग पर अतिरिक्त खर्च भी बढ़ेगा। इस तरह नई खरीदी से पहले ही सरकार के सामने पुराने स्टॉक को निकालने और नए अनाज के लिए जगह बनाने की चुनौती खड़ी हो गई है। किसानों से उपज खरीदने की व्यवस्था तो तैयार है, लेकिन खरीदे गए धान को समय पर मिलिंग तक पहुंचाने और उसके भंडारण का इंतजाम ही इस बार असली परीक्षा साबित होगा।

26 नवंबर को भोपाल में भाजपा के वोट चोरी, भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ कांग्रेस का विशाल मार्च-जीतू पटवारी

भोपाल। आगामी 26 नवंबर को भोपाल में भारतीय जनता पार्टी की वोट चोरी, भ्रष्टाचार और प्रदेश में व्याप्त अराजकता के खिलाफ कांग्रेस विशाल मार्च आयोजित करने की तैयारियां की जा रही हैं। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि इस मार्च के माध्यम से भाजपा सरकार के खिलाफ जनआक्रोश को बुलंद किया जाएगा और प्रदेश की जनता से जुड़े मुद्दों को व्यापक स्तर पर उठाया जाएगा।



श्री पटवारी ने कहा कि इस आयोजन को लेकर पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। प्रदेश के सभी कांग्रेस पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों, विधायकों, स्थानीय निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के साथियों से अधिक से अधिक संख्या में भोपाल पहुंचने का आह्वान किया गया है।

श्री पटवारी ने कहा कि हमारा लक्ष्य 26 नवंबर को भोपाल में एक लाख से अधिक लोगों को एकत्रित करना है, ताकि भाजपा के कुचक्र, वोट चोरी, भ्रष्टाचार और प्रदेश में बढ़ती अराजकता के मुद्दे को आम जनता से सीधे जोड़ा जा सके। यह केवल कांग्रेस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रदेश के लोकतंत्र, जन अधिकारों और जनता की आशाओं को बुलंद करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों को सहभागिता से इस मार्च को ऐतिहासिक बनाया जाएगा। भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों और लोकतांत्रिक मूल्यों पर हो रहे हमलों के खिलाफ कांग्रेस पूरी ताकत के साथ जनता के बीच जाएगी।

आशीष पाराशर/15/11/2026

नशे का नेटवर्क बेखौफ, एजेंसियां करती रहीं इंतजार!

- बसों से लेकर पलाइट तक तस्करों का रास्ता साफ, अंतरराज्यीय सिंडिकेट तक पहुंचने में नाकाम खुफिया तंत्र

ड्रग्स की बरामदगी हो चुकी है। वर्ष 2024 में गुजरात पुलिस ने भोपाल में एमडी ड्रग बनाने का कारखाना पकड़ा था। इन घटनाओं से साफ है कि प्रदेश केवल नशे की खपत



का केंद्र नहीं, बल्कि तस्करी और ड्रग निर्माण से जुड़े नेटवर्क की गतिविधियों के दायरे में भी आ रहा है।

पांच राज्यों के डीजीपी की बैठक भी बेअसर

ड्रग्स तस्करी का नेटवर्क एक राज्य तक सीमित नहीं है। यही वजह है कि सात अगस्त को इंदौर में पश्चिम क्षेत्र के पांच राज्यों के पुलिस महानिदेशकों की बैठक में अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क पर संयुक्त कार्रवाई की जरूरत उठाई गई थी। बैठक में मध्य प्रदेश के साथ राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा के डीजीपी शामिल हुए थे। मकसद राज्यों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान बढ़ाना और तस्करों के नेटवर्क पर साझा कार्रवाई करना था। इसके बावजूद लगातार सामने आ रहे मामले बताते हैं कि समन्वय की जमीन पर प्रभावी कार्रवाई में बदलना अभी बाकी है।

खुफिया तंत्र की कमजोरी बन रही सबसे बड़ी चुनौती

तस्करी के लगातार सामने आ रहे मामलों के बीच पुलिस के खुफिया तंत्र की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। खेप दूसरे राज्यों से चलकर बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और शहरों तक पहुंच जाती है, लेकिन स्थानीय स्तर पर समय रहते इसकी जानकारी नहीं मिल पाती। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी अरुण गुर्टू के मुताबिक, केवल ड्रग्स तस्करी ही नहीं, दूसरे मामलों में भी पुलिस का खुफिया तंत्र कमजोर पड़ रहा है। इसे मजबूत करने के लिए सरकार को बजट और पुलिस बल बढ़ाने की जरूरत है। वहीं, एडीजी नारकोटिक्स डी. श्रीनिवास वर्मा का कहना है कि राज्यों के बीच समन्वय बढ़ाया गया है और सूचनाएं नियमित रूप से साझा की जा रही हैं।

असली चुनौती सप्लाई चेन तोड़ने की

मध्य प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए केवल जब्ती और गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं होगी। जरूरत इस बात की है कि खेप भेजने वाले, उसे रास्ते में संभालने वाले, स्थानीय स्तर पर वितरण करने वाले और इसके पीछे वित्तीय मदद देने वाले पूरे नेटवर्क की पहचान हो। जब तक दूसरे राज्यों से आने वाली सप्लाई चेन पर प्रभावी प्रहार नहीं होगा, तब तक अलग-अलग शहरों में पकड़ी जा रही खेपें महज तात्कालिक कार्रवाई बनकर रह जाएंगी।

जमीन-मकान के रेट नए सिरे से होंगे तय

- नई कलेक्टर गाइडलाइन की तैयारी शुरू, विकास परियोजनाओं के हिसाब से बढ़ेंगी गाइडलाइन दरें
- 2027-28 में बदलेंगी जमीन-मकानों की तस्करी दरें, बाजार भाव और प्रस्तावित विकास परियोजनाओं के आधार पर होगा मूल्यांकन; 30 जनवरी तक सामने आएंगे नए रेट

भोपाल । भोपाल समेत पूरे प्रदेश में जमीन, प्लॉट या मकान खरीदने की तैयारी कर रहे लोगों के लिए अगले वित्तीय वर्ष में रजिस्ट्री का गणित बदल सकता है। वर्ष 2027-28 की नई कलेक्टर गाइडलाइन तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस बार संपत्तियों की सरकारी कीमत तय करने में सिर्फ मौजूदा बाजार भाव ही नहीं, बल्कि क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों और भविष्य की प्रस्तावित परियोजनाओं को भी आधार बनाया जाएगा। ऐसे में जिन इलाकों में विकास की संभावनाएं अधिक हैं, वहां संपत्तियों की गाइडलाइन दरें में बदलाव हो सकता है। पंजीयन विभाग ने प्रदेशभर के कलेक्टरों और जिला पंजीयकों को नई गाइडलाइन तैयार करने के लिए समय-सीमा जारी कर दी है। इसका उद्देश्य सरकारी दरों को बाजार में प्रचलित वास्तविक कीमतों के करीब लाना है। संपदा पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के साथ बाजार भाव का आकलन कर नई दरों का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।

नई कलेक्टर गाइडलाइन तैयार करने के लिए विभाग ने चरणबद्ध कार्यक्रम तय किया है। उप जिला मूल्यांकन समितियों को 15 जनवरी तक अपने प्रस्ताव जिला मूल्यांकन समिति के पास भेजने होंगे। जिला मूल्यांकन समिति 30 जनवरी तक इन प्रस्तावों की समीक्षा करेगी। इसके बाद प्रस्तावित दरें आम लोगों के सामने रखी जाएंगी, ताकि संपत्ति मालिक और खरीदार अपनी आपत्तियां और सुझाव दे सकें। आपत्तियों और सुझावों पर विचार करने के बाद 15 फरवरी तक प्रस्ताव केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजे जाएंगे। बोर्ड की मंजूरी के बाद 31 मार्च तक नई गाइडलाइन जारी करने का लक्ष्य है। नई दरें एक अप्रैल 2027 से लागू होंगी।

बाजार भाव के साथ भविष्य के विकास पर भी नजर

इस बार गाइडलाइन तैयार करने में उन इलाकों को भी महत्व दिया जाएगा, जहां जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है या आगामी वित्तीय वर्ष में अधिग्रहण की संभावना है। प्रस्तावित विकास परियोजनाओं के कारण भविष्य में जमीन की कीमतों में होने वाली संभावित वृद्धि का आकलन भी किया जाएगा। इसका असर उन क्षेत्रों पर पड़ सकता है, जहां नई सड़कें, आवासीय परियोजनाएं या अन्य विकास गतिविधियां प्रस्तावित हैं। हालांकि, दरों में वृद्धि या कमी का फैसला संबंधित क्षेत्र के वास्तविक बाजार भाव और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर ही किया जाएगा।

नई कॉलोनियों और लोकेशन को भी मिलेगा स्थान

नई कॉलोनियों और विकसित हो रही लोकेशन को कलेक्टर गाइडलाइन में शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए संबंधित कॉलोनाइजरों और विभागों को जरूरी अनुमतियां और दस्तावेजी प्रमाण उपलब्ध कराने होंगे। प्लॉट की दरें निर्धारित करते समय निर्माण लागत को भी ध्यान में रखा जाएगा, ताकि निर्मित मकानों और अन्य संपत्तियों का मूल्यांकन तर्कसंगत तरीके से हो सके।

इस बार प्रस्तावित दरों को सार्वजनिक करने के लिए संपदा सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाएगा। जिला स्तर पर प्रस्तावित गाइडलाइन को जिले की वेबसाइट पर पीडीएफ के रूप में अपलोड करना अनिवार्य होगा।

नियमित पदों पर नहीं होगी आउटसोर्स कर्मचारियों की तैनाती

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन ने विभागों में नियमित पदों (स्थायी एवं अस्थायी) पर आउटसोर्सिंग के माध्यम से ली जा रही सेवाओं को लेकर बड़े प्रशासनिक बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की उप सचिव किरण गुप्ता ने वित्त विभाग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए 31 मार्च 2027 तक आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। इस आदेश के अनुसार, जिन विभागों में रिक्त नियमित पदों के विरुद्ध वित्त विभाग की सहमति से सीमित समय के लिए आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को रखा गया है, वहां चतुर्थ श्रेणी के पदों को छोड़कर शेष सभी आउटसोर्सिंग नियोजन मार्च 2027 से पहले समाप्त कर दिए जाएंगे। इन समाप्त किए गए आउटसोर्सिंग नियोजनों के स्थान पर वित्त विभाग के 18 नवंबर 2024 के परिपत्र के तहत आवश्यकतानुसार नियमित पदों की पूर्ति की जाएगी। हालांकि, आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी विशेष परिस्थिति में आउटसोर्सिंग व्यक्तियों की सेवाओं को मार्च 2027 के बाद भी निरंतर रखना अनिवार्य होता है, तो संबंधित श्रेणी के नियमित पदों को समाप्त कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि राज्य शासन में नियमित पदों के विरुद्ध आउटसोर्सिंग के माध्यम से भर्ती करने पर पहले से ही रोक का प्रावधान है। पूर्व में सामान्य प्रशासन विभाग और वित्त विभाग ने यह स्पष्ट व्यवस्था दी थी कि नियमित स्वीकृत पदों के विरुद्ध आउटसोर्स या सविदा कर्मी पदस्थ नहीं किए जाएंगे। इसके अलावा, 22 दिसंबर 2025 को राज्य शासन द्वारा जारी पद-संरचना संबंधी दिशा-निर्देशों में भी यह तय किया गया था कि आउटसोर्स पर व्यक्तियों को रखने के लिए अलग से पद सृजित नहीं किए जाएंगे।

ई-अटेंडेंस से वेतन कटौती की तैयारी, शिक्षकों में आक्रोश

- ऐप की हाजिरी को भुगतान से जोड़ने की तैयारी का विरोध, शिक्षक संगठनों ने दी सामूहिक बहिष्कार की चेतावनी

भोपाल। मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में ई-अटेंडेंस व्यवस्था को लेकर शिक्षकों और सरकार के बीच टकराव बढ़ने के आसार हैं। अब तक शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने तक सीमित रहे हमारे शिक्षक ऐप को वेतन भुगतान से जोड़ने की तैयारी ने शिक्षक संगठनों की चिंता बढ़ा दी है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत ऐप पर दर्ज उपस्थिति के आधार पर वेतन की गणना और भुगतान किया जा सकता है। इससे समय पर डिजिटल हाजिरी दर्ज नहीं होने की स्थिति में वेतन कटौती की आशंका है।

शिक्षक संगठनों ने इस संभावित व्यवस्था का विरोध शुरू कर दिया है। राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के संयोजक जगदीश यादव ने चेतावनी दी है कि यदि ई-अटेंडेंस को सीधे वेतन भुगतान से जोड़ा गया और देरी से हाजिरी दर्ज होने पर स्वतः वेतन काटा गया, तो प्रदेशभर के शिक्षक सामूहिक रूप से ऐप अनइंस्टॉल कर उसका बहिष्कार करेंगे।

सर्वर डाउन हुआ तो शिक्षक मुलर्तेंगे खामियाजा

शिक्षक संगठनों का तर्क है कि ई-अटेंडेंस व्यवस्था अभी तकनीकी और व्यावहारिक समस्याओं से मुक्त नहीं है। कई ग्रामीण इलाकों में नेटवर्क की समस्या रहती है। कहीं सर्वर उपलब्ध नहीं होता तो कहीं ऐप ठीक से काम नहीं करता। ऐसे में शिक्षक समय पर स्कूल पहुंचने के बावजूद ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं कर पाते। संगठनों का सवाल है कि जब हाजिरी दर्ज नहीं होने की वजह तकनीकी खामी हो, तो इसकी सजा शिक्षक को वेतन कटौती के रूप में कैसे दी जा सकती है?

शासकीय इयूटी भी बन सकती है परेशानी

शिक्षकों के मुताबिक उनकी



जिम्मेदारी केवल कक्षा में पढ़ाने तक सीमित नहीं है। जनगणना, निर्वाचन और दूसरे शासकीय गैर-शैक्षणिक कार्यों में भी उनकी ड्यूटी लगाई जाती है। इसके अलावा आकस्मिक परिस्थितियों और पारिवारिक-सामाजिक दायित्व भी हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में स्कूल पहुंचने या ऐप पर उपस्थिति दर्ज करने में देरी संभव है। संगठनों का कहना है कि इन सभी परिस्थितियों को नजरअंदाज कर केवल ऐप की रिपोर्ट के आधार पर वेतन तय करना व्यावहारिक नहीं होगा।

बिना सुनवाई कटौती पर आपत्ति

जगदीश यादव ने कहा कि किसी शिक्षक की उपस्थिति को लेकर संदेह या विसंगति होने पर पहले उसका पक्ष सुना जाना चाहिए। तकनीकी त्रुटि, नेटवर्क समस्या या किसी विशेष परिस्थिति को जांच किए बिना स्वतः-वेतन कटौती करना अनुचित होगा। उनके मुताबिक, ऐसी व्यवस्था से प्रदेश के हजारों शिक्षक परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि डिजिटल उपस्थिति को अनुशासन और जवाबदेही का माध्यम बनाया जा सकता है, लेकिन इसे आर्थिक दंड का स्वचालित सिस्टम नहीं बनाया जाना चाहिए। किसी ऐप को तकनीकी रिपोर्ट को शिक्षक की वास्तविक उपस्थिति और कार्य के बराबर नहीं माना जा सकता।

ई-अटेंडेंस स्वैच्छिक रखने की मांग

शिक्षक संगठनों ने शासन से मांग की है कि ई-अटेंडेंस को पूरी तरह स्वैच्छिक रखा जाए और इसे वेतन भुगतान से नहीं जोड़ा जाए। उनका कहना है कि शिक्षक की कार्यक्षमता का आकलन विद्यार्थियों की पढ़ाई, शैक्षणिक परिणाम और स्कूल में उसके वास्तविक योगदान के आधार पर होना चाहिए। मोर्चा संयोजक ने स्पष्ट किया कि शिक्षक जवाबदेही और अनुशासन के विरोधी नहीं हैं, लेकिन तकनीकी अव्यवस्था का आर्थिक बोझ उठाने को तैयार नहीं हैं। यदि उनकी आपत्तियों को दरकिनार कर एकतरफा फैसला लागू किया गया तो प्रदेशव्यापी विरोध के साथ ऐप के सामूहिक बहिष्कार का रास्ता अपनाया जाएगा।

अब निगाह शासन के अगले कदम पर

ई-अटेंडेंस को वेतन भुगतान से जोड़ने की तैयारी ने एक बार फिर डिजिटल निगरानी बनाम शिक्षक हितों की बहस खड़ी कर दी है। सरकार के सामने चुनौती ऐसी व्यवस्था लागू करने की है, जिसमें उपस्थिति की पारदर्शिता भी बनी रहे और नेटवर्क, सर्वर या अन्य तकनीकी कारणों से किसी शिक्षक का वेतन भी प्रभावित न हो। फिलहाल शिक्षक संगठनों की चेतावनी के बाद इस मुद्दे पर शासन के रुख का इंतजार है।

सिक्सलेन की जगह बनेगा फोरलेन; लंबाई घटने से बचेंगे 1200 करोड़

भोपाल। चंबल अंचल की तस्वीर बदलने का सपना दिखाने वाले अटल प्रोग्रेस-वे पर सरकार ने एक बार फिर अपनी रणनीति बदल दी है। जिस परियोजना को कभी सिक्सलेन एक्सप्रेस-वे के रूप में विकसित करने की तैयारी थी, अब उसे फोरलेन तक सीमित किया जा रहा है। इतना ही नहीं, राजस्थान में इसके प्रवेश और निकास का रास्ता भी बदल दिया गया है। कोटा तक पहुंचने वाले पुराने प्रस्ताव की जगह अब इसे सवाई माधोपुर के पास लवान में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से जोड़ने की योजना है।

इस बदलाव के पीछे दो बड़े मकसद नजर आ रहे हैं। पहला, परियोजना की लंबाई और निर्माण लागत कम करना और दूसरा, जमीन अधिग्रहण तथा मुआवजे से जुड़ी पुरानी अड़चनों को कम करके निर्माण का रास्ता खोलना। नए अलाइनमेंट से करीब 35 से 40 किलोमीटर लंबाई घटने और लगभग 1200 करोड़ रुपए बचने का अनुमान है।

तीन बार बदला रूट, अब लागत घटाने पर जोर

अटल प्रोग्रेस-वे की परिकल्पना चंबल क्षेत्र को बेहतर सड़क कनेक्टिविटी देकर आर्थिक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से की गई थी। इसके जरिए मध्यप्रदेश के श्योपुर, मुरैना और भिंड सहित चंबल अंचल को राजस्थान और उत्तर भारत के बड़े परिवहन नेटवर्क से जोड़ने की योजना है। लेकिन परियोजना की राह शुरुआत से आसान नहीं रही। कभी जमीन अधिग्रहण और मुआवजे का विवाद सामने आया तो कभी अलाइनमेंट में बदलाव की जरूरत बताई गई। अब तीसरी बार रूट में संशोधन किया जा रहा है। नए प्रस्ताव में कोटा को जगह लवान को कनेक्टिविटी का केंद्र बनाया गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव के निर्देश पर एनएचएआई ने संशोधित अलाइनमेंट की डीपीआर तैयार कर केंद्र सरकार को भेज दी है। अब दिल्ली में होने वाली बैठक में इस पर अंतिम फैसला होना है।

सिक्सलेन से फोरलेन- प्राथमिकता बदली या बजट की मजबूरी?

परियोजना में सबसे बड़ा बदलाव इसकी चौड़ाई को लेकर है। पहले इसे सिक्सलेन बनाने की योजना थी, लेकिन अब फोरलेन निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया है। यह बदलाव केवल सड़क की चौड़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि परियोजना की लागत, जमीन की जरूरत और भविष्य की यातायात क्षमता को भी प्रभावित करेगा। फोरलेन करने से शुरुआती निर्माण लागत कम होगी। साथ ही सड़क के लिए कम जमीन की जरूरत पड़ सकती है। हालांकि, चंबल क्षेत्र में भविष्य के औद्योगिक और व्यावसायिक विस्तार को देखते हुए यह सवाल भी महत्वपूर्ण होगा कि क्या फोरलेन व्यवस्था लंबे समय तक यातायात का दबाव संभाल पाएगी।

किसानों के मुआवजे का विवाद बना था सबसे बड़ी बाधा

अटल प्रोग्रेस-वे का निर्माण वर्ष 2022 में जमीन अधिग्रहण और मुआवजे के विवाद के कारण अटक गया था। किसान जमीन के बदले दोगुने मुआवजे के बजाय चार गुना मुआवजे की मांग कर रहे थे। इस विवाद के चलते परियोजना की रफ्तार थम गई। अब प्रदेश सरकार के संशोधित प्रावधानों से ग्रामीण क्षेत्रों में चार गुना तक मुआवजा मिलने का रास्ता साफ हुआ है। इससे जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, नए अलाइनमेंट के कारण किन गांवों की जमीन प्रभावित होगी और कितनी जमीन की जरूरत पड़ेगी, यह संशोधित डीपीआर तथा अधिग्रहण प्रक्रिया के बाद स्पष्ट होगा।

1200 करोड़ की बचत, लेकिन असली परीक्षा निर्माण शुरू होने की

पुराने प्रस्ताव में 414 किलोमीटर लंबे प्रोग्रेस-वे के लिए करीब 2200 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहित की जानी थी। परियोजना में 22 बड़े और 225 छोटे पुलों के अलावा चार रेलवे ओवरब्रिज बनाने की योजना थी। अब रूट और चौड़ाई में बदलाव से जमीन की जरूरत और निर्माण संरचनाओं की संख्या में भी परिवर्तन संभव है। एनएचएआई के अनुसार संशोधित प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेज दिया गया है। मंजूरी मिलने के बाद निर्माण के लिए टेंडर आमंत्रित किए जाएंगे। इस तरह अटल प्रोग्रेस-वे अब केवल सड़क निर्माण की परियोजना नहीं रह गया है, बल्कि लागत, जमीन, मुआवजे और कनेक्टिविटी के बीच संतुलन बनाने की कवायद बन गया है। सरकार के सामने चुनौती सिर्फ 1200 करोड़ रुपए बचाने की नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की भी है कि बार-बार बदलते अलाइनमेंट के बाद परियोजना जमीन पर उतर सके।

भारतीय टीम ने पांचवे एकदिवसीय में न्यूजीलैंड को 22 रनों से हराकर 3-1 से सीरीज जीती

अर्शदीप ओर सिराज ने किया ऑलराउंड प्रदर्शन

माउंट माउंगनुई। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये पांचवे और अंतिम एकदिवसीय मैच में मेजबान न्यूजीलैंड को 22 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज 3-1 से जीत ली है। भारतीय टीम ने सीरीज का पहला और दूसरा मैच जीता था। वहीं तीसरा बारिश के कारण रद्द हो गया। चौथा मैच मेजबान टीम ने जीता था। इस मैच में भारतीय टीम की जीत में गेंदबाजों विशेष रुप से अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज की अहम भूमिका रही। अर्शदीप और सिराज ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए अंतिम ओवरों में जहां तेजी से बल्लेबाजी करते हुए, 14-14 रन बनाकर भारतीय टीम को 200 के पार पहुंचाया। वहीं इसके बाद 3 और 2 विकेट लेकर मेजबान टीम की बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। इनके अलावा आकिब नबी, यश ठाकुर और नमन धीर ने एक-एक विकेट लिया।



आज सुबह मेजबान टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय बल्लेबाज कोवी गेंदबाजी के साथ असफल रहे और पूरी टीम 42.1 ओवरों में ही केवल 209 रनों पर सिमट गयी। इस प्रकार मेजबान टीम को जीत के लिए 210 रनों का लक्ष्य मिला पर भारतीय गेंदबाजों के सामने मेजबान कीवी टीम के बल्लेबाज टिक नहीं पाये और पूरी टीम 48.1 ओवर में ही 187 रनों पर आउट हो गयी। इस प्रकार भारतीय टीम मैच के साथ ही सीरीज भी जीत गयी। इस प्रकार न्यूजीलैंड टीम सात साल के बाद अपने धरती पर कोई एकदिवसीय सीरीज हारी है।

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसका कोई भी बल्लेबाज। भारतीय गेंदबाजों के सामने ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सका। केवल डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने 31 रन बनाए। इसके अलावा, विल यंग 22, निक केली 24 और कप्तान मिचेल सैंटनर 24 रन ही बना सके। छठे ओवर में ही तेज गेंदबाज सिराज ने टिम सीफर्ट को 14 रन पर पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद विल यंग और निक केली ने दूसरे विकेट के लिए 38 रन बनाये। अर्शदीप ने यंग को 22 रन पर ही आउट कर कीवी टीम का दूसरा विकेट गिरा दिया। इसके बाद अर्शदीप ने केली को भी 24 रनों के निजी स्कोर पर आउट कर दिया।

सिराज ने इसके बाद फिन एलन को 1 रन पर आउट कर मेजबान टीम को झटका दिया। एलन के आउट होने के समय न्यूजीलैंड ने 90 रनों के अंदर ही 4 विकेट गंवा दिये। इसके बाद माइकल ब्रेसवेल भी 19 रन बनाकर आउट हो गये। फॉक्सक्रॉफ्ट ने 31 रन बनाकर संघर्ष किया। नमन धीर ने मिचेल सैंटनर को आउट कर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। सैंटनर 24 रन ही बना पाये। इसके बाद अर्शदीप ने क्रिस्टियन क्लार्क को भी 16 रनों पर ही आउट कर दिया। अक्षर पटेल ने जैकब डफी को विराट कोहली के हाथों कैच आउट कराकर भारत को जीत के करीब पहुंचाया। वहीं ब्लेयर टिकनर के आउट होते ही भारतीय टीम सीरीज जीत गयी।

वहीं इससे पहले भारतीय टीम बल्लेबाजी में विफल रही। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा सात और विराट कोहली सिर्फ पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए। रुतुराज गायकवाड़ भी 18 रन ही बना सके। भारत ने 34 रन तक अपने तीन विकेट खो दिए थे। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने 22 रन बनाए, जबकि अक्षर पटेल और ईशान किशन ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 35 और छठे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी की। अक्षर और ईशान ने 46-46 रन बनाए। हालांकि, दोनों के आउट होने के बाद भारतीय बल्लेबाजी धवस्त हो गई। केवल नमन धीर ही 22 रन बना पाये। नाबाद 14 रन बनाए, जबकि अर्शदीप ने सिर्फ चार गेंद में दो छक्कों की मदद से 14 रन जोड़े। वहीं अंतिम ओवरों में मोहम्मद सिराज ने तेजी से एक छक्का और एक चौका लगाकर 14 रन जोड़े। दूसरी ओर न्यूजीलैंड की ओर से जैकब डफी और मिचेल सैंटनर ने तीन-तीन विकेट लिए। मैट फिशर को दो विकेट मिले।

न्यूजीलैंड ने मैत्री फुटबॉल मुकाबले में भारतीय टीम को 3-0 से हराया

क्राइस्टचर्च। मेजबान न्यूजीलैंड ने यहां खेले गये एक मैत्री मुकाबले में भारतीय फुटबॉल टीम को 3-0 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम लय में नहीं दिखी और पूरे समय मेजबान टीम हावी रही। भारतीय रक्षापंक्ति का कमजोर प्रदर्शन भी उसकी हार का कारण रहा। भारतीय टीम इस मैच में एक भी गोल नहीं कर पायी। मैच की शुरुआत में भारतीय टीम ने कुछ हद तक मेजबान टीम की रोका पर कुछ समके बाद कीवी खिलाड़ियों को गेंद पर नियंत्रण हो गया। मैच के 22वें मिनट में मेजबान टीम ने पहला गोल कर बहुत हासिल की। फिन सुरमन ने एक कॉर्नर किक पर शानदार हेडर लगाया। आकाश मिश्रा से टकराकर गोलपोस्ट में चला गया। इस आत्मघाती गोल से मेजबानों को 1-0 की महत्वपूर्ण बढ़त मिल गयी।



एक गोल होने दागने के बाद न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास काफी ऊपर पहुंच गया और उन्होंने भारतीय रक्षा पंक्ति पर दबाव बना दिया। 40वें मिनट में न्यूजीलैंड ने एक और गोल कर अपनी बढ़त 2-0 कर दी, जेम्स मैकग्रिरी ने एक जोरदार और सटीक शॉट लगाकर ये गोल किया। इससे स्कोर 2-0 हो गया। पहले हाफ के खत्म होने से ठीक पहले, कप्तान क्रिस वुड ने जेसी रैंडल से मिले एक शानदार पास पर गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। इसके बाद मेजबान टीम हावी हो गयी। वहीं दूसरे हाफ में भारतीय टीम ने अपनी रक्षात्मक रणनीति में सुधार करते हुए न्यूजीलैंड के आक्रमण को मजबूती से रोका जिसके परिणामस्वरूप इस हाफ में मेजबान टीम कोई अतिरिक्त गोल नहीं कर सकी। हालांकि, भारतीय टीम के आक्रामक खेल में अपेक्षित तीव्रता और तालमेल की कमी साफ दिखाई दे रही थी। टीम ने गोल करने के कुछ मौके जरूर बनाए पर वह न्यूजीलैंड की मजबूत रक्षापंक्ति को नहीं भेद पायी।

लक्ष्य ने जापान मास्टर्स 2026 बैडमिंटन खिताब जीता

टोक्यो। भारत के लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान मास्टर्स 2026 खिताब जीता है। लक्ष्य ने फाइनल मुकाबले में जापान के विश्व के 15 वें नंबर-के खिलाड़ी कोकी वतानाबे को एक रोमांचक मुकाबले में हरा दिया। लक्ष्य ने पहला गेम हारने के बाद भी जबरदस्त वापसी करते हुए अगले दो गेम लगातार दूसरा बड़ा खिताब अपने नाम किया है। इससे पहले उन्होंने हाइलो ओपन खिताब भी जीता था। लक्ष्य ने खिताबी मुकाबले में स्थानीय खिलाड़ी कोकी वतानाबे को मुकाबला लगभग 1 घंटे 4 मिनट तक चले मुकाबले में 13-21, 21-18, 21-14 से हराया। यह जीत लक्ष्य की निरंतर मेहनत, धैर्य और खेल कौशल का उत्कृष्ट उदाहरण रही, जिसने भारतीय बैडमिंटन प्रेमियों को जश्न मनाने का एक और अवसर प्रदान किया। मुकाबले की शुरुआत लक्ष्य के लिए कुछ खास नहीं रही। वतानाबे ने आक्रामक रणनीति अपनाते हुए पहले गेम में पूरी तरह से दबदबा बनाया। उन्होंने लगातार बेहतरीन शॉट्स खेले और लक्ष्य को संभलने का मौका न देते हुए पहला गेम 21-13 के बड़े अंतर से अपने नाम कर लिया। इस हार के बाद भी लक्ष्य ने अपना धैर्य नहीं खोया। उन्होंने अपनी रणनीति में बदलाव किया और दूसरे गेम में जबरदस्त वापसी की। अपनी सटीक प्लेसिंग और संयमित खेल का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने दूसरा गेम 21-18 से जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया, जिससे उनके आत्मविश्वास में काफी वृद्धि हुई। दूसरे गेम में मिली जीत से उत्साहित लक्ष्य ने निर्णायक गेम में शुरुआत से ही वतानाबे पर दबाव बनाए रखा। लक्ष्य ने लगातार शानदार स्मैश और ड्रॉप शॉट्स का इस्तेमाल करते हुए एक समय 17-7 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी, जिससे वतानाबे के लिए वापसी करना लगभग नामुमकिन हो गया।

स्वितोलिना और एंड्रीवा के बीच डब्ल्यूटीए फाइनल्स में होगा खिताबी मुकाबला

इंडियनवेल्स। यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना और रूस की मिरां एंड्रीवा के बीच यहां डब्ल्यूटीए टेनिस फाइनल्स 2026 का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले हुए सेमीफाइनल में दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले आसानी से जीते। 32 साल की स्वितोलिना ने पहले सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा को एकतरफा अंदाज में हराया। केवल 65 मिनट चले इस मुकाबले में स्वितोलिना ने 6-2, 6-1 से सीधे सेटों में जीत हासिल की। शुरुआत से ही उन्होंने कोर्ट पर अपनी पकड़ बनाए रखी और नोस्कोवा को वापसी का कोई अवसर नहीं दिया, जिससे उनकी जीत पक्की हो गयी। स्वितोलिना ने शानदार फोरहैंड और सटीक सर्विस के बल पर पूरे मैच में अपनी विरोधी पर दबाव बनाए रखा।

वहीं दूसरी ओर 19 साल की युवा एंड्रीवा ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए । अमेरिका की जेसिका पेगुला को 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनायी। इस साल की फ्रेंच ओपन विजेता एंड्रीवा का प्रयास अब एक और खिताब जीतना रहेगा। फाइनल में पहुंचकर 32 वर्षीय स्वितोलिना ने एक खास रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह 2017 में वीनस विलियम्स के बाद डब्ल्यूटीए फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अतिरिक्त, वह 32 साल की उम्र के बाद इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली चौथी महिला खिलाड़ी हैं। उनसे पहले केवल मार्टिना नवरातिलोवा, सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स जैसी दिग्गज ही यह उपलब्धि हासिल कर पाई हैं, जो स्वितोलिना की शानदार वापसी और निरंतरता को दर्शाता है। वहीं अब सबकी नजरें इन दोनों के बीच होने वाले खिताबी मुकाबले पर लगी हैं।

लसिथ मलिंगा के नाम दो बार यह कारनामा करने का अनूठा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। क्रिकेट के सबसे बड़े टूर्नामेंट, वनडे वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेना किसी भी गेंदबाज के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। वर्ल्ड कप के इतिहास में कई दिग्गज गेंदबाजों ने लगातार तीन गेंदों पर तीन विकेट लेकर अपनी छाप छोड़ी है, लेकिन श्रीलंका के तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने वर्ल्ड कप में दो बार हैट्रिक लेकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराया है। दिलचस्प बात यह है कि वर्ल्ड कप में अब तक कुल 11 हैट्रिक दर्ज हुई हैं, लेकिन कोई दूसरा गेंदबाज इस कारनामे को दोहराने में कामयाब नहीं हो सका। वनडे वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेने वाले पहले खिलाड़ी भारत के पूर्व तेज गेंदबाज चेतन शर्मा थे। उन्होंने 31 अक्टूबर 1987 को नागपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में यह उपलब्धि हासिल की थी। चेतन शर्मा ने न्यूजीलैंड की पारी के दौरान केन रदरफोर्ड, इयान स्मिथ और इवेन चैटफील्ड को लगातार तीन गेंदों पर आउट किया था। उनके बाद पाकिस्तान के सकलैन मुश्ताक ने 1999 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ और श्रीलंका के चमिंडा वास ने 2003 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ हैट्रिक ली। 2003 वर्ल्ड कप में ही ऑस्ट्रेलिया के ब्रेट ली ने केन्या के खिलाफ हैट्रिक लेकर इस सूची में अपना नाम दर्ज कराया।



लसिथ मलिंगा ने अपनी पहली वर्ल्ड कप हैट्रिक 2007 वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ली थी, जब उन्होंने जॉन पोलॉक, एंड्रयू हॉल और जैक कैलिस को लगातार तीन गेंदों पर आउट किया था। हालांकि, मलिंगा यहीं नहीं रुके, उन्होंने चार साल बाद एक बार फिर वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेकर इतिहास रच दिया। 1 मार्च 2011 को केन्या के खिलाफ कोलंबो में उन्होंने दूसरी बार लगातार तीन गेंदों पर तीन विकेट हासिल किए, जिसमें तन्मय मिश्रा, पीटर ओंगोंडो और शेम नग्रोचे उनके शिकार बने। इस तरह, लसिथ मलिंगा वनडे वर्ल्ड कप के इतिहास में दो बार हैट्रिक लेने वाले इकलौते गेंदबाज बन गए।

2011 से 2015 के बीच भी कुछ और हैट्रिक देखने को मिलीं। 2011 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज केमार रोच ने नीदरलैंड के खिलाफ हैट्रिक ली थी। 2015 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के स्टीवन फिन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और दक्षिण अफ्रीका के जेपी डुमिनी ने श्रीलंका के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। हाल ही में, 2019 वर्ल्ड कप में भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अफगानिस्तान के खिलाफ हैट्रिक लेकर भारतीय फैंस को जश्न मनाने का मौका दिया था। वह वनडे वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेने वाले भारत के दूसरे गेंदबाज बने। इसी वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हैट्रिक लेकर इस सूची में अपना नाम दर्ज कराया था, जो क्रिकेट के सबसे बड़े मंच पर गेंदबाजों के असाधारण प्रदर्शन को दर्शाता है।

युवा आर्यवीर अंडर-19 एशिया कप 2026 के शीर्ष स्कोरर बने

मस्कत । भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे आर्यवीर सहवाग ने अंडर-19 एशिया कप 2026 में अपने बल्ले से आग उगलते हुए टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी का गौरव हासिल किया है। इस युवा प्रतिभा ने पूरे कप के दौरान लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया और पाकिस्तान के खिलाफ हुए खिताबी मुकाबले में भी एक महत्वपूर्ण अर्धशतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को मजबूती प्रदान की। उनका यह प्रदर्शन न केवल व्यक्तिगत रूप से शानदार रहा, बल्कि भारतीय टीम के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ है।



आर्यवीर ने कुल पांच पारियों में 361 रन बटोरे, जिसमें उनका औसत और स्ट्राइक रेट दोनों ही प्रभावित करने वाले रहे। इन पांच पारियों में से केवल एक बार ऐसा हुआ जब वे 50 रनों के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए। उनकी सबसे यादगार और विस्फोटक पारी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ देखने को मिली, जहां उन्होंने 160 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली और अकेले दम पर मैच का रुख मोड़ दिया। सेमीफाइनल जैसे दबाव वाले मुकाबले में भी उन्होंने अपनी लय बरकरार रखी और अफगानिस्तान के खिलाफ बहुमूल्य 51 रन का योगदान दिया, जिसने टीम को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में, नेपाल के खिलाफ खेले गए पहले मैच में भी आर्यवीर ने नाबाद 70 रनों की पारी खेलकर अपनी फॉर्म का परिचय दिया था। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप स्टेज के मुकाबले में वे केवल 22 रन बनाकर सस्ते में आउट हो गए थे, लेकिन फाइनल मुकाबले में उन्होंने इस निराशा को पीछे छोड़ते हुए अपनी टीम को मजबूत शुरुआत दी। पाकिस्तान के खिलाफ खिताबी जंग में, आर्यवीर सहवाग ने कप्तान लक्ष्या रैचंदानी के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 95 रनों की शानदार साझेदारी की। इस साझेदारी ने भारतीय पारी को एक ठोस मंच प्रदान किया, जिस पर आगे के बल्लेबाज निर्माण कर सकते थे।

आर्यवीर का यह प्रदर्शन अंडर-19 क्रिकेट में उनकी चमक को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। बड़े मैचों में दबाव को झेलते हुए रन बनाने की उनकी क्षमता और निरंतरता ने उन्हें इस टूर्नामेंट का सर्वोच्च स्कोरर बनाया है, जो भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए एक उज्ज्वल संकेत है।

वैभव ने अंडर-19 एशिया कप में जीत पर भारतीय टीम को बधाई दी

नई दिल्ली। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम की जीत पर खुशी जताते हुए उसे बधाई दी है। वैभव ने सोशल मीडिया पर टीम इंडिया को बधाई देते हुए, प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए आर्यवीर सहवाग के लिए भी एक खास पोस्ट साझा किया, जो अब चर्चा का विषय बन गया है।

इस पूरे मुकाबले में कांटे की टक्कर देखने को मिली पर भारतीय टीम ने अंतिम गेंद पर जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा जमा लिया। जीत के इस जश्न के बीच वैभव आर्यवीर सहवाग की जमकर प्रशंसा की। आर्यवीर को अंडर-19 एशिया कप 2026 में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। वैभव ने आर्यवीर के लिए विशेष संदेश लिखते हुए उन्हें स्टार बॉय,



आर्यवीर सहवाग कहकर संबोधित किया। उनका यह पोस्ट क्रिकेट प्रशंसकों के बीच तेजी से फैल गया और युवा प्रतिभाओं के बीच आपसी सम्मान को भी दिखाता है।

इस खिताबी मुकाबले की एक और अहम बात यह रही कि भारतीय टीम को टूर्नामेंट के ग्रुप स्तर में पाकिस्तान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। उस हार के बाद, फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी को अंतिम गेंद पर पराजित करना, भारतीय खिलाड़ियों के लिए केवल एक ट्रॉफी जीतने से कहीं बढ़कर था। यह जीत न केवल अंडर-19 एशिया कप 2026 का खिताब लेकर आई, बल्कि ग्रुप स्टेज में मिली हार का मधुर बदला भी थी, जिसने पूरे देश को गर्व महसूस कराया और भविष्य के लिए भारतीय क्रिकेट की मजबूत नींव का संकेत दिया।

ओलंपिक संघ चुनावों के लिए उषा और हरजिंदर के नामांकन स्वीकार हुए

नई दिल्ली। अगले माह पांच दिवसंबर को होने वाले चुनावों के लिए भारतीय ओलंपिक संघ की मौजूदा अध्यक्ष पीटी उषा और भारतीय आइस हॉकी संघ (आईएचएआई) के महासचिव हरजिंदर के नामांकनों को स्वीकार कर लिया है। इसी के साथ ही इन दोनों की उम्मीदवारी पर लगी आपत्तियों भी खारिज हो गयी हैं। आईएचएआई के एक गुट ने इससे पहले उषा और हरजिंदर की दावेदारी पर आपत्तियां दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया था कि उषा आइस हॉकी के राष्ट्रीय महासंघ की सदस्य नहीं हैं और इसलिए वे आईओए की आम सभा में इसका प्रतिनिधित्व नहीं कर सकतीं। निर्वाचक मंडल की अंतिम सूची में शामिल उषा और हरजिंदर को आईएचएआई के सदस्य के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। वहीं इस मामले में निर्वाचन अधिकारी ने आईएचएआई से जवाब मांगा और 14 नवंबर को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उसके प्रतिनिधियों को बुलाया। इस सुनवाई में हरजिंदर और श्रीनिवास कोटनी उपस्थित हुए और उन्होंने साफ किया कि उषा और हरजिंदर आइस हॉकी संघ के सक्रिय सदस्य हैं। उन्होंने 14 नवंबर को नोटरी द्वारा सत्यापित एक विस्तृत हलफनामा भी पेश किया, साथ ही आपत्तियों के जवाब में रिकॉर्ड और स्पष्टीकरण भी प्रस्तुत किए। इस दौरान, एक महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण भी मांगा गया कि क्या किसी विशेष खेल से जुड़ा कोई व्यक्ति केवल उसी संबंधित राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) का सदस्य हो सकता है या वह किसी अन्य एनएसएफ का भी सदस्य बन सकता है। इसपर भारतीय ओलंपिक संघ ने कहा कि केवल इस आधार पर किसी व्यक्ति को अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता कि वह अपने खेल के अलावा किसी अन्य एनएसएफ का सदस्य है।

भोपाल में खिताब बचाने उतरेंगी भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल 2026 से पहले खिताब बचाने का भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि टीम ने पिछले कुछ समय में अपने प्रदर्शन में लगातार सुधार किया है और अब लक्ष्य इस लय को बरकरार रखते हुए खेल के स्तर को और ऊंचा उठाना है। भरोसू मैदान पर होने वाले इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम एक बार फिर चैंपियन बनने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने हाल के दिनों में शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने जापान में आयोजित एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। इससे पहले भारतीय खिलाड़ियों ने एफआईएच नेशंस कप का खिताब अपने नाम किया था। वहीं, एफआईएच विश्व कप में पांचवां स्थान हासिल किया, जो 1974 के बाद टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। सलीमा टेटे ने टीम की उपलब्धियों पर खुशी जताते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने प्रत्येक टूर्नामेंट में अपने खेल को बेहतर बनाया है। उन्होंने कहा, हमने हर



टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन को एक कदम आगे बढ़ाया और जापान में एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीता। हमारी निरंतरता अच्छी रही है। अब हम अपने बनाए हुए स्तर को बरकरार रखने और इसे लगातार ऊंचा उठाने की कोशिश करेंगे। एशियाई खेलों के फाइनल में भारत ने चीन को हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया था। भोपाल में भी चीन को मजबूत चुनौती माना जा रहा है। हालांकि, सलीमा ने स्पष्ट किया कि टीम का ध्यान विरोधियों की रणनीति पर नहीं, बल्कि अपनी तैयारियों पर रहेगा। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी कोच के निर्देशों और टीम की रणनीति के अनुसार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान दे रहे हैं।

अंडर-19 एशिया कप में जीत के बाद भारत-पाक को मिली मोटी इनामी राशि

मस्कल। भारतीय टीम को ओमान में हुए अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ मिली जीत के बाद इनाम राशि के तौर पर 15,000 अमेरिकी डॉलर तकरीबन 14.1 लाख रुपये की इनामी राशि मिली है। वहीं उपविजेता पाकिस्तान टीम को इससे आधी रकम तकरीबन 7,500 अमेरिकी डॉलर करीब 7.1 लाख रुपये मिले हैं। पिछले साल की इनामी राशि में कोई बदलाव नहीं किया गया है। तब साल 2025 में चैंपियन बनने पर पाकिस्तान को भी इतनी ही राशि मिली थी। यह भारत का चौथा अंडर-19 एशिया कप खिताब है, जो किसी भी टीम द्वारा जीती गई सबसे अधिक ट्रॉफी है। वहीं बांग्लादेश ने दो बार, जबकि पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने एक-एक बार यह खिताब जीता है। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने युवा क्रिकेटरों के भविष्य को लेकर एक महत्वपूर्ण सलाह दी है।

मोहित सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए सौराष्ट्र टीम में शामिल

मुम्बई। ओमान में हुए अंडर-19 एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने वाले मोहित उत्या को अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए सौराष्ट्र टीम में शामिल किया गया है। मोहित ने पाकिस्तान के खिलाफ हुए रोमांचक फाइनल मुकाबले में अंतिम ओवरों में भी जबरदस्त बल्लेबाजी की थी। इस खिलाड़ी ने 10 वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 26 गेंद में 5 चौके और 3 छक्के लगाकर 49 रन बनाए थे। भारतीय टीम को अंतिम गेंद पर जीत के लिए 3 रन बनाने थे पर मोहित ने चौका लगाकर जीत दिलाय। 18 साल के मोहित तेज गेंदबाज हैं पर पाक के खिलाफ उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने सभी को प्रभावित किया। टी20 प्रारुप में खेली जाने वाली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सौराष्ट्र ने अपने पहले मुकाबले में बिहार को पांच विकेट से हराया था। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ के अध्यक्ष जयदेव शाह ने मोहित के टीम से जुड़ने की पुष्टि की है। जयदेव ने कहा, मोहित ने जबरदस्त खेल दिखाया। सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन ने उसे मुश्ताक अली की टीम में शामिल करने का फैसला किया है। इंदौर में अपने मैच खेल रही सौराष्ट्र टीम की अगला मुकाबला सोमवार 16 नवंबर को हरियाणा से होगा।

एसडीएम ने किया अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास का औचक निरीक्षण, मकड़ी के जाले मिलने पर वार्डन को लगाई फटकार

50 छात्राओं में से केवल 12 मिलीं उपस्थित, 18 नवंबर से शुरू होने वाली परीक्षाओं को देखते हुए सभी छात्राओं को वापस बुलाने के निर्देश

छात्राओं से चर्चा कर भोजन, पेयजल एवं साफ-सफाई व्यवस्था की ली जानकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी एसडीएम विजय सिंह यादव ने रविवार को शासकीय सीनियर अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास कटंगी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान छात्रावास में साफ-सफाई की व्यवस्था में लापरवाही पाए जाने पर उन्होंने वार्डन प्रमिला राणा को कड़ी फटकार लगाई और व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री यादव ने सबसे पहले छात्रावास में दर्ज छात्राओं की उपस्थिति की जानकारी ली। वार्डन ने बताया कि छात्रावास 50 सीटर है और सभी सीटों पर छात्राएं दर्ज हैं। हालांकि, निरीक्षण के दिन कुल 50 छात्राओं में से मात्र 12 छात्राएं ही उपस्थित मिलीं। इस पर एसडीएम ने छात्राओं की कम उपस्थिति का कारण पूछा। वार्डन ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मड़ई मेलों के आयोजन के कारण छात्राएं छात्रावास नहीं पहुंची हैं।

एसडीएम ने निर्देश दिए कि सभी अनुपस्थित छात्राओं से तत्काल दूरभाष पर संपर्क कर उन्हें छात्रावास वापस बुलाया



जाए, ताकि 18 नवंबर से प्रारंभ होने वाली परीक्षाओं की तैयारी से बेहतर ढंग से कर सकें।

साफ-सफाई में लापरवाही पर जताई नाराजगी

एसडीएम श्री यादव ने छात्रावास के डाइनिंग हॉल, रसोईघर, भोजन व्यवस्था, भोजन मीनू, छात्राओं के शयन कक्ष, पेयजल एवं साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान छात्राओं के कमरों सहित छात्रावास के विभिन्न स्थानों पर मकड़ी के जाले लगे पाए गए। इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए वार्डन को फटकार लगाई।उन्होंने निर्देशित किया कि छात्रावास में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक आठ दिन में मकड़ी के जाले हटाने सहित अन्य स्वच्छता संबंधी कार्य अनिवार्य रूप से कराए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्रावास में रहने वाली बालिकाओं को स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना प्रबंधन की जिम्मेदारी है।

छात्राओं से सीधे संवाद कर जानी समस्याएं

निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री यादव ने छात्राओं से सीधे चर्चा कर भोजन की गुणवत्ता, पेयजल एवं साफ-सफाई की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। छात्राओं ने व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताया। एसडीएम ने छात्राओं से कहा कि छात्रावास में उपलब्ध भोजन, स्वच्छ पेयजल, बेहतर शयन कक्ष एवं साफ-सफाई की व्यवस्था उनका अधिकार है। इन व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने छात्राओं की आश्वस्त किया कि छात्रावास में किसी भी प्रकार की असुविधा या समस्या होने पर वे सीधे उनसे अवगत करा सकती हैं। शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत कटंगी के सीईओ गायत्री कुमार सारथी एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारी चंद्र सिंह कुसराम उपस्थित रहे।

गोंदिया में फिर चलेगा अतिक्रमण हटाओ अभियान

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। शहर में बहते अतिक्रमण की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर परिषद एक बार फिर अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू करने जा रही है. 31 अक्टूबर से शुरू हुई कार्रवाई त्योहारों के कारण रोक दी गई थी. अब सोमवार, 16 नवंबर के बाद शहर के 10 प्रमुख मार्गों पर अभियान चलाया जाएगा. यह जानकारी नगर परिषद के मुख्याधिकारी संदीप बोरकर ने दी.

शहर के गोरेलाल चौक, दुर्गा चौक, गांधी प्रतिमा, नगर परिषद मार्ग, सिविल लाइन और जयस्तंभ चौक सहित प्रमुख मार्गों पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हो चुका है. इसके कारण मुख्य बाजारपेठ में यातायात बाधित होता है. अतिक्रमण से सड़कें संकरी हो गई हैं, वहीं फुटपाथ पर दुकानदारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का कब्जा होने से पैदल चलने वालों को भी परेशानी होती है. त्योहारों के दौरान यह समस्या और गंभीर हो जाती है. नगर परिषद ने पहले भी कई बार अतिक्रमण हटाने का प्रयास किया, लेकिन कभी



राजनीतिक दबाव तो कभी तकनीकी अड़चनों के कारण कार्रवाई बीच में ही रुक गई. इससे अतिक्रमण करने वालों के हौसले बढ़े और समस्या जस की तस बनी रही. नागरिकों की लगातार शिकायतों के बाद नगर परिषद ने दोबारा अभियान शुरू करने का निर्णय लिया. 31 अक्टूबर से कार्रवाई शुरू की गई थी, लेकिन खातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के चलते इसे रोकना पड़ा. उस समय दीपावली के बाद अभियान दोबारा शुरू करने का आश्वासन दिया गया था. अब नगर परिषद ने इसके लिए तैयारी पूरी कर ली है.

अतिक्रमणकारियों को पहले ही नोटिस

नगर परिषद ने मुख्य सड़कों के किनारे अतिक्रमण करने वालों को पहले ही नोटिस जारी कर दिए हैं. नोटिस के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. पहले चरण में शहर के 10 प्रमुख मार्गों पर बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाए जाने की जानकारी नगर परिषद के अधिकारियों ने दी है.

अज्ञात वाहन की टक्कर से 5 वर्षीय बच्ची की मौत, तीन घायल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रहे अज्ञात बोलेरो पिकअप वाहन ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में पांच वर्षीय बच्ची की मौत हो गई, जबकि उसके माता-पिता और तीन वर्षीय भाई गंभीर रूप से घायल हो गया. यह दुर्घटना ग्राम जांभली से नवाटोला मार्ग पर हुई. दुर्घटना के बाद पिकअप चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया.जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले की डोंगरगढ़ तहसील के चौकीटोला बोरतलाव निवासी हिवराज कर्नेया बल्हारे (35), उनकी पत्नी कविता हिवराज बल्हारे (30), तीन वर्षीय पुत्र प्रियांश और पांच वर्षीय पुत्री रियांशी अपने ससुराल ग्राम खोथली से मोटरसाइकिल पर अपने गांव बोरतलाव लौट रहे थे. इसी दौरान जांभली-नवाटोला मार्ग पर अज्ञात बोलेरो पिकअप चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

उकवा ग्राम पंचायत में सीसी सड़क का निर्माण कार्य शुरू होने से खिले ग्रामीणों के चेहरे

जर्जर हो चुकी सड़कों की जगह अब बन रही नई सड़के

पद्मेश न्यूज। उकवा। जनपद पंचायत परसवाड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत उकवा में विकास कार्यों ने फिर से रफ्तार पकड़ी है जिससे ग्रामीणों में खुशी की लहर देखने मिल रही है । पानी टोला में सीसी सड़क आरसीसी वाली बाजार चौक एवं पानी टोला में स्मार्ट लाइट जैसे निर्माण कार्य पूर्ण करने के बाद अब लगभग एक करोड़ 23 लाख 42 हजार की राशि से कराये जा रहे हैं विकास कार्य । नवागत सरपंच श्रीमती रामवती उयके उपसरपंच शिव शंकर तिवारी एवं सचिव भजन वल्के ने जानकारी देते हुए बताया कि 3 अगस्त 2026 को जिन जगहों पर निर्माण कार्य के लिए भूमि पूजन किया गया था उनमें सबसे पहले वार्ड नंबर 04 मे दुर्गा प्रसाद पटले के घर से बोपचे बाबू के घर तक 40 मी सीसी सड़क , ओम प्लाई सेंटर से बड़ा देव परिसर तक सीसी सड़क, बड़ा देव परिसर से संजय अग्रवाल के घर तक सीसी सड़क, संजय अग्रवाल के घर से सामुदायिक भवन उकवा कैंप तक सीसी रोड ,तिहारी बहारे के घर से बम्हे के घर तक सीसी रोड । वार्ड नंबर 16 में भी तिलकबाबू के घर से मेन रोड तक सीसी रोड निर्माण कार्य, बाजार परिसर में गट्टू निर्माण कार्यों का सरपंच श्रीमती रामवती उईके उप सरपंच श्री शिव शंकर तिवारी सचिव भजन वल्के पंच श्रीमती रीना जीजोतिया ललिता रौतीया प्रमिला मेश्राम आरती भारद्वाज एवं पंच रमेश कुमार जंक्शन सरभोग सुमित बांगरे संजय अग्रवाल केस्टो चरण उत्कल नंदा एवं सभी पंचगणो और ग्रामीणों की उपस्थिति में भूमि पूजन किया गया था ऊन विकास कार्यों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है सामुदायिक भवन उकवा कैंप से संजय अग्रवाल के घर तक 8 इंच मोटी एवं 13 फीट चौड़ी सीसी सड़क का कार्य जोरों से चल रहा है इसके पश्चात जिन-जिन विकास कार्यों का भूमि पूजन किया गया है उन सभी निर्माण कार्यों का निर्माण कार्य शुरू कर जल्द ही पूरा कर दिया जाएगा । ग्राम पंचायत उकवा के पंच एवं उकवा की जनता का निर्माण कार्यों में सराहनीय सहयोग मिल रहा है ।



इज्तेमाई शादी में अब तक लगभग 425 जोड़ो का हो चुका है निकाह

मुफ्ती ए महाराष्ट्र ने की शिरकत,एकता का दिया सन्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हर साल की तरह इस साल भी जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर मुस्लिम एजुकेशनल एंड कल्चरल सोसायटी बालाघाट की ?तिनि से इज्तेमाई शादी का इंतजाम किया गया।रविवार 15 नवंबर को अंजुमन शादी हॉल में आयोजित इस इज्तेमाई शादी में सोसायटी की जानिब से 22 मुस्लिम नवयुवक-युवती जोड़ों का निकाह इस्लामी रस्मो रिवाज के साथ तहत कराया गया।साथ ही निकाह कुबूल करने वाले तमाम मुस्लिम जोड़ों को सोसाइटी की जानिब से उपहार स्वरूप घर-गृहस्थी की सामग्रियों का वितरण कर ,निकाह में मौजूद तमाम लोगों को लंगर ए मोहम्मदी तक्सीम किया गया इज्तेमाई शादी के 16वे वर्ष में भी बालाघाट तशरीफ लाए मुफ्ती ए महाराष्ट्र मुजतबा शरीफ साहब जिल्ला ने अपनी तकरीर(बयान) में इसी तरह की एकता का सदेश दैते हुए, इज्तेमाई शादी की जमकर तारीफ की वही उन्होंने फिजूल खर्ची पर रोक लगाने, और इस्लामी रस्मो के अनुसार निकाह को आसान बताते हुए, अजीमी शान तकरीर पेश की।इस दौरान सोसायटी अध्यक्ष उपाध्यक्ष सचिव सहित पदाधिकारी सदस्य व अन्य सहयोगी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।



इज्तेमाई शादी की शुरुवात बारात स्वागी के साथ अंजुमन शादी हॉल की गई.यह बारात अंजुमन शादी हॉल से बैहर चौकी, वहां से देवी तालाब रोड से मेन मार्केट होते हुए काली पुतली चौक, आंबेडकर चौक से जय स्तंभ चौक, वहां से बूढी अस्पताल मार्ग से बस स्टैंड, रानी अवंती बाई चौक होते हुए रजा चौक, जामा मस्जिद से वापस अंजुमन शादी हाल पहुंची।जहां सोसाइटी की जानिब से मुस्लिम युवक युवतियों का निकाह संपन्न कराया गया।

फिजूल खर्ची पर रोक लगाने की पहल जारी,अब तक 425 जोड़ो का निकाह करा चुकी है सोसायटी

फिजूलखर्ची पर रोक लगाने व सामाजिक स्तर पर शादी के लिए पहने वाले आर्थिक बोझ को कम करने के लिए हर साल जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर मुस्लिम एजुकेशनल एण्ड कल्चरल सोसायटी की जानिब से इज्तेमाई शादी का इन्तेजाम किया जाता है जिसमें सोसायटी की जानिब से शादी के पूर्व होने वाली मिलाद,बरात रवानगी,सहित अन्य आयोजन कर मुस्लिम रस्मो रिवाज के अनुसार आवेदन करने वाले मुस्लिम युवक युवतियों का निकाह कराया जाता है सोसायटी की जानिब से पिछले 16 वर्षों से यहां आयोजन किया जा रहा है। जिसमे अब तक 425 निकाह सम्पन्न कराए जा चुके है।वही सोसायटी द्वारा आगामी समय मे इस आयोजन को भव्य रूप प्रदान करने की बात कही गई है।

नही ली जाती शासकीय मदद, आवाम की इम्दाद से होता है आयोजन

आज के दौर में भव्य रूप से आयोजित होने वाले कोई भी सामाजिक कार्य बिना शासकीय मदद के होना ,लगभग असंभव सा हो गया है लेकिन मुस्लिम एजुकेशनल एण्ड कल्चरल सोसायटी की जानिब से हर साल ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर आयोजित होने वाली इस इज्तेमाई शादी में किसी भी प्रकार की शासकीय मदद नही ली जाती और यहां तमाम आयोजन सिर्फ मुस्लिम आवाम की मदद और इम्दाद से सम्पन्न कराया जाता है।जिसमें मुस्लिम समाज के लोग बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है और इस आयोजन को सफल बनाने में अपना भरपूर सहयोग प्रदान करते है।

तेहरा गाते निकाली गई बारात

अंजुमन शादी हॉल में आयोजित इस

इन 22 जोड़ों ने कहा निकाह कुबूल है।

मुस्लिम एजुकेशनल एंड कल्चरल सोसायटी बालाघाट की जानिब से इस साल आयोजित इस इज्तेमाई शादी में 22 जोड़ों का निकाह कराया गया। जिसमें रोशनी हमराह शेख फईम, तरन्नुम बानो हमराह सलमान खान,तहमीना परवीन हमराह फईम मंसूरी, आसिया बी हमराह अ. फैयाज खान, तबस्सुम परवीन खान हमराह सुल्तान शेख,जुमनिशा खान हमराह मो साजिद खान,आलिया अहमद हमराह सोपू मेहबूब शेख, रेशमा खान हमराह असलम खान, तंजीला कुरैशी हमराह अब्दुल शहरुख, रेशमा शेख हमराह अशफाक खान, आफेफा खान हमराह आसिफ खान, रजिया नाज हमराह अल्ताफ खान, फिरोजा खान हमराह शेख नदीम, जन्नत खातून हमराह शोएब खान, मुस्कान अंसारी हमराह फारुख अंसारी,अल्फिया खान हमराह तौसीफ अली, फरजाना खान हमराह सहिद खान, असीना खान हमराह वाहिद अली,मुरादन बी हमराह हैदर अली,सफक अंजुम हमराह असलम खान, साफिया परवीन हमराह जुबेर खान, और स्वालिया रिजवी हमराह इमरान अली के नामों का समावेश है।जिन्होंने इस इज्तेमाई शादी में निकाह कुबूल किया।

शास.हाई स्कूल खरखड़ी में महान नायक बिरसा मुंडा की मनाई जयंती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी विकास खंड अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल खरखड़ी में महान नायक बिरसा मुंडा की जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार तिवारी की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम सभी के द्वारा पूजन अर्चन किया गया तथा उनके जीवन के बारे में प्रकाश डाला गया। उनके किये गये देश के लिए कार्यों को बताया गया और बच्चो को उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा दी गयी। खैरलांजी बीईओ मुकेश कुमार तिवारी के द्वारा परीक्षा की तैयारी और आने वाली परेशानियों से कैसे निपटे,तनाव मुक्त रहने व अच्छा कर्म करने तथा जीवन में उच्च विचार, आदर्श और उच्च मुकाम पर पहुंचने के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर स्कुल स्टॉफ के साथ साथ अनेक ग्रामीण जन उपस्तित रहे। कार्यक्रम पश्चात जय घोष रैली का आयोजन तथा स्वास्थ्यता अभियान के तहत थाल उद्यान व शिव मंदिर में सफाई अभियान किया गया।



अंतिम में बच्चो को प्रसाद वितरण और भोजन करवाया गया । इस अवसर पर मुकेश कुमार तिवारी बीईओ खैरलांजी,प्रभारी प्रिंसिपल श्रीमती विश्वात्मा मेश्राम,लोकेश तिवारी, धनेन्द्र कुमार मस्करे,गजानंद तीतरमारे,इनोहर ऊके, हिरा उइके,करिस्मा बिसेन,रुपाली पारधी,राधेश्याम लिलहारे एवं अनेक ग्रामीण जन उपस्तिथ रहे।

भगवान बिरसा मुंडा जी की 151वीं जयंती पर सोनपुरी में श्रद्धापूर्वक मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस

छात्रावास के बच्चों ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेने का लिया संकल्प

पद्मेश न्यूज। उकवा । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, जिला बालाघाट के जिला समन्वयक महेश पटले जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में भगवान बिरसा मुंडा जी की 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सोनपुरी के तत्वावधान में राजा शंकर शाह एवं रघुवीर शाह शासकीय जूनियर बालक छात्रावास, सोनपुरी में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान बिरसा मुंडा जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर छात्रावास के बच्चों ने भगवान बिरसा मुंडा जी के जीवन परिचय, संघर्ष, साहस, सामाजिक चेतना एवं देश और समाज के प्रति उनके अतुलनीय योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए।



कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं ग्रामीणजनों ने भगवान बिरसा मुंडा जी के त्याग, संघर्ष, बलिदान और आदर्शों को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी का जीवन अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, समाज को जागरूक बनाने तथा अपनी संस्कृति, परंपराओं एवं अधिकारों की रक्षा करने की प्रेरणा देता है।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री महेश पटले जी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी मंडल उपाध्यक्ष कांतिलाल चौहान एवं संदीप गजभिये उपस्थित रहे। वहीं छात्रावास अधीक्षक शिवानंद मरावी, चनश्याम मुरकुटे, ग्राम के वरिष्ठ नागरिक श्री बृजलाल चौधरी, भूमेश मात्रे सहित ग्रामवासी एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सोनपुरी की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति वरकड़े एवं सचिव संदीप गजभिये के साथ समिति सदस्य श्रीमती ममता कठरे, श्रीमती शिखा उमरे, पुष्पराज कठरे, जितेंद्र कोलते एवं अन्य सदस्यों की सहभागिता रही।

छात्रावास की ओर से हॉस्टल नायक श्री मानसिंह मरकाम, श्री अंकेश उइके, श्री गोविन्द उइके, राजेंद्र मरकाम तथा छात्रावास के समस्त बच्चों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में महापुरुषों के जीवन एवं संघर्ष से प्रेरणा लेकर सामाजिक चेतना, देशभक्ति, जनजातीय गौरव तथा अपनी संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना रहा। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी का जीवन हम सभी के लिए साहस, स्वाभिमान, सामाजिक एकता और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा है।

बाईक के पहिये में साड़ी फंसी, महिला की मौत

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। पति के साथ मोटरसाइकिल से तेरहवीं के कार्यक्रम में जा रही एक महिला की साड़ी अचानक पिछले पहिये में फंस गई. इससे वाहन का संतुलन बिगड़ गया और महिला सड़क पर गिर पड़ी, हादसे में सिर पर गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई. यह दुर्घटना भिवखिड़की से सालई मार्ग पर भिवखिड़की शिवार में हुई. मृतका का नाम माहुरकुड़ा निवासी सुमेधा किशोर तागड़े (45) बताया गया है.

जानकारी के अनुसार, सुमेधा अपने पति के साथ मोटरसाइकिल से सालई बु. में आयोजित तेरहवीं के कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थीं. भिवखिड़की शिवार से गुजरते समय अचानक उनकी साड़ी का पल्लू वाहन के पिछले पहिये में फंस गया, इससे मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ गया और वे चलती गाड़ी से नीचे गिर पड़ीं. दुर्घटना में उसके सिर पर गंभीर चोट आई. दुर्घटना के तुरंत बाद पति और स्थानीय नागरिकों ने उसे उपचार के लिए नवेगांवबांध ग्रामीण अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनकी मौत हो गई. चिकित्सकीय जांच के बाद डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. इस घटना से माहुरकुड़ा और पलसगांव क्षेत्र में शोक की लहर है. नवेगांवबांध पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

दान पेटी से 10 हजार रु. चोरी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। देवरी थाने के तहत मां धुकेश्वरी मंदिर की दान पेटी फोड़कर अज्ञात व्यक्ति ने 10 हजार रु. चुरा लिए, जानकारी के अनुसार, देवरी में मां धुमकेश्वरी सार्वजनिक मंदिर है. मंदिर के दरवाजे का ताला तोड़कर अज्ञात व्यक्ति ने अंदर प्रवेश किया व दान पेटी फोड़कर 10 हजार रु. चुरा लिया. फिर्यादी सुशिल पतिराम शेंदरे (62) की शिकायत पर देवरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार बडोले कर रहे हैं.

बालाघाट
सोमवार 16 नवम्बर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

कटंगी-तिरोड़ी रेलमार्ग पर ट्रेन की चपेट में आने से बाघ शावक की मौत

घंटों दहाड़ती रही मां, एक वर्षीय शावक की मौत के बाद घटनास्थल के आसपास मंडराती रही बाघिन, पेंच से पहुंची डॉक्टरों की टीम ने किया पोस्टमार्टम, वन्यजीवों की सुरक्षा के इंतजामों पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के कटंगी-तिरोड़ी रेलमार्ग पर रविवार की बिती रात को ट्रेन की चपेट में आने से एक वर्षीय बाघ शावक की मौत हो गई। घटना के बाद शावक की मां बाघिन काफी देर तक घटनास्थल के आसपास मंडराती रही और लगातार दहाड़ती रही। बाघिन की मौजूदगी के कारण मौके पर पहुंचे लोग और पुलिसकर्मी भी उसके नजदीक जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। सूचना मिलने पर वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और सावधानीपूर्वक शावक का शव बरामद किया।



जानकारी के अनुसार घटना वन विकास निगम के कटंगी परिक्षेत्र अंतर्गत कक्ष क्रमांक 786 में हुई। बताया जा रहा है कि मादा बाघ का करीब एक वर्षीय शावक रेल पटरी पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद बाघिन काफी समय तक शावक के शव के आसपास मौजूद रही और दहाड़ती रही। हालात को देखते हुए वन विभाग के कर्मचारियों ने सुरक्षा का ध्यान रखते हुए शव को अपने कब्जे में लिया। शव बरामद किए जाने के बाद पेंच से पहुंचे पशु चिकित्सकों की टीम ने पोस्टमार्टम किया। इसके बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की गाइडलाइन के अनुसार वन विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में शावक का अंतिम संस्कार किया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद तिरोड़ी थाने से डायल 112 वाहन भी मौके पर पहुंचा था, लेकिन बाघिन की गुर्राहट और दहाड़ सुनकर वाहन में मौजूद कर्मचारी बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। बाद में वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा। बताया जाता है कि खाड़िटोला से हीरापुर और पौनिया तक फैले जंगल में बाघ सहित हिरण, जंगली सूअर, जंगली गाय और अन्य वन्यजीवों की मौजूदगी है। बीते कुछ दिनों से क्षेत्र में एक मादा बाघिन के चार शावकों के साथ विचरण करने की चर्चा भी थी। रविवार को इनमें से एक शावक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार यह जंगल पेंच राष्ट्रीय उद्यान से जुड़ा हुआ है, जिसके कारण इस क्षेत्र में वन्यजीवों की आवाजाही बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कटंगी रेलमार्ग का लगभग पांच किलोमीटर हिस्सा घने जंगल के बीच से गुजरता है। रेल पटरी के दोनों ओर जंगल होने के कारण यहां बड़ी संख्या में वन्यजीवों का आवागमन होता है। इसके बावजूद वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए रेलमार्ग के आसपास पर्याप्त इंतजाम नहीं दिखाई देते। रविवार को बाघ शावक की मौत के बाद एक बार फिर रेलवे ट्रैक पर वन्यजीवों की सुरक्षा का मुद्दा चर्चा में आ गया है। लोगों ने मांग की है कि रेलमार्ग के संवेदनशील हिस्सों में दोनों ओर सुरक्षा जाली अथवा बाड़ लगाने की व्यवस्था की जाए, ताकि वन्यजीव अचानक पटरी पर न पहुंचें और इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। स्थानीय लोगों का मानना है कि वन्यजीवों की सुरक्षा की जिम्मेदारी रेलवे और वन विभाग दोनों की है। ऐसे में दोनों विभागों को समन्वय बनाकर ठोस इंतजाम करने चाहिए। घटना के बाद मौके पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारी मीडिया को जानकारी देने से बचते नजर आए। स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप लगाया गया कि अधिकारियों ने मीडिया को घटनास्थल की कवरेज करने से रोका और मामले में आधिकारिक बयान देने से परहेज किया। वन्यजीवों की सुरक्षा और रेलमार्ग पर ऐसी घटनाओं की रोकथाम को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आने से लोगों में नाराजगी है। अब सवाल यह है कि बाघ शावक की मौत के बाद रेलवे और वन विभाग संवेदनशील रेलखंड पर वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए क्या ठोस कदम उठाते हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से 85 वर्षीय वृद्ध गंभीर रूप से घायल- हायर सेंटर रेफर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम लिंगा में हट्टा रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर से 85 वर्षीय वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घायल वृद्ध चंदूलाल



पिता सुबेलाल पांचे ग्राम लिंगा निवासी हीं हैं जिसे परिजनों द्वारा 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लिंगा निवासी चंदूलाल पांचे अपने परिवार के साथ खेती-किसानी का कार्य करते हैं। परिवार में उनके दो बेटे हैं और सभी खेती के कार्य में लगे हुए हैं। बताया गया कि 14 नवंबर की रात करीब 10 बजे चंदूलाल घर पर भोजन करने के बाद टहलने के लिए निकले थे। इसी दौरान वे टहलते हुए हट्टा रोड की ओर पहुंच गए। जहां किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी और चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।हादसे के बाद चंदूलाल गंभीर रूप से घायल अवस्था में सड़क किनारे पड़े हुए थे। उन्हें देखकर ग्रामीणों ने तत्काल उनके परिजनों को सूचना दी। जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और 108 एंबुलेंस की सहायता से उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया। वहां उपचार के दौरान उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया वहीं जिला अस्पताल पुलिस ने घायल चंदूलाल के पुत्र राजू के बयान दर्ज कर मामले की अग्रिम कार्रवाई के लिए प्रकरण संबंधित ग्रामीण थाना नवेगांव भेज दिया है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

तेज रफ्तार मोटरसाइकिल पेड़ से टकराई दो व्यक्ति की मौके पर दर्दनाक मौत

डोंगरिया-जगला मार्ग के थूर्मेटा फाटा मोड़ पर हुआ भीषण सड़क हादसा
बिरसा पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच



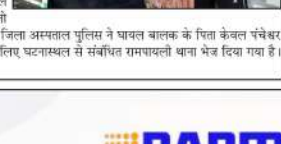
पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डोंगरिया से जगला के बीच थूर्मेटा फाटा के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल पर सवार दोनों व्यक्तियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। प्राप्त प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना 15 नवंबर को दोपहर लगभग 2:30 बजे की बताई जा रही है। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान अमोलसिंह पिता अमीरचंद पन्दे 35 वर्ष ग्राम डोंगरिया तथा अशवंत सिंह पिता जयसिंह धुर्वे 45 वर्ष ग्राम तरेगांव निवासी के नाम से हुई है। दोनों व्यक्ति बिरसा थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। बताया जा रहा है कि दोनों व्यक्ति मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान थूर्मेटा फाटा के मोड़ पर मोटरसाइकिल चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और मोटरसाइकिल सीधे सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई।हादसे की सूचना मिलते ही बिरसा थाना पुलिस सक्रिय हुई। सहायक उप निरीक्षक राजेश सनोडिया पुलिस स्टाफ के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेने के बाद दोनों मृतकों के शवों को बिरसा अस्पताल पहुंचाया, जहां अस्पताल की मरचुरी में सुरक्षित रखवाया गया।घटना की जानकारी मिलने पर मृतकों के परिजन भी देर शाम तक बिरसा अस्पताल पहुंच गए थे। अचानक हुए इस हादसे से दोनों परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं क्षेत्र के लोगों में भी घटना को लेकर शोक व्याप्त है।

कहां जा रहे थे दोनों व्यक्ति पुलिस कर रही जांच

फिलहाल दोनों व्यक्ति मोटरसाइकिल से कहां जा रहे थे और दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस द्वारा परिजनों से पूछताछ किए जाने के बाद ही उनके गंतव्य और हादसे से जुड़ी अन्य परिस्थितियों का खुलासा होने की संभावना है। प्रारंभिक तौर पर मोटरसाइकिल के अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने की बात सामने आई है।बिरसा पुलिस ने मामले में धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। इस दर्दनाक दुर्घटना ने एक बार फिर तेज रफ्तार और वाहन पर नियंत्रण बनाए रखने की आवश्यकता को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की टक्कर से 6 वर्षीय बालक घायल- जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामपायली थाना क्षेत्र के ग्राम चिंचगांव में तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की टक्कर से घर के सामने खेल रहा छह वर्षीय बालक घायल हो गया। हादसे में बालक के सिर में चोट आई है। घायल बालक तनुल पिता केवल पंचेश्वर 6 वर्ष की परिजनों ने तत्काल उसे जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराया। जहां उसका उपचार जारी है। घटना के दौरान मोटरसाइकिल ग्राम सतोना की ओर से आ रही थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार,ग्राम चिंचगांव निवासी तनुल पंचेश्वर कक्षा छठवीं का छात्र है। उसके माता-पिता खेती-किसानी का कार्य करते हैं। रविवार 15 नवंबर को स्कूल की छुट्टी होने के कारण तनुल दोपहर करीब 1:30 बजे अपने घर के सामने गांव के अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान ग्राम सतोना की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक मोटरसाइकिल ने खेल रहे तनुल को जोरदार टक्कर मार दी।मोटरसाइकिल की टक्कर लगने से बालक सड़क पर गिर पड़ा और उसके सिर में चोट लग गई। हादसे के बाद बालक के रोने की आवाज सुनकर परिवार के लोग तत्काल घर से बाहर निकले। जब उन्होंने तनुल को घायल अवस्था में देखा तो बिना देर किए उसे जिला अस्पताल बालाघाट ले गए। जहां उसे उपचार के लिए भर्ती कराया गया बताया गया है कि मोटरसाइकिल ग्राम सालेटेका निवासी अंकित शिकारे चला रहा था जो चिंचगांव में मेहमान के रूप में आया हुआ था। घटना के संबंध में जिला अस्पताल पुलिस ने घायल बालक के पिता केवल पंचेश्वर के बयान दर्ज किए हैं। इसके बाद मामले की अग्रिम कार्रवाई के लिए घटनास्थल से संबंधित रामपायली थाना भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा प्रकरण में आगे की कार्रवाई की जा रही है।







स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट